फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 75 संख्या: 329 प्रभात जयपुर, मंगलवार 1 जुलाई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

HOW US PROFITS FROM THE WAR IN UKRAINE

The advocates of the US military industrial complex are deeply embedded in the government and semi-government apparatus, manipulate politicians in Capitol Hill

COACHES MATTER IN SPORTS

How Apples Got Their Names

ये ''हाईकमान'' क्या चीज़ है?

कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे ने इसका मतलब समझाते हुए कहा, सोनिया गांधी 21 साल कांग्रेसाध्यक्ष रहीं, राहुल गांधी भी पूर्व कांग्रेसाध्यक्ष हैं, अतः दोनों मिलकर संयुक्त रूप से निर्णय लेते है, अतः वे हाईकमान कहलाते हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **मजे की बात है, कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने आप को ''हाईकमान'' में शामिल नहीं किया।**
- **पर, एक नाम जो जुड़ना चाहिए था, और शायद शिष्टाचार के कारण हाईकमान की परिभाषा में नहीं जुड़ा, वह था, के.सी. वेणुगोपाल।**
- **राहुल गाँधी को पार्टी के निर्णयों की बारीकी में जाने की आदत नहीं है, अतः उनके निजी सचिव वेणुगोपाल, पार्टी के छोटे-बड़े निर्णय अपने स्तर पर लेते हैं। कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रस्तावित नाम को अस्वीकार करने का अधिकार वेणुगोपाल के पास है।**
- **यह कांग्रेस ''हाईकमान कल्चर'' अब कांग्रेस तक ही सीमित नहीं है, भाजपा व अन्य पार्टियों ने भी यह कल्चर अपना लिया है। लीडर नेतृत्व प्रदान करता है, पर, लीडर तक पहुंचने का एक ही रास्ता है, जी-हुजूरी।**

नई दिल्ली, 30 जून। जब 140 साल पुराने एक अखिल भारतीय राजनीतिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जोर देकर कहते हैं कि ''हाई कमान तय करेगा,'' तो न केवल आश्चर्य होता है, बल्कि कुछ बुनियादी सवाल भी खड़े हो जाते हैं – खासकर उस अध्यक्ष के स्टेटस या उसकी कमी को लेकर, और इस बारे में भी, कि पार्टी में वास्तव में हाई कमान और निर्णय लेने वाली समिति की संरचना क्या है।

यहाँ बात की जा रही है मल्लिकार्जुन खड़गे की, जो देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी के अध्यक्ष हैं – एक ऐसी पार्टी, जिसने स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया और भारत को ब्रिटिश शासन के शिकंजे से मुक्त कराया।

खड़गे अपने गृह राज्य कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाओं पर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जहाँ पार्टी के दो धड़े आपस में सत्ता की जंग में उलझे हुए हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पद पर बने रहना चाहते हैं, जबकि उनके प्रतिद्वंदी और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार इस प्रतिष्ठित पद की ओर देख रहे हैं। शुरुआत में ही ढाई–ढाई साल के कार्यकाल का समझौता हुआ था, और अगर ''हाई कमान'' अपने वादे पर कायम रहता है, तो यह बदलाव नवंबर में होना है।

तो सवाल यह है कि यह हाई कमान आखिर कौन और क्या है।

हाई कमान की संस्कृति भाजपा और अन्य दलों ने कांग्रेस से ही ली है– जो नेता की चाटुकारिता और जी–हजूरी में हमेशा अग्रणी रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष को पार्टी में अब तक सबसे शक्तिशाली माना जाता रहा है। बाकी सब तो सिर्फ नाम मात्र के नेता हैं, उनका कद अध्यक्ष के आगे बहुत छोटा है।

लेकिन जब से राहुल गांधी ने अपनी मां सोनिया गांधी से पार्टी की कमान अपने हाथ में ली है, पार्टी की अंदरूनी कार्यशैली पूरी तरह बदल गई है। वह अब भी पार्टी के सर्वोच्च नेता हैं, लेकिन पार्टी अध्यक्ष बनना नहीं चाहते। वे अपने काम–काज और फैसलों की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते, लेकिन पीछे से सत्ता के सूत्र अपने हाथ में रखना पसंद करते हैं। उन्हें ड्राइविंग से ज़्यादा बैकसीट ड्राइविंग पसंद है।

ऐसा ही तब हुआ, जब राहुल गांधी को पार्टी अध्यक्ष बनाया गया, लेकिन चुनाव में हार के बाद सिर्फ डेढ़ साल में उन्होंने इस्तीफा दे दिया और घोषणा की कि अब गांधी परिवार से कोई भी व्यक्ति पार्टी अध्यक्ष नहीं बनेगा।

लेकिन यह केवल शब्दों की बाज़ीगरी थी, सिर्फ हवा में उड़ाए गए दावे थे।

जब कोई और उस कुर्सी के लायक नहीं दिखा, तो सोनिया गांधी को ''मनाया'' गया कि वे अस्थायी तौर पर कांग्रेस अध्यक्ष बनें। यह स्थिति काफी समय तक बनी रही।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान के राजेश मीणा महाराष्ट्र के मुख्य सचिव बने

जयपुर, 30 जून। सवाई माधोपुर के रहने वाले आई.ए.एस. अफसर राजेश मीणा को महाराष्ट्र का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। वर्ष 1988 बैच के महाराष्ट्र कैडर के आई.ए.एस. राजेश मीणा पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भाजपा नेता जसकौर मीणा के दामाद हैं। राजेश मीणा ने महाराष्ट्र की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक की जगह ली। सुजाता 30 जून (सोमवार) को रिटायर हो गईं। सुजाता ने राजेश मीणा को कार्यभार सौंपा।

आई.ए.एस. राजेश मीणा अब तक महाराष्ट्र में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वे वर्तमान में

- **वे 1988 बैच के महाराष्ट्र कैडर के आई.ए.एस. हैं तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री जसकौर मीणा के दामाद हैं।**

एडिशनल चीफ सेक्रेटरी रैवेन्यू और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के पद पर कार्यरत थे। राजेश मीणा इसी साल अगस्त में सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

बताया जा रहा है कि राजेश मीणा की पत्नी अर्चना मीणा सवाई माधोपुर में होटल इण्डस्ट्री से जुड़ी हैं। वे सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। अर्चना की मां जसकौर मीणा पूर्व केन्द्रीय मंत्री और दौसा से सांसद रह चुकी हैं। जसकौर मीणा का सवाई माधोपुर से करीब 15 किलोमीटर दूर मैनपुरा गांव में शबरी फार्म है, जिसमें ऑर्गेनिक खेती की जाती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन व पाकिस्तान ''सार्क'' संगठन का विकल्प खड़ा करना चाह रहे हैं?

इस विकल्प का मकसद है पाकिस्तान की आतंकवाद का स्रोत होने की स्थापित छवि को नकारना

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- **विकल्प खड़ा करने के लिए चीन व पाकिस्तान ने एशिया के अलग-अलग देशों से त्रिपक्षीय समझौता करना शुरू कर दिया हैं।**
- **हाल ही में चीन, पाकिस्तान व बांग्लादेश के बीच चीन के शहर कन्मिंग में त्रिपक्षीय समझौता हुआ।**
- **ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन-पाकिस्तान व अफगानिस्तान को एक डोर में पिरोने के लिए चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कोरीडोर को अफगानिस्तान तक पहुंचाने के लिए त्रिपक्षीय समझौता हुआ।**
- **इसी प्रकार कुछ ही सप्ताह में एक नया त्रिपक्षीय समझौता भूटान, नेपाल व श्रीलंका के बीच भी प्रस्तावित है।**
- **दक्षिण एशिया के देशों को एक नये संगठन के मंच पर लाने का यह प्रयास बड़े सुनियोजित तरीके से चल रहा है।**

नई दिल्ली, 30 जून। भारत की पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर अलग–थलग करने की नीति को निष्प्रभावी करने और अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाने की कोशिशों के तहत, चीन और पाकिस्तान, कथित तौर पर, सार्क के स्थान पर एक नए क्षेत्रीय संगठन की स्थापना के प्रस्ताव पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। यह अब लगभग निष्क्रिय हो चुके साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल को–ऑपरेशन (सार्क) की जगह ले सकता है।

एक ओर, जहां दोनों देशों के राजनयिकों ने दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों की राजधानियों में इस तरह के संगठन की स्थापना का प्रस्ताव रखा है, वहीं दूसरी ओर बीजिंग और इस्लामाबाद अन्य देशों के साथ त्रिपक्षीय बैठकें आयोजित कर यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस तरह के संगठन की आवश्यकता क्यों है और यह इस क्षेत्र में आर्थिक व व्यापारिक सहयोग को कैसे नया जीवन दे सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद, चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक त्रिपक्षीय बैठक हुई। यह बैठक ऐसे समय हुई, जब तालिबान की अंतरिम सरकार ने पहलगाम की घटना, और उसके जवाब में भारत की सैन्य कार्यवाही के बाद, भारत का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया था।

इन तीन देशों के विदेश मंत्रियों की यह बैठक इस पृष्ठभूमि में हुई थी कि इस्लामाबाद लगातार तालिबान सरकार की आलोचना कर रहा है कि वह अफगान धरती से पाकिस्तान के खिलाफ लड़ रहे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट से ललित मोदी को झटका, अब उन्हे ई.डी. को देने होंगे 10.65 करोड़ रु.

यह जुर्माना उन पर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत लगाया गया था

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- **ललित मोदी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की थी कि ई.डी. ने उन पर जो 10.65 करोड़ रु. का जुर्माना लगाया है, वह बी.सी.सी.आई. अदा करे।**
- **गत वर्ष दिसम्बर में बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी उनकी यह याचिका खारिज कर दी थी उल्टे उन पर ऐसी याचिका दायर करने के लिए एक लाख रु. का जुर्माना भी लगाया था।**

नई दिल्ली, 30 जून। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व क्रिकेट प्रशासक ललित मोदी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बी सी सी आई) को यह आदेश देने की मांग की थी कि वह फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (एफ ई एम ए) के उल्लंघन के लिए, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उन पर लगाए गए 10.65 करोड़ रुपये के जुर्माने का भुगतान करे।

न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि अगर मोदी चाहें तो कानून के तहत उपलब्ध दीवानी उपायों (सिविल रेमेडीज़) का सहारा ले सकते हैं।

बम्बई हाई कोर्ट ने भी पिछले साल 19 दिसंबर को मोदी की इसी याचिका को खारिज करते हुए, उन पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। मोदी ने अपनी याचिका में यह मांग की थी कि बीसीसीआई को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उन पर लगाए गए 10.65 जुर्माने की राशि चुकाने का निर्देश दिया जाए।

मोदी ने दलील दी थी कि उन्हें जब बीसीसीआई का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था और साथ ही वे आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष भी थे (जो बीसीसीआई की एक उप–समिति है), तो बीसीसीआई के नियम–कानूनों के अनुसार, बीसीसीआई को उनकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए और जुर्माना चुकाना चाहिए।

'मैं भी डिजिटल ठगी का शिकार होते-होते बचा'

जयपुर, 30 जून। राजस्थान हाईकोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट व साइबर क्राइम से जुड़े अपराधों में बढ़ोतरी से जुड़े मामले में केन्द्र व राज्य सरकार से जवाब देने के लिए कहा है। अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट के पास इस संबंध में जो भी एडवाइजरी आई थी, उसे संबंधित को भेज दिया गया है। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस

- **हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव ने डिजिटल और सायबर क्राइम पर चिंता जताते हुए यह बात कही और केन्द्र व राज्य सरकार को नोटिस भेजा।**

मनीष शर्मा की खंडपीठ ने ये आदेश डिजिटल अरेस्ट व साइबर क्राइम के अपराध के मुद्दे पर लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, सीजे श्रीवास्तव ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि डिजिटल ठग उन तक भी पहुंचे हैं और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजीव शर्मा बुधवार को पुलिस महानिदेशक का चार्ज सम्भालेंगे

राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार को प्रतिनियुक्ति से उन्हें रिलीव करने का पत्र लिखा

जयपुर, 30 जून। राजस्थान में नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में राजस्थान सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी राजीव कुमार शर्मा को नियुक्त किया है। राजीव शर्मा बुधवार को पदभार ग्रहण करेंगे। जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार को राजीव शर्मा को रिलीव करने के लिए चिट्ठी लिखी है। सोमवार को रवि प्रकाश मेहरड़ा रिटायर हो गए, जो उत्कल साहू के रिटायर होने के बाद राजस्थान डीजीपी पद संभाल रहे थे। रवि प्रकाश ने महज 20 दिन के लिए इस पद की जिम्मेदारी संभाली। अब उनके रिटायर होने के बाद, प्रदेश सरकार ने राजीव कुमार शर्मा को राजस्थान का डीजीपी नियुक्त किया है।

हाल ही में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने राज्य सरकार को तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नामों का पैनल भेजा था, जिसमें राजीव शर्मा, राजेश निर्वाण और संजय अग्रवाल के नाम शामिल थे। कहा जा रहा था कि राजीव शर्मा का नाम सबसे ऊपर है।

राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के महानिदेशक (डीजी) रह चुके राजीव कुमार शर्मा वर्तमान में पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली के महानिदेशक पद पर तैनात हैं।

- **अभी पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के पद पर तैनात राजीव शर्मा राज्य के सबसे वरिष्ठ आई.पी.एस. अधिकारी हैं। दिल्ली जाने से पहले वे राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के डी.जी. थे।**

गौरतलब है कि राजीव कुमार शर्मा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा से हैं और उन्हें पुलिस और प्रशासन का व्यापक अनुभव है। उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें 2014 में राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया था। राजीव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

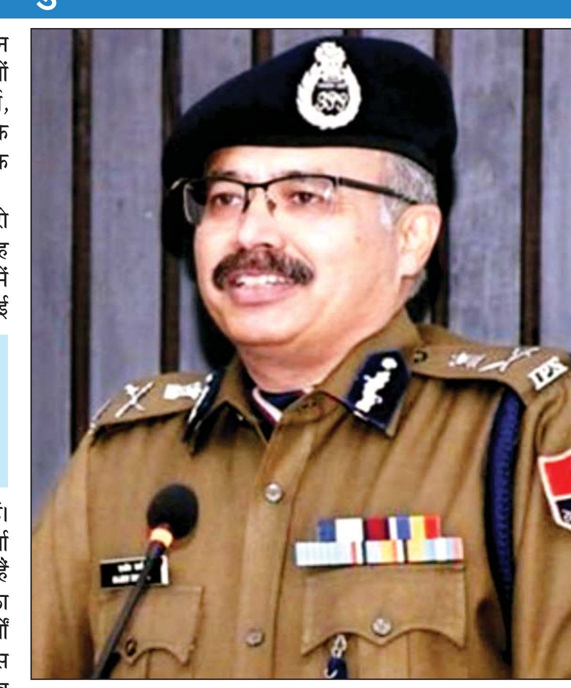

राजीव शर्मा

तेलंगाना में भाजपा को भारी झटका

हैदराबाद, 30 जून। तेलंगाना के फायर ब्रांड नेता एवं गोशामहल से विधायक टी राजा सिंह ने भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष के तौर पर नया नाम सामने आने के बाद, ये फैसला लिया है। आलाकमान ने एन रामचंद्र राव के नाम पर राज्य भाजपा अध्यक्ष के पद पर सहमति जताई है। इसी से नाराज होकर टी राजा सिंह ने अपना

- **फायर ब्रांड विधायक टी राजा सिंह ने भाजपा छोड़ी क्योंकि वे तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष के पद पर नया नाम सामने आने से नाराज़ हैं।**

इस्तीफा इस वक्त के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार को भेज दिया है।

भाजपा से इस्तीफे के ऐलान के साथ ही टी राजा सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो पत्र शेयर किए हैं। इन दो पत्रों को शेयर करते हुए टी राजा सिंह ने कहा, बहुत से लोगों की चुप्पी को सहमति नहीं समझा जाना चाहिए। मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि उन अनगिनत कार्यकर्ताओं और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत के संविधान के प्रिएम्बल (प्रस्तावना) में समाजवाद व सैक्युलरिज़्म शब्द आपातकाल में ''गैर प्रजातंत्रीय तरीके'' से जोड़े गये थे'

आर.एस.एस. व भाजपा इन शब्दों को हटाकर पुरानी प्रस्तावना को स्थापित करने की अपनी मांग अब पूरी करा लेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **आर.एस.एस. का मानना है, सोशलिज़्म व्यक्ति की ''उद्यम'' व उससे अर्जित सम्पत्ति के खिलाफ है। इससे ''पावर'' कुछ हाथों में केन्द्रित होता है, तथा अधिनायक वादी (अथॉरिटेरियल) प्रवृत्तियां पनपती हैं। मार्केट फ्रैण्डली इकॉनमी, जो स्वदेशी हो, न कि मार्कसवादी समाजवादी।**
- **आर.एस.एस. का यह भी सोच है कि, ''सूडो सैक्युलरिज़्म'' (नकली धर्मनिरपेक्षता) से अल्प संख्यकों का तृष्टिकरण होता है। हिन्दु चिन्हित किये जाते हैं, और ''साइड लाइन'' होते हैं।**
- **आर.एस.एस. के अनुसार ''पॉज़िटिव सैक्युलरिज़्म में प्रशासन हर धर्म का आदर करता है, तथा इस बात को स्वीकार करता है कि, भारत की सांस्कृतिक पहचान मूलतः हिन्दु है।**

नई दिल्ली, 30 जून। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने ऐतिहासिक रूप से भारतीय संविधान में निहित कुछ मूल्यों, विशेषकर समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता, का वैचारिक रूप से विरोध किया है, विशेष रूप से आपातकाल (1975–77) के दौरान और उसके बाद, जब ये शब्द संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए थे।

1976 में 42वें संशोधन अधिनियम के तहत ''समाजवादी'', ''धर्मनिरपेक्ष'' और ''अखंडता'' शब्दों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया गया था, जब इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया हुआ था।

संशोधित प्रस्तावना (1976) में लिखा है कि, ''हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व–संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए संकल्प लेते है।''

पिछले सप्ताह, सरकार ने आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे को यह मुद्दा उठाने का मंच मिला और इंदिरा गांधी शासन द्वारा प्रस्तावना में जोड़े गए समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता पर प्रश्न खड़े किए गए।

इस अवसर पर के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने प्रस्तावना से ''समाजवाद'' और ''धर्मनिरपेक्षता'' शब्द हटाने की मांग की, जिसे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई भाजपा नेताओं ने समर्थन दिया। कांग्रेस को संदेह है कि सरकार प्रस्तावना में संशोधन की योजना बना रही है, हालांकि ऐसा करना कठिन है क्योंकि इसके लिए संसद के दोनों सदनों में दो–तिहाई बहुमत आवश्यक है।

आरएसएस को पर रुख है कि यह व्यक्तिगत उद्यिमता और निजी संपत्ति के अधिकार को बाधित करता है। यह सत्ता का केंद्रीकरण करता है और अधिनायकवादी रूप ले सकता है।

आरएसएस ''स्वदेशी और आत्मनिर्भर, बाज़ारोन्मुख अर्थव्यवस्था का पक्षधर है – न कि मार्क्सवादी शैली के समाजवाद आरएसएस ने समाजवाद की नेहरुवादी व्याख्या की भी आलोचना की। धर्मनिरपेक्षता पर आरएसएस का मानना है कि नेहरू और कांग्रेस द्वारा लागू की गई धर्मनिरपेक्षता, जिसमें राज्य और धर्म को पूरी तरह अलग रखने की बात है, भारत के लिए उपयुक्त नहीं है।

संघ भारतीय धर्मनिरपेक्षता को ''छद्म धर्मनिरपेक्षता'' कहता है, जिसका रुझान मुस्लिमों और ईसाइयों के तुष्टिकरण के प्रति है।

उसके अनुसार हिन्दू हितों की उपेक्षा धर्मनिरपेक्षता के नाम पर होती रही है।

संघ सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता का समर्थन करता है, जिसमें राज्य सभी धर्मों का सम्मान करे, लेकिन भारत की सांस्कृतिक पहचान को भी स्वीकार करे – जो कि मुख्यतः हिंदू सभ्यता पर आधारित है।

एम. एस. गोलवलकर, जो आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक थे, ने पश्चिमी समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता को विदेशी विचारधाराएं बताया और कहा कि ये भारत के लिए उपयुक्त नहीं हैं। आरएसएस का मानना है कि संविधान में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को अधिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमृतसर जेल से 60 किलो हेरोइन बरामद

अमृतसर, 30 जून। पंजाब में 'युद्ध नशों के विरुद्ध' मुहिम के तहत, मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राजस्थान पुलिस के सहयोग से पाकिस्तान के तस्कर तनवीर शाह और कनाडा के हैंडलर जोबन क्लेर द्वारा संचालित एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करते हुए,

- **पंजाब पुलिस ने अमृतसर जेल से चल रहे अन्तर्राष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ किया है।**

राजस्थान के बाड़मेर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से 60.302 किलोग्राम हेरोइन की बड़ी खेप बरामद की है।

यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह ड्रग कार्टेल पाकिस्तान आधारित तस्कर तनवीर शाह और कनाडा आधारित तस्कर जोबन क्लेर द्वारा स्थानीय किंगपिन गुरसाहिब सिंह की मदद से संचालित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

क्रोध में मनुष्य अपने मन की बात नहीं कहता, वह केवल दूसरों का दिल दुखाना चाहता है। -प्रेमचंद

बिहार में बवाल, चुनाव आयोग पर सवाल

भारत के चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को दिशा निर्देश जारी कर बिहार की मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण। (Special Intensive Revison) का कार्य 25 जून से प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। यह पूरे देश में भी समय समय पर लागू होगा। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखा गया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने इसे एक ऐतिहासिक पल बताया है।

निर्वाचन आयोग ने अपने निर्देशों में लिखा है कि उसके द्वारा यह कार्य भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 एवं लोक प्रतिनिधित्व कानून 1950 की धारा 16 के अंतर्गत दिए प्रावधानों को लागू करने के लिए किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह बताया गया है कि सभी वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में हों एवं अवैध और अयोग्य मतदाताओं के नाम को सूची से हटाया जा सके। आयोग ने सघन विशेष पुनरीक्षण के लिए तेजी से बढ़ रहे शहरीकरण, लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर रोजगार की तलाश में अधिक जाने, 18 साल की आयु प्राप्त करने एवं कई की मृत्यु होने तथा कई अवैध रूप से भारत में निवास कर रहे लोगों के नाम मतदाता सूची में होने को आधार बताया है।

सामान्यतया, प्रतिवर्ष मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण किया जाता है एवं किसी भी विधानसभा/लोकसभा चुनाव के पूर्व संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जाता है। सामान्य पुनरीक्षण और विशेष सघन पुनरीक्षण में अंतर यही है कि सामान्य पुनरीक्षण, मतदाता सूचियां को केवल संशोधित करने के लिए किया जाता है जबकि विशेष सघन पुनरीक्षण के माध्यम से सारी मतदाता सूचियां नई बनाई जाती हैं ।

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संबंधित बीएलओ के द्वारा सभी मतदाताओं को घर घर एक गणना प्रपत्र वितरित किया जा रहा है। इसे मतदाता भर कर बी एल ओ को देना होगा। यह गणना प्रपत्र निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध होगा और जो भी मतदाता चाहे, उसे डाउनलोड कर पाएंगे। इसको भरकर वे स्वयं भी वेबसाइट पर अपलोड कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग ने अपेक्षा की है कि सभी राजनीतिक दलों के बी एल ए अर्थात बूथ लेवल एजेंट, इस कार्य में सहयोग करेंगे। सहायक निर्वाचन अधिकारी द्वारा 26 जुलाई, 2025 तक प्राप्त प्रपत्रों के आधार पर एक ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 1 अगस्त, 2025 को किया जाएगा। इस पर आपत्तियां 1 सितंबर तक प्राप्त की जाएंगी जिनका निस्तारण 26 सितंबर तक करने के बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 सितंबर, 2025 को होगा। ड्राफ्ट सूची पर किसी मतदाता को आपत्ति है तो वह पहली अपील जिला मजिस्ट्रेट के यहां और दूसरी अपील मुख्य निर्वाचन अधिकारी के यहां कर पाएगा।

हालांकि चुनाव आयोग मने विशेष सघन पुनरीक्षण के कार्य को संविधान और जन्म प्रतिनिधित्व कानून की भावनाओं को लागू करने वाला बताया है किंतु इन निर्देशों के जारी होते ही पूरे बिहार में बवाल मचा हुआ है। सभी विपक्षी दल इस कदम को निर्वाचन आयोग द्वारा भाजपा के एजेंट के रूप में काम करने वाला कदम बता रहे हैं । सामान्य नागरिक भी इस बात से परेशान है कि बिहार चुनाव से तीन-चार महीने पहले मतदाता सूचियों का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन करने का क्या औचित्य है?

भारत के चुनाव में हर वह व्यक्ति मतदान करने का अधिकारी है जो भारत का नागरिक हो, जिसे अयोग्य नहीं घोषित किया गया हो और जिसकी आयु मतदान के साल में 1 जनवरी को 18 वर्ष या उससे अधिक हो । चुनाव से पूर्व 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के नाम जोड़े जाते हैं, जिनकी मृत्यु हो जाती है उनके नाम काटे जाते हैं। इस प्रक्रिया को कभी "summary revision" और कभी रिवीजन के रूप में किया जाता है। यह नियमित प्रक्रिया है जिसके बारे में किसी को कभी आपत्ति नहीं हुई।

पिछला विशेष सघन पुनरीक्षण का कार्य 2003 के चुनाव के समय हुआ था। 22 वर्ष बाद अचानक इस निर्णय का औचित्य लोगों की समझ में नहीं आ रहा है। इसी कारण हंगामा मचा हुआ है और चुनाव आयोग पर आरोप लग रहा है कि वह इसके माध्यम से लाखों लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटाना चाहता है। यह आशंका क्यों उत्पन्न हो रही है, इसे समझना आवश्यक है।

साधारणतया, मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6 भर कर देना पड़ता है और इसके आधार पर नाम अंकित हो जाता है, किंतु इस विशेष सघन पुनरीक्षण में इस फॉर्म को भरने के साथ ही एक घोषणा भी संबंधित व्यक्ति को करनी होगी और अपनी नागरिकता का कोई प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। इसके प्रमाण स्वरूप जन्म प्रमाण पत्र, हाई स्कूल का सर्टिफिकेट, पेंशन पेमेंट ऑर्डर आदि कुछ दस्तावेजों की सूची जारी है जो मान्य होंगे, किंतु इनमें 'आधार' को शामिल नहीं करना आश्चर्यजनक है। अतः जिन व्यक्तियों के पास आधार है वे भी अपना नाम मतदाता सूची में अंकित नहीं करवा सकते हैं।

यह तो भविष्य ही बताएगा कि बिहार के लाखों लोग किस प्रकार से अपनी नागरिकता के लिए दस्तावेज जुटा पाएंगे और प्रस्तुत कर पाएंगे? यदि बहुत बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाता केवल नागरिकता के लिए निर्धारित प्रमाण पत्र प्रस्तुत न कर पाने के कारण सूची से बाहर हो जाते हैं तो यह पूरे चुनाव की वस्तुनिष्ठता और पारदर्शिता पर बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह लगाएगा। यह भी उल्लेखनीय है कि नवंबर 25 में बिहार के चुनाव हैं और उसके बाद पुडुचेरी, केरल, बंगाल, असम में चुनाव 2026 में होने हैं।

जिन मतदाताओं के नाम 2003 के बाद जोड़े गए हैं उन सबको अपनी नागरिकता के साथ ही माता या पिता में से किसी एक का नागरिकता प्रमाण देना होगा।

जब नागरिकता संशोधन कानून बनाया गया एवं एनआरसी बनाने की बात हुई थी, तब पूरे देश में इसका विरोध हुआ था। उसका आधार यही था कि देश में लाखों करोड़ों ऐसे व्यक्ति हैं जिनके पास नागरिकता का कोई प्रमाण नहीं है।

बिहार के मतदाता सूची में 7.89 करोड़ मतदाता है इनमें से 4.96 करोड़ 2003 की मतदाता सूची में भी थे। इसका अर्थ यह हुआ कि 2003 के बाद 2.93 करोड़ मतदाताओं के नाम जोड़े गए। इन मतदाताओं को न केवल अपने भारत के नागरिक होने का प्रमाण देना होगा अपितु अपने माता या पिता की नागरिकता का प्रमाण भी प्रस्तुत करना होगा। यह भी आश्चर्य है कि 'आधार' को पर्याप्त प्रमाण नहीं माना गया है। एक ओर जहां सरकार हर काम के लिए आधार को आवश्यक मान रही है चाहे वह मोबाइल का कनेक्शन लेना हो, बैंक खाता खोलना हो, कोई छात्रवृत्ति लेनी हो, किंतु मतदाता होने के लिए इसे आवश्यक प्रमाण नहीं माना जा रहा है । इसका परिणाम यह होगा कि बिहार के लाखों करोड़ों लोग जो अपना और माता/ पिता की नागरिकता का प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाएंगे, उन सबके नाम मतदाता सूचियों से काटने की आशंका रहेगी ।

इसका अर्थ यह भी होगा कि जो व्यक्ति 2003 से लगातार मतदाता के रूप में प्रत्येक चुनाव में भाग लेते रहे हैं उनमें से लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से कट जाएंगे और वे आगामी विधानसभा चुनाव में मत देने के अधिकार से वंचित हो जाएंगे।

अपनी नागरिकता के लिए आवश्यक प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि 26 जुलाई रखी गई है। बिहार के लाखों व्यक्ति दूसरे राज्यों में जाकर वहां प्रवासी मजदूरों की तरह कार्य करते हैं। क्या ये सब लोग अपना रोजगार छोड़कर केवल नागरिकता के दस्तावेज जुटाने में ही लग जाएंगे?

राजनीतिक दलों की यह आशंका निर्मूल नहीं है कि इस विशेष सघन पुनरीक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सरकार पिछले दरवाजे से एनआरसी लागू करना चाह रही है। जो लोग पढ़े-लिखे नहीं हैं, निर्धन हैं वे किस प्रकार से प्रमाणों को जुटा पाएंगे, इसके बारे में निर्वाचन आयोग ने नहीं सोचा।

एक और बात उल्लेखनीय है कि 2 दिसंबर 2004 के बाद जन्म लेने वाले व्यक्तियों को स्वयं के साथ ही अपने माता एवं पिता दोनों के नागरिकता संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे।कल्पना कीजिए, बिहार के लगभग तीन करोड़ व्यक्तियों के जन्म प्रमाण पत्र या नागरिकता के प्रमाण पत्र कैसे बन पाएंगे? क्या इसके लिए ये सब सरकारी कार्यालय में धक्के खाते रहेंगे? इसके बावजूद लाखों अपनी और माता पिता की नागरिकता सिद्ध नहीं कर पाएंगे। क्या इन सबके नाम मतदाता सूचियां में काट दिए जाएंगे जैसा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों में लिखा है? यदि वास्तव में इन सबके नाम काट दिए जाएंगे तो फिर प्रश्न उठेगा कि 2003 के बाद के चुनाव में इन लोगों ने जो मतदान किया वह अवैध था और क्या उसके आधार पर चुनी हुई सरकारें भी अवैध रूप से चुनी हुई मानी जाएंगी ?

इस पूरे विषय का एक और पहलू है। यदि निर्वाचन आयोग चाहता तो यह कार्य उन राज्यों से प्रारंभ करता जहां निकट भविष्य में चुनाव नहीं होने वाले हैं। एक माह में इस कार्य को पूरा करना लगभग असंभव है ।

कुल मिलाकर, विशेष सघन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पेचीदा होने वाली है । इसके फलस्वरूप, ऐसे लाखों मतदाता जो अपनी और माता-पिता की नागरिकता सिद्ध नहीं कर पाएंगे उनके नाम सूची से कटने की विपक्ष दलों की आशंका निर्मूल नहीं है। यह भी संभव नहीं लगता कि एक माह में नई मतदाता सूचियां बनाने का काम संभव हो पाएगा। निर्वाचन आयोग के अनुसार अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 सितंबर 2025 को कर दिया जाएगा । इस कारण यह संभावना है कि बिहार में लाखों व्यक्तियों के नाम मतदाता सूचियां से कटने के कारण फिर एक बड़ा विवाद उत्पन्न होगा। सरकार, क्योंकि अभी तक एनआरसी लागू नहीं कर पाई है, इसे मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के नाम पर लागू करने का इरादा दिखाई देता है।

यह तो भविष्य ही बताएगा कि बिहार के लाखों लोग किस प्रकार से अपनी नागरिकता के लिए दस्तावेज जुटा पाएंगे और प्रस्तुत कर पाएंगे? यदि बहुत बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाता केवल नागरिकता के लिए निर्धारित प्रमाण पत्र प्रस्तुत न कर पाने के कारण सूची से बाहर हो जाते हैं तो यह पूरे चुनाव की वस्तुनिष्ठता और पारदर्शिता पर बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह लगाएगा। यह भी उल्लेखनीय है कि नवंबर 25 में बिहार के चुनाव हैं और उसके बाद पुडुचेरी, केरल, बंगाल, असम में चुनाव 2026 में होने हैं।

चुनाव आयोग के एक निर्णय ने पूरे बिहार में असमंजस और हंगामा की स्थिति उत्पन्न करने का अवसर दे दिया है। देखना है सरकार और चुनाव आयोग इसे अगले कुछ दिनों में कैसे निपटते हैं?

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

धन्तंवरि के देवदूत डॉक्टर्स

डॉ. जे. के. गर्ग

डॉक्टर्स दुवारा मानव एवं पशुओं के सुस्वास्थ्य के लिए दी गई अमूल्य सेवा और योगदान के बारे में जनसाधारण को जागरूक करने के लिये प्रतिवर्ष भारत में 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (डॉक्टर्स डे) मनाया जाता है। भारत के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ बिधान चन्द्र रॉय को श्रद्धांजलि और सम्मान देने के लिये 1 जुलाई को उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर इसे मनाया जाता है। डॉ.बी.सी.रॉय का जन्म 1 जुलाई 1882 को बिहार के पटना में हुआ था। डा. रॉय ने 1911 में एक चिकित्सक के रुप में अपने चिकित्सा जीवन प्रारम्भ किया था। वो एक प्रसिद्ध चिकित्सक तथा प्रख्यात शिक्षाविद् होने के साथ ही स्वतंत्रता सेनानी भी थे। महात्मा गांधी के सम्पर्क में आने के बाद वे भारतीय राष्ट्रीय कॉंठोस के नेता बने और उसके बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बने। इस दुनिया में अपनी महान सेवा देने के बाद 80 वर्ष की आयु में 1962 में अपने जन्मदिन के दिन ही उनकी मृत्यु हो गयी। उनके सम्मान में वर्ष 1976 में उनके नाम पर डॉ.बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्रारम्भ किया गया।

माँ हमारे जीवन की सबसे पहली डॉक्टर है जो जीवन भर हमारी देखभाल करती है। ईश्वर सबके जीवन की रक्षा खुद से नही कर पाते इसलिए इस धरती पर अपने दूत के रूप में डॉक्टर को भेज दिया। बीमारी से लड़ने की ताकत एक डॉक्टर ही हमे देता है। वो इन्सान डॉक्टर ही होता है जो रोते हुए आये मरीज को हँसाते हुए भेजता है। जीवन जीना एक कला है जिन्हें जीने के लिए माँ बाप के बाद एक डॉक्टर की ही सलाह की जरूरत पड़ती है। आधी से अधिक बीमारी तो डॉक्टर के सांत्वना से ही ठीक हो जाती है निसंदेह डॉक्टर इस संसार के वास्तविक हीरो होते है जो देवदूत बन कर हमारे जीवन की रक्षा करते है।

एक डॉक्टर अपने मरीज के स्वास्थ्य को लेकर हमेशा चिंतित रहता है। वहीं उत्तम श्रेणी का डॉक्टर मरीज की बीमारी इलाज करने से पहिले उसके मन का इलाज करते है एवं उसे उसके उत्तम स्वास्थ्य के लिये लाभदायक सलाह मशविरा भी देते है क्योंकि वो जानते है कि स्वास्थ्य लाभ में दवा के साथ मरीज मे ठीक होने का आत्म विश्वास भी जरुरी होता है। हमें जीवन से प्यार करना भी डॉक्टर ही सीखाते है।उनको मरीज की जाति या धर्म और अमीरी गरीबी से मतलब नही होता उसके लिए सभी मरीज एक समान होते है।बड़ी से बड़ी बीमारी को डॉक्टर अपने सुझबुझ से मरीज के सामने उस बीमारी को छोटा बनाकर अपने इलाज से उस बीमारी को खत्म कर देते है। अच्छा डॉक्टर हमे दवा का आदी नही बनाता बल्कि दवा से कैसे दूर रहे उसकी सलाह ज्यादा देता है। याद रखिये कि बीमारी के इलाज से पहिले मरीज के दिल में यह विश्वास जरूरी है कि मेरी बीमारी असाध्य नहीं है और में उपचार के साथ अपनी दिनचर्या और सोच में जरूरी बदलाव लाकर स्वस्थ हो जा हूँगा। निःसंदेह जब हम अपने सारी उम्मीदें खो देते है तब हमारे जीवन में स्वास्थ्य लाने के लिए और वहाँ हमारा साथ देने के लिए केवल डॉक्टर के पास ही उस जीवन के इलाज के लिए जादुई शक्ति होती है।

आज से बीस-पच्चीस साल पूर्व सही मायने के अंदर देवदूत ही होते थे। एक बार मेरी माता जे को अचानक हृदयघात हो गया आधी रात को उनको अस्तपताल ले जाया गया कुछ ही समय बाद नगर के एक मात्र हृदय विशेषज्ञ डा. सीता राम मित्तल अपनी पुरानी साईकल पर मेरी माताजी को देखने और उनका इलाज करने के लिए होस्पिटल आधी रात को आ गये और मरीज के पास चार-पांच घंटे खड़े रहें जब तक मेरी माँ खतरे से बाहर नहीं हो गयी। मेरे सभी स्वजन और आस-पास खड़े लोग उनको देव दूत पुकारने लगे। उस समय नगर के अन्य प्रसिद्ध डॉक्टर सर्जन भी जरूरत पड़ने पर रोगी के निवास पर जाने में कोइ संकोच नहीं करते थे। काश आज भी ऐसा हो पाता। कुछ समय पूर्व मेरा भतीजा ललित गर्ग ब्यावर में बीमार चल रहा था और अपने बचपन के मित्र डॉक्टर से एल्ल्ज करवा रहा था उसको हमेशा उसका परामर्श शुल्क भी देता था। 25 जनवरी की रात को उसकी तबीयत अचानक खराब हो गयी स्वजन ललित के दोस्त और डाक्टर के घर पर उससे अनुनय करने लगे और ललित को देखने उसके घर पर चलने के लिए प्रार्थना करने लगे, उसको मन चाही फीस भी देने लगे किन्तु निष्ठुर देवदूत ने मना कर दिया। कुछ ही समय बाद ललित अपनी बेटियों पत्नी स्वजनो को रोता-बिलखता छोड़ पंच तत्वों के अंदर विलीन हो गया। क्या हम ऐसे डाक्टर को देव दूत पुकारे? कभी नहीं। भौतिक सुख-सुविधा की तडक-भडक के इस समय मे डॉक्टर्स भी धन लोलुपता से ग्रस्त हो गये हैं और उनके लिए उनके निजी हित और स्वार्थ मरीज के उपचार और इलाज से ज्यादा जरूरी बन गये हैं ऐसे ही डाक्टरस के कारण उनका नोबेल पेशा बदनाम होकर अपनी गरिमा को नष्ट कर रहा है। इंडीयन मेडिकल एसोसिएशन से अनुरोध है कि वो डॉक्टर से सलाह दें कि गम्भीर अपाहीज शय्याठास्त रोगी को देखने उनके घर पर जरुर जाकर उनका इलाज करके उनका जीवन दान दें और देव दूत बने। हमारे प्रांत राजस्थान में स्वास्थ्य के अधिकार का कानून बन चुका है। एस कानून के अधीन सरकार डॉक्टरों को आदेश दें कि गंभीर अपाहीज शय्या ठास्त रोगी को देखने उनके घर पर जरुर जाकर उनका इलाज करके उनको जीवन दान दें और देव दूत बने।

सच्चाई यही है कि मनुष्य मृत्यु पर अपने साथ सिर्फ उसके कर्म साथ ले जाता है और ये कर्म ही उसके अगले जन्म में प्राब्ध के कर्म के उसको भोगने पड़ते हैं। मरीज और पीडीत रोगी की ब्दुआयेन डॉक्टर के कर्म के खाते में दुष्कर्म ही जुडे। इसीलिए डाक्टर्स को देवदूत बन करके मरीज का इलाज करे। वहीं दूसरी तरफ मरीजों के कतिपय रिश्तेदार अकारण ही डाक्टर्स से हाथापाई करके उनको शारीरिक मानसिक यातना देते हैं और उनके साथ मारपीट करते हैं इसलिए सरकार को कार्यरत डॉक्टरों की सुरक्षा के लिये समुचित कठोर कानून बनाने होंगे। डॉक्टर्स डे के दिन डॉक्टरों को भी आत्म चिन्तन करते हुए अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझना होगा। डॉक्टर को चिकित्सा को मात्र पैसा कमाने का साधन नहीं मान कर उसकी जगह इसे मानवीय सेवा का नोबेल मिशन बनाना चाहिये।

-डॉ. जे.के.गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

क्या मुस्कान सकारात्मकता का चेहरा मात्र है, या दिल के भीतर छिपे दर्द का मुखौटा?

सुनील दत्त गोयल

हमेशा मुस्कराना ज़रूरी नहीं होता – जब पॉजिटिविटी भी बोझ बन जाती है

"सब ठीक हो जाएगा।"

"कम से कम ऐसा तो नहीं हुआ।"

"सोचो, इससे बुरा भी हो सकता था।"

"मुस्कुराओ, सब अच्छा है।"

"ईश्वर जो करता है वह अच्छा करता है।"

"ना मालूम आज की बुराई में आने वाले भविष्य में कितनी अच्छाइयाँ छिपी हों।"

"तुम तो बहुत बोल्ड हो यार, बस इतनी सी परेशानी में रो रहे हो?"

"तुम तो लोगों का सहारा हो, हमें सहारा देते हो - आज खुद ही टूट गए?"

"ईश्वर ने तुम्हें बहुत सक्षम बनाया है।"

"तुम खुद रिसोर्सफुल हो। तुम्हारा इतना बड़ा सर्किल है - फिर किस बात की परेशानी?"

लेकिन शायद लोग यह भूल जाते हैं कि ऊपर कही गई सारी बातें मात्र एक दिखावा हैं – जिसे अंग्रेज़ी में कहते हैं आई शैडो। यह एक ऐसी भूल-भुलैया है कि लोग तकलीफ़ में आने पर अक्सर साथ छोड़ देते हैं, या साथ नहीं देते, या साथ देना नहीं चाहते, और कोई न कोई बहाना बना लेते हैं। ऐसे लोगों को पहचानना हमारे लिए ज़रूरी है। आज लगभग सभी को आवश्यकता है एक ऐसे भरोसेमंद दोस्त या साथी की, जिससे वह अपनी बातें विश्वास के साथ साझा कर सके, तकलीफ़ में सलाह-मशवरा कर सके, और उसके अनुसार भविष्य में निर्णय लेने की क्षमता को और बेहतर बना सके। लेकिन दुख इसी बात का है कि आज जीवन में यही चीज़ सबसे ज़्यादा कमी की बन गई है।

आज आप जिस दोस्त को अपनी कमी बता दोगे, सलाह लेते समय – तो यह मान कर चलिए कि आने वाले समय में वही शायद आपका सबसे बड़ा दुश्मन बन जाए, तो कोई बड़ी बात नहीं होगी। लोगों का चरित्र, ईमान, और संवेदनाएं इतनी सस्ती हो गई हैं कि लोग छोटी-छोटी बातों पर, चंद रुपयों के लिए या अपने ईगो की संतुष्टि के लिए, वर्षों पुराने संबंध और साथ को तोड़ने में एक क्षण भी नहीं लगाते। अब समय ऐसा आ गया है कि रिश्तों या दोस्ती को लंबा निभाने के बजाय, जब भी किसी से जुड़ाव हो – कुछ दिन बाद ही कोई काम कहकर देख लीजिए। यदि वह काम कर दें तो एक अर्थ निकलेगा, और न करें तो आप उनसे दूरी बना लें। कितनी बार ये वाक्य हमारे कानों में पड़े हैं – दोस्त से, रिश्तेदार से, या कभी खुद से भी। पहली नज़र में ये वाक्य सहारा लगते हैं – जैसे डूबते को शब्दों की लकड़ी मिल गई हो। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ये शब्द, ये पॉजिटिविटी, किसी दिन हमारे लिए एक बोझ बन जाएँ? हाँ, पॉजिटिविटी भी टॉक्सिक हो सकती है। अजीब लगता है, लेकिन यह सच है। हम इंसान हैं। हमारे भीतर दुख, गुस्सा, असंतोष, थकान, भय – ये सब भावनाएँ होती हैं। इनका बाहर आना, महसूस किया जाना और रिश्तों में जगह पाना ज़रूरी है।

लेकिन जब समाज या हमारे अपने ही हमसे यह अपेक्षा करने लगते हैं कि हम हर हाल में सकारात्मक रहें – तब यह उम्मीद एक बोझ बन जाती है। और यही बोझ धीरे-धीरे हमें हमारी सच्ची भावनाओं से काट देता है। किसी को खो देने पर, दिल टूटने पर, नौकरी छूटने पर, या सिर्फ थक कर बैठने की इच्छा में भी यदि हमें सिर्फ 'पॉजिटिव रहो' की सलाह मिलती है – तो यह हमारी टूटन को अस्वीकार करना होता है। नकारात्मक सोच हावी होने की एक और वजह है – न्यूक्लियर फैमिली। पति-पत्नी अकेले रहते हैं। बच्चे पैदा किए तो ठीक है, नहीं किए तो भी ठीक है। अगर बच्चे हैं भी, तो वे हॉस्टल में पढ़ रहे होते हैं।

ज़रा सी भी तकरार हो जाए, या पत्नी के पास कोई कार्य करने लायक अवसर न हो – वैसे भी आजकल घरों में कुछ ख़ास करने को नहीं बचा है। जिन घरों में सिर्फ दो कमरों का फ्लैट है, वहाँ भी यदि महिला काम नहीं कर रही है तो दिन भर सोशल मीडिया और टीवी पर ही समय बितता है। ऐसी स्थिति में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होना स्वाभाविक है। आज के इस तकनीकी युग की सबसे बड़ी खराबी यह है कि यह सकारात्मकता का उतना तेज़ी से प्रसार नहीं कर पा रही, लेकिन नकारात्मकता का बहुत तेज़ प्रचार-प्रसार हो रहा है – और वह दिलों-दिमाग पर हावी हो जाती है।

"टॉक्सिक पॉजिटिविटी" वही है – जब किसी की सच्ची तकलीफ़ को, उनके दर्द और कमज़ोरी को यह कहकर ढांपने की कोशिश की जाती है कि:–

"तुम्हें तो खुश रहना चाहिए।"

"इसमें भी कुछ अच्छा देखो।"

"कम से कम तुम ज़िंदा तो हो।"

इसे समझिए ऐसे – जैसे किसी गहरे ज़ख्म पर फूल चिपका देना। बाहर से सुंदर दिखेगा, लेकिन भीतर से रिसता खून अब भी वहीं होगा। रिश्तों में यह और भी खतरनाक हो जाता है। जब कोई अपना टूट रहा हो, और हम उसे उसकी भावनाओं को जीने की जगह सिर्फ 'सकारात्मक सोचने' की सीख दे रहे हों – तब वह स्वयं को अकेला महसूस करने लगता है। उसे लगता है कि उसका दुख स्वीकार्य नहीं है, वह स्वयं कमज़ोर है। कभी-कभी तो हम खुद अपने भीतर यह टॉक्सिक पॉजिटिविटी पाल लेते हैं।

अपने आप से कहते हैं –

"रोना नहीं है।"

"मज़बूत बनो।"

"मैं फील नहीं कर सकता।"

"जो बीत गया, सो गया।"

लेकिन दिल रोना चाहता है। मन सिसकना चाहता है। शरीर थक कर रुकना चाहता है। क्या होगा, अगर हम कुछ पल के लिए असली हो जाएं? अगर हम अपने आँसुओं को बहने दें? अगर किसी अपने से कहें – "मैं आज टूट रहा हूँ", और वो बस गले लगा ले – बिना कोई सलाह दिए? हमारे रिश्तों की गहराई वहीं से शुरू होती है – जब हम एक-दूसरे को सुनते हैं, महसूस करते हैं, और यह अधिकार देते हैं कि "तुम आज कमज़ोर हो सकते हो।"

हम यह क्यों भूल जाते हैं कि प्रकाश की अहमियत तभी है जब अंधेरे को भी जगह दी जाए? सकारात्मक सोच अच्छी बात है, लेकिन जब यह हमारी संवेदनाओं, थकान और असलियत को दबा देती है – तब यह एक मुखौटा बन जाती है। एक ऐसा नकाब, जिसे उतारते-उतारते लोग थक जाते हैं। हमें अपने अपनों को, बच्चों को, और साथियों को यह बताना ज़रूरी है कि जीवन में सब कुछ ठीक होना आवश्यक नहीं। कभी-कभी ठीक नहीं होना भी ठीक होता है। तो अगली बार जब कोई अपने दुख के साथ आपके पास आए – तो बस चुपचाप बैठिए, उसका हाथ थामिए और कहिए – "मैं सुन रहा हूँ। रो लो। मैं यहाँ हूँ।"

धन्यवाद,

-सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री,
पूर्व उपाध्यक्ष, जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड,
जयपुर, राजस्थान

बाल सम्प्रेषण एवं किशोर गृह का निरीक्षण

■ **निरीक्षण में साफ-सफाई, भोजन आहार की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, बालगृह का वातावरण एवं वहां किशोरों के रखने की व्यवस्था व बालकों के हितों की रक्षा आदि को देखा**

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार सोमवार को अभय जैन, (जिला एवं सेशन न्यायाधीश), अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भीलवाड़ा ने जिले में संचालित राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह, पालडी का आकस्मिक निरीक्षण किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला एंव सेशन न्यायाधीश अभय जैन ने निरीक्षण के दौरान प्रिसींपल मजिस्ट्रेट देवागंनी ओदिच्य से किशोरों के लंबित प्रकरणों एवं उनकी प्रगति के बारे में जानकारी ली।

इस अवसर पर अधीक्षक गौरव सारस्वत से किशोरों के स्वास्थ्य तथा उनको दी जा रही अन्य चिकित्सा सुविधाओं, भोजन व अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण में साफ-सफाई, भोजन आहार की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, बालगृह का वातावरण एवं वहां किशोरों के रखने की व्यवस्था व बालकों के हितों की रक्षा आदि को देखा गया।

इस दौरान जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने परिसर में साफ- सफाई रखने एव अन्य आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। इसी क्रम में एवरेस्ट आश्रय स्थल का भी निरीक्षण कर प्रबंधक कल्पना जौहरी से बच्चों को दी जा रही सुविधाओं बाबत् जानकारी ली गई एवं आवश्यक निर्देश दिए गये। निरीक्षण के दौरान विशाल भार्गव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भीलवाड़ा भी उपस्थित थे।

राशिफल मंगलवार 1 जुलाई, 2025

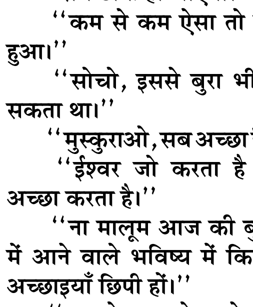

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र प्रातः 8:54 तक, व्यतिपात योग सायं 5:18 तक, तैतिल करण दिन 10:21 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:24 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रातः 8:54 तक है। त्रिपुष्कर योग दिन 10:21 से सूर्योदय तक है। आज कसुम्बा षष्ठि, कर्दम षष्ठि है। आज महावीर स्वामी कल्याणक (जैन), विवस्वत सप्तमी और व्यतिपात पुण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:05 से 10:48 तक, लाभ-अमृत 10:48 से 2:13 तक, शुभ 3:55 से 5:38 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:20

मेष
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधओं में वृद्धि होगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी।

तुला
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मेरे पर कोई दबाव नहीं है; ना मैं किसी पर दबाव डालता हूँ, ना दबाव में आता हूँ : उपराष्ट्रपति

जब हम देश के बाहर जाते हैं तो पक्ष-विपक्ष नहीं, सिर्फ भारतवर्ष होता है : जगदीप धनखड़

जयपुर (कासं)। जयपुर में 'स्नेह मिलन समारोह' के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कहा कि मुझे थोड़ी सी चिंता हुई, मेरे स्वास्थ्य की नहीं मेरे मित्र पूर्व मुख्यमंत्री की जिन्होंने कहा कि हम दबाव में हैं। राजस्थान की राजनीति में वह मेरे सबसे पुराने मित्र हैं और मेरे बड़े भारी शुभचिंतक भी हैं। मैं सार्वजनिक रूप से, क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है वो चिंतामुक्त हो जाए। मैं न दबाव में रहता हूँ, ना दबाव देता हूँ, न दबाव में काम करता हूँ, न दबाव में किसी से काम कराता हूँ।

राज्यपाल की संवैधानिक स्थिति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, राज्यपाल जब प्रांत में होता है, तो ईजी पंचीग बैग है। उन्होंने इस पर विचार रखते हुए कहा, यदि राज्य की सरकार केंद्र सरकार के अनुरूप नहीं है तो आरोप लगना बहुत आसान हो जाता है, पर समय के साथ बदलाव आया और उपराष्ट्रपति भी इसमें जुड़ गया और राष्ट्रपति जी को भी इस दायरे में ले लिया गया।

यह चिंतन, चिंता और दर्शन का विषय है; ऐसा मेरी दृष्टि में होना उचित नहीं है। वर्तमान राजनीतिक माहौल पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, आज के दिन राजनीति का जो वातावरण है और जो तापमान है वो स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है।प्रजातन्त्र के स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है, चिंतन का विषय है। उन्होंने आगे कहा, सत्ता पक्ष प्रतिपक्ष में जाता रहता है, प्रतिपक्ष सत्ता पक्ष में आता रहता है पर इसका मतलब ये नहीं है कि दुश्मनी हो जाए। दरार हो जाए, दुश्मन हमारे सीमापार हो सकते हैं, देश में हमारा कोई दुश्मन नहीं हो सकता।

राष्ट्रीय भावना को दलगत राजनीति से ऊपर बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, जब हम देश के बाहर जाते हैं तो ना पक्ष होता है न प्रतिपक्ष होता है, हमारे सामने भारतवर्ष होता है और यह अब दिखा दिया गया। यह कदम है कि हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है, राष्ट्रिहत हमारा धर्म है, भारतीयता हमारी पहचान है, जहां भारत का मुद्दा उठेगा हम विभाजित नहीं हैं। हमारे राजनीतिक मनभेद नहीं हैं हमारे राजनीतिक मतभेद हैं पर वो देश के अंदर हैं और एक बहुत बड़ा संकेत और दिया गया कि जब देश की बात आती है तो राजनीतिक चश्मे से कुछ नहीं देखा जाएगा यह बहुत बड़ी उपलब्धि है जिसको हर आदमी को पता लगना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, राजनीति का इतना तापमान असहनीय हो रहा है। बेलगाम होकर हम वक्तव्य जारी कर देते हैं, आज के दिन देखना पड़ेगा भारत का मतलब दुनिया की एक-छठी आबादी यहाँ रहती है। दुनिया का कोई देश हमारे नजदीक तक नहीं आता है। 5000 साल की संस्कृति किसके पास है? बेजोड़ है बेमिसाल है।

अपने सम्बोधन में उन्होंने आगे कहा कि, कई बार हम आवेश में आकर प्रश्न उठा देते हैं जब चोट मुझे नहीं लगेगी तो मैं कहूँगा लड़ते रहो, लड़ाई जारी रखो यह अखबार में पढ़ने की बातें नहीं हैं। बड़ा कष्ट होता है, अर्थव्यवस्था पर गहरी चोट लगती है और ऐसा क्यों? क्योंकि जो भारत आज से 11 साल पहले कहाँ था? यह राजनीतिक विषय नहीं है, हर कालखंड में देश का विकास हुआ है। हर कालखंड में महारथ हासिल किया गया है, 50 के दशक में, 60 के दशक में, 70 के दशक में बड़े-बड़े काम हुए हैं। पर जब इस कालखंड की बात करते हैं तो इसका अर्थ कदापि नहीं निकाला जाए कि किसी और कालखंड से तुलना कर रहे हैं।

मैं दुनिया से तुलना कर रहा हूँ और दुनिया से इसलिए कर रहा हूँ कि जो भारत पहले दुनिया की 5 प्रतिशत में एक था आज वह दुनिया की चार बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में एक है। हमने किन-किन को पीछे छोड़ा है, देखिए कुछ ही समय इंतजार कीजिए, जापान जर्मनी यूके कैनाडा ब्राज़ील सब हमसे पीछे हैं।

ऐसी छलांग लगी है कि गत दशक को दुनिया क्या कहती है, दुनिया कहती है कि पिछला दशक अर्थव्यवस्था के हिसाब से उसकी प्रगति के हिसाब से भारत ने जो प्रगति की है वह किसी और बड़े देश ने नहीं की है।लोकतंत्र में प्रतिपक्ष की भूमिका पर बल देते हुए उन्होंने कहा, प्रतिपक्ष विरोधी पक्ष नहीं है। प्रजातन्त्र में आवश्यकता है अभिव्यक्ति हो, वाद-विवाद हो संवाद हो, वैदिक तरीके से जिसको अनंतवाद कहते हैं।

अपने सम्बोधन में संविधान सभा के कार्यों का उल्लेख करते हुए धनखड़ ने कहा, संविधान सभा ने करीब तीन साल तक - 2 साल, 11 महीने, 18 दिन तक - बड़े परिश्रम के साथ हमें संविधान दिया। उन्होंने बताया कि उस समय गहरी समस्याएँ थीं, एकमत होना मुश्किल था, पर उन्होंने कभी टकराव नहीं किया, वहाँ कभी अशांति और व्यवधान नहीं हुआ। वाद-विवाद से, मेल-मिलाप से - उन्होंने सहमति के माध्यम से बातचीत की, टकराव उनके दिमाग में कभी नहीं था।

इस कार्यक्रम के अवसर पर राज्यपाल, हरिभाऊ किसनराव बागड़े, विधानसभा के अध्यक्ष, वासुदेव देवनानी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, राजस्थान प्रगतिशील मंच के संरक्षक हरिमोहन शर्मा एवं राजस्थान प्रगतिशील मंच के कार्यकारी अध्यक्ष जीतराम चौधरी एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि संविधान सर्वोच्च है। लोकतंत्र की सुदृढता के लिए सबको मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने लोकतंत्र में विधायिका की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे जुड़े सभी लोगों के विकास के लिए भी प्रभावी प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने पूर्व विधायकों को पेंशन और अन्य विकास मुद्दों पर मिलकर कार्य करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और राज्यपाल संवैधानिक संस्थाएं हैं। इन पर संविधान के संरक्षण का दबाव होता है। अन्य किसी प्रकार का कोई दबाव नहीं होता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी सुदृढ होता है जब जनप्रतिनिधि जनता के हित के लिए निरंतर कार्य करें। राज्यपाल ने कहा कि संविधान सर्वोच्च है। इसमें बदलाव नहीं किया जा सकता।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान के पूर्व विधायकों व वर्तमान विधायकों का यह अद्वितीय आयोजन लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक दायित्वों और नैतिक उत्तरदायित्वों का जीवंत प्रमाण है। यहां हम सभी अपने अनुभवों को साझा कर प्रदेश के लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पुनर्रावलोकन करें और लोकतंत्र को अधिक सुदृढ करने के लिए नये संकल्प ले। उन्होंने कहा कि विधायिकी का कार्य न्याय, समानता, स्वतंत्रता तथा बंधुत्व के स्तम्भों को ढहने नहीं देने की प्रतिज्ञा है। इसके लिए हमें लोगों के साथ विकास और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के लिए निरन्तर कार्य करने होंगे।

देवनानी ने कहा कि राजस्थान की भूमि पर रहने वाले लोगों ने प्राकृतिक संघर्षों के साथ संस्कृति को जीवंत बनाये रखा है। यहां के लोग ईमानदारी और जिजीविषा के साथ हर परिस्थिति से लड़ने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का नैतिक दायित्व है कि वे दोषित व्यवस्था को पनपने ना दें, ताकि लोगों में राजनैतिक संस्थाओं के प्रति विश्वास बना रह सके।

कॉन्स्टियूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित समारोह में राजस्थान प्रगतिशील मंच (पूर्व विधायक संघ) की ओर से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत किया गया। इस मौके पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद थे।

- राजनीति में आप अलग-अलग दलों में हो सकते हैं,पर इसका मतलब यह नहीं है कि दुश्मनी हो; दुश्मन हमारे सीमापार हो सकते हैं, देश में नहीं : उपराष्ट्रपति
- ''विधान मंडलों को सर्वोच्च आचरण करना पड़ेगा, नहीं तो प्रजातंत्र के मंदिर के अंदर कोई पूजा करने नहीं आएगा। लोग दूसरी पूजा का स्थान देखेंगे''

बार-बार सभापति का कार्यकाल बढ़ाने पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने बिना चुनाव कराए सवाई माधोपुर नगर परिषद के सभापति का कार्यकाल बार-बार बढ़ाने से जुड़े मामले में मुख्य सचिव, स्वायत्त शासन निदेशक, स्थानीय कलेक्टर और नगर परिषद आयुक्त सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश पार्षद तूफान सिंह की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रमाकांत गौतम ने अदालत को बताया कि कांग्रेस पार्टी के सभापति विमल चंद महावर को एसीबी केस में जेल जाने के कारण साल 2023 में पद से हटाया गया था। इसके बाद राजबाई बैरवा को सभापति का कार्य दिया गया। वहीं 60 दिन के बाद उनका कार्यकाल फिर से बढा दिया गया। याचिका में कहा गया कि बैरवा के बाद राज्य सरकार ने एक-एक कर सुनील, रमेश बैरवा, मेघा वर्मा को सभापति का चार्ज दिया। वहीं वर्तमान में जयप्रकाश सांवरिया को सभापति के रूप में कार्य सौंपा गया है। राज्य सरकार नगर परिषद के पार्षद का पद रिक्त होने पर पार्षद पद पर चुनाव करा रही है, लेकिन सभापति के पद के लिए निर्वाचन नहीं करा रही है। जबकि नगर पालिका अधिनियम के तहत सभापति का चार्ज मात्र 60 दिन के लिए एक बार ही संबंधित वर्ग के पार्षद को दिया जा सकता है। उसके बाद सभापति पद के लिए चुनाव कराना जरूरी है। इसके बावजूद अधिनियम के प्रावधानों की अवहेलना कर राजनीतिक कारणों से यहां सभापति का चुनाव नहीं कराया जा रहा है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों जवाब तलब किया है।

सड़कों पर आवारा कुत्तों के विचरण को रोकने के लिए क्या कर रही है सरकार?

- राजस्थान हाईकोर्ट ने स्वायत्त शासन विभाग और ग्रेटर-हैरिटेज नगर निगम से जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर शहर की सड़कों पर आवारा कुत्तों (श्वान) के विचरण और आए दिन राहगीरों को काटने के मामले में स्वायत्त शासन विभाग सहित हैरिटेज व ग्रेटर निगम से पूछा है कि इनका रोड पर विचरण रोकने के लिए क्या किया जा रहा है? सीजे एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि बध्याकरण से घटनाओं में कमी नहीं आती है। सरकार बताए कि ऐसे कौनसे सेंटर हैं, जहां आवारा कुत्तों को रखा जाता है। हम चाहते हैं कि आवारा कुत्तों का वेलफेयर भी हो जाए और राहगीरों को भी ऐसी घटनाओं से मुक्ति मिले।

न्यायमित्र प्रतीक कासलीवाल ने कहा कि आए दिन समाचार पत्रों में आवारा कुत्तों के राहगीरों पर हमला करने की सूचना मिल रही हैं। शहर ऐसी घटनाओं की राजधानी बन गया है। साल 1997 में हाईकोर्ट ने सड़कों को आवारा पशुओं से मुक्त करने को लेकर दिशा-निर्देश दिए थे, लेकिन उनकी भी पालना नहीं की जा रही है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार और निगम से जवाब पेश करने को कहा है। गौरतलब है कि 25 सितंबर, 2024 को हाईकोर्ट ने आवारा कुत्तों के हमलों के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था। अदालत ने कहा था कि केरल में आवारा कुत्तों से निजात दिलाने के लिए कानून बना है। ऐसे में राज्य सरकार को मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए। छोटे बच्चों सहित राह पर चलने वाले इन आवारा कुत्तों के शिकार हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजदीपक रस्तोगी का 11 वर्षीय कार्यकाल समाप्त

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजदीपक रस्तोगी का सबसे लंबा ऐतिहासिक 11 वर्षीय कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो गया। उन्होंने ई.डी. सहित लगभग 96 प्रतिशत केसेस में भारत सरकार को सफलता दिलाकर लगभग 18 हजार करोड़ रूपए के राजस्व की केन्द्र सरकार को को बचत करवाकर इतिहास रचा है। अब इस पद की दौड़ में वरिष्ठ अधिवक्ता आर.के.अग्रवाल, भरत व्यास, सुधीर गुप्ता और आर.एन. माथुर का नाम सबसे आगे माना जा रहा है।

तकनीकी सहायक व कनिष्ठ अभियंता 60 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जयपुर नगर तृतीय जयपुर टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए तकनीकी सहायक व कनिष्ठ अभियंता 60 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव(कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक एसीबी) ने बताया कि एसीबी की जयपुर नगर तृतीय जयपुर टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए कार्यालय कनिष्ठ अभियंता जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड बड के बालाजी जयपुर के तकनीकी सहायक सुरेश बैरवा व कार्यालय कनिष्ठ अभियंता जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड बेगस जयपुर एवं अतिरिक्त कार्यभार कार्यालय कनिष्ठ अभियंता जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड बड के बालाजी जयपुर के कनिष्ठ अभियंता बलदेव चौधरी को मकान में बिजली कनेक्शन करने की एवज में 60 रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी टीम जयपुर नगर तृतीय जयपुर को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके धर्म भाई के मकान में बिजली कनेक्शन के लिए आरोपित लाईनमेन सुरेश बैरवा द्वारा बिजली कनेक्शन करने की एवज में 70 हजार रुपये रिश्वत राशि की मांग रहा है।जिस पर जयपुर नगर तृतीय जयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल के नेतृत्व में ट्रेप क कार्रवाई करते हुए तकनीकी सहायक सुरेश बैरवा और कनिष्ठ अभियंता बलदेव चौधरी को 60 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

संविधान मजबूत करने की जिम्मेदारी सभी की : टीकाराम जूली

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और संविधान को मजबूत करने की जिम्मेदारी सभी की होनी चाहिए। कांस्टीट्यूशन क्लब में पूर्व विधायक संघ की ओर से आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की ओर से दबाव की राजनीति को लेकर दिए गए बयान को लेकर जूली ने मीडिया से कहा कि आज इनकम टैक्स, ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाएं सभी दबाव में काम कर रही हैं।

जूली ने कहा कि ईडी में विपक्ष के नेताओं के खिलाफ 190 मामले दर्ज हुए, लेकिन मात्र 2 में ही चालान पेश हुए। जिन लोगों ने दबाव में आकर बीजेपी ज्वाइन कर ली तो उनके दाग साफ हो गए। ये दबाव साफ नजर आ रहा है, यदि ये ही मापदण्ड रह गया है, तो सभी गम्भीर प्रकृति के अपराधियों को बीजेपी ज्वाइन करवा देनी चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल से मिला जरूरतमंदों को संबल

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े से गांव-ढाणी में कार्यों को मिली नई गति

जयपुर (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा महिला, युवा, मजदूर और किसान के कल्याण और उत्थान के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे है।

इसकी बानगी 24 जून से 9 जुलाई तक चल रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े में दिख रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर जिले की दूदू तहसील स्थित बिचून ग्राम में इसकी शुरूआत करते हुए इसे महान विचारक पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखा, जिन्होंने अपना पूरा जीवन समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया। पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित शिविरों में राजस्व संबंधी प्रमुख प्रकरणों के निष्पादन का कार्य तत्परता से किया जा रहा है। अब तक की प्रगति के अनुसार पखवाड़े में सीमाज्ञान के 18 हजार 15, नामांतरण के 43 हजार 120, सहमति विभाजन के 8 हजार 531 और रास्तों के 9 हजार 96 प्रकरणों को निस्तारण करते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीणों को लाभ पहुंचाया गया है। वहीं, इसके अंतर्गत ग्रामीण विकास विभाग ने विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ने के कुल 53 हजार 202 आवेदन प्राप्त किए गए हैं और पंचायती राज विभाग ने 52 हजार 183 स्वामित्व पट्टों का वितरण किया है। इसके अलावा अब तक 13 हजार 684 झूलते तारों को खिचवाने और 10 हजार 195 विद्युत पोल सही करने का कार्य किया गया है।

इस अवधि में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 15 हजार 722 लंबित नल कनेक्शन जारी किए गए हैं जिससे उपभोक्ता को सुगम जलापूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। वहीं, 5 हजार 356 पानी की टंकियों की सफाई और 11 हजार 668 लीकेज की मरम्मत भी की गई है।

पखवाड़े के अंतर्गत नर्सरियों से आमजन को 68 लाख 67 हजार 138 पौधों का वितरण किया गया है। वहीं, 'हरियालो राजस्थान' के अंतर्गत 38 लाख 45 लाख 483 पौधों का रोपण किया गया है। इस दौरान खाद्य विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अंतर्गत 54 हजार 711 आवेदनों का निस्तारण किया है। खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत 4 लाख 70 हजार 713 परिवार एवं सदस्यों की आधार सीडिंग के साथ ही 5 लाख 8 हजार 173 की ई-केवाईसी भी की गई है। इसके अलावा 2998 यूडीआईडी कार्ड जारी करने के साथ ही 28 हजार 115 व्यक्तियों को प्रधानमंत्री वय वंदना योजना (पीएमवीवीवाई) में पंजीकृत कर उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

''वर्दी ने हमें आमजन की सेवा का सुनहरा अवसर दिया : डॉ. मेहरड़ा

विदाई समारोह में डी.जी.पी. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने दिया प्रेरणादायक उद्बोधन

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी के परेड ग्राउंड में सोमवार को महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा के सम्मान में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके परिवार के सदस्य पत्नी हर्षला, बड़ी बेटी अनुकांक्षा, दामाद अटल, छोटी बेटी अनीशा और पुत्र अदित भी शामिल हुए।

समारोह में पुलिस की आठ टुकड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें दो आरपीएस प्रशिक्षु, एक हाड़ी रानी महिला बटालियन, तीन प्रशिक्षु महिला आरक्षक और चौथी और पांचवी बटालियन शामिल थे। जिसकी अगुवाई प्रशिक्षु आरपीएस मदन ढाका, प्रियंका, डॉ नेहा, मनीष, विनोद, प्रदीप, रामकुमार और दीपेंद्र ने की जबकि परेड कमांडर की भूमिका प्रशिक्षु आरपीएस ओम प्रकाश गोदारा ने निभाई।

सोमवार प्रातः आरपीए परेड ग्राउंड पर डीजीपी के आगमन पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मंच पर पहुंचकर परेड कमांडर गोदारा के आव्हान पर डॉ. मेहरड़ा ने परेड का निरीक्षण किया, जिसके बाद सेंट्रल बैंड की मधुर धुन पर कदम से कदम मिलाते हुए सभी टुकड़ियों ने उन्हें सलामी दी।

अपने उद्बोधन में महानिदेशक डॉ. मेहरड़ा ने अपने पुलिस करियर के अनुभवों को साझा करते हुए भावुकता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हर आईपीएस अधिकारी का सपना होता है कि वह इस पद को संभाले, और उन्हें यह मौका मिलने पर वे राज्य सरकार, सहकर्मियों के आभारी हैं।

डॉ. मेहरड़ा ने बताया कि जीवन अनुभवों का एक गुलदस्ता है, जिसमें खुशबू के साथ कांटे भी होते हैं। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को नेतृत्व प्रदान करने, अधीनस्थों का मनोबल बढ़ाने और उनके कल्याण के लिए योजना बनाने व उसे क्रियान्वित करने की सलाह दी। उन्होंने 35 वर्षों की सेवा से मिली आत्म-संतुष्टि और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। डॉ. मेहरड़ा ने वर्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसने उन्हें आमजन की सेवा करने और पीड़ितों को तत्काल राहत पहुँचाने का सुनहरा अवसर दिया है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से वर्दी के आदर्शों और उसूलों का सम्मान करने के लिए व्यक्तिगत कष्टों और नुकसान से परे होकर आंतरिक मूल्यांकन करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी जोर दिया कि पुलिसकर्मियों को नई चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को अपग्रेड करना होगा और अपनी तकनीकी दक्षता बढ़ानी होगी। अंत में उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। समारोह में डीजीपी अनिल पालीवाल, मालिनी अग्रवाल, संजय अग्रवाल, अशोक राठौर,रिटायर्ड डीजीपी के एस बैंस, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एस सेंगाथिर, बिनीता ठाकुर, संजीव नार्जारी, विशाल बंसल, दिनेश एमएन समेत कई अफसर मौजूद थे।

राजस्थान पुलिस अकादमी में सोमवार को पुलिस महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा की सेवानिवृत्ति पर अधिकारियों ने परम्परागत तरीके से डीजी की गाडी को रस्सी को खींचकर भावभीनी विदाई दी।

एडीजी स्मिता श्रीवास्तव को सौंपा कार्यभार

जयपुर। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के डीजी रवि प्रकाश मेहरड़ा सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस मौके पर झालाना स्थित एसीबी मुख्यालय में सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में एसीबी डीजी रवि प्रकाश मेहरड़ा और उनके परिजनों के साथ ही एसीबी के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। एसीबी डीजी रवि प्रकाश मेहरड़ा को एसीबी मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। सेवानिवृत्ति से पहले एसीबी डीजी रवि प्रकाश मेहरड़ा ने एसीबी की एडीजी स्मिता श्रीवास्तव को कार्यभार सौंपा। सेवानिवृत्ति समारोह में एसीबी डीजी रवि प्रकाश मेहरड़ा ने एसीबी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कामकाज की सराहना की। पुलिस परंपरा के अनुसार एसीबी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पारंपरिक अंदाज में रस्सी से कार खींचकर डीजी पद से सेवानिवृत्त हुए रवि प्रकाश मेहरड़ा को विदाई दी । इस मौके पर एसीबी डीजी रवि प्रकाश मेहरड़ा ने मीडिया से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर एसीबी ने टीम वर्क से काम किया। उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी की बड़ी कार्रवाइयों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कोटा संभागीय आयुक्त और एक विधायक को भी ट्रैप करना बड़े प्रकरण थे।

'अब हर महीने मिलेगी मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना की राशि'

जयपुर । मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत अब दुग्ध उत्पादक पशुपालकों को हर महीने भुगतान मिलेगा। इसके लिए पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में डेयरी विभाग की आयोजित समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया।

बैठक में डेयरी मंत्री कुमावत ने इस योजना के तहत अटके हुए भुगतान को जल्द से जल्द जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि साल 2024-25 के लिए इस योजना में राज्य सरकार द्वारा 600 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, जिसे संशोधित कर 500 करोड रुपए किया गया। राज्य सरकार ने 468.32 करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। इसमें से महज 12.27 करोड़ रु पए कोषागार जयपुर में भुगतान हेतु लंबित है। इसके अलावा शेष 19.41 करोड़ रुपए का भुगतान ईआरपी सॉफ्टवेयर में प्रविष्टि के पश्चात कोषागार जयपुर को प्रेषित कर दिया जाएगा।

मंत्री कुमावत ने बताया कि वितीय वर्ष 2025-26 हेतु योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा 650 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके विरूद्ध 164 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इसके विरुद्ध 122.27 करोड़ रुपए के स्वीकृति आदेश जारी किए जा चुके हैं। इसके बाद इसी सप्ताह दुग्ध उत्पादक पशुपालकों को जनवरी, फरवरी व मार्च-2025 तक का भुगतान हो जाएगा। अप्रेल, मई व जून माह का भुगतान भी जुलाई के अंत तक कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जुलाई माह से पशुपालकों को इस योजना के तहत दी जाने वाली राशि हर महीने मिलना शुरू हो जाएगी।

जोराराम कुमावत ने बताया कि इसी तरह पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के तहत वितीय वर्ष-2025-26 के लिए प्रदेश के 66 हजार स्कूलों में मिड डे मील के तहत दिए जा रहे मिल्क पाउडर की सप्लाई का ऑर्डर आरसीडीएफ को प्राप्त हो गया है।

इसकी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष-2024-25 में इन स्कूलों के लिए 7800 मीट्रिक टन मिल्क पाउडर की आपूर्ति की गई थी, जबकि इस बार पहले चरण में 3700 मीट्रिक टन पाउडर की आपूर्ति की जाएगी, जिससे प्रदेश के 60 लाख विद्यार्थियों को लाभ होगा।

डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने आरसीडीएफ व डेयरी संघों में कुल 504 विभिन्न पदों के लिए प्रस्तावित भर्ती की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

लाखूसर में सोलर प्लांट के नाम पर खेजड़ी के 180 पेड़ों की कटाई का विरोध

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा शिविर के दौरान आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर तहसीलदार को ज्ञापन दिया

- ज्ञापन में बताया कि 8-10 गाड़ियों में 25-30 लोग हथियारों से लैस होकर आए थे, पेड़ काटने से मना करने पर गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी और फायरिंग भी की
- सूचना मिलने के बाद भी पुलिस दो घंटे बाद पहुंची। घटना को लेकर कार्रवाई करने के बजाय पुलिस ग्रामीणों को परेशान कर रही है

बीकानेर, (निसं)। छत्तरगढ़ तहसील के लाखूसर गांव में सोलर प्लांट के नाम पर खेजड़ी के पेड़ों की कटाई का मामला तूल पकड़ने लगा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा शिविर के दौरान ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर तहसीलदार को ज्ञापन दिया। इस दौरान शिविर स्थल पर पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

जानकारी के अनुसार लाखूसर में जिंदल की सनब्रिज कंपनी 1400 मेगावाट का सोलर प्लांट लगा रही है। इक्विपमेंट्स का काम वारी कंपनी के पास है। इस प्लांट के लिए करीब सात हजार बीघा जमीन निजी काश्तकारों से ली गई है। कुछ लीज पर ली तो कुछ खरीदी गई है। इस जमीन पर 26 जून की रात खेजड़ी के 180 पेड़ काट दिए गए। इसे लेकर रविवार को लाखूसर में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा शिविर में अखिल भारतीय किसान सभा ने विरोध प्रदर्शन किया। राजस्व तहसीलदार राजकुमारी बिश्नोई को ज्ञापन देकर बताया कि 8-10 गाड़ियों में 25-30 लोग हथियारों से लैस होकर आए थे। पेड़ काटने से मना करने पर गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी और फायरिंग भी की। सूचना मिलने के बाद भी पुलिस दो घंटे बाद पहुंची। घटना को लेकर कार्रवाई करने के बजाय पुलिस ग्रामीणों को परेशान कर रही है। उनके घरों पर छापे मारे जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन और पुलिस की सोलर कंपनी से मिलीभगत है। सभा में जेठाराम, शीशपाल, मोहनलाल, इंद्राज, रामलाल, मोटाराम आदि ने आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा खेजड़ी की कटाई पर रोक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब साढ़े तीन सौ पेड़ इससे पहले काटे गए थे। जेठाराम ने बताया कि बड़ी संख्या में पुलिस तैनात करने से ग्रामीण डर के कारण शिविर में ही जा सके।

पत्नी के हत्यारे पति की तलाश जारी

उदयपुर, (निसं)। खेत पर काम करने के दौरान पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी पति फरार है। पुलिस ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव पीहर पक्ष को सौंपा।

प्रकरण के अनुसार रविवार सांय नाई निवासी केशुलाल पुत्र दुदा गायरी के खेत पर सिजारी का काम करने वाले लक्ष्मण पुत्र कालिया गमेती निवासी पिपलवास ने अपनी पत्नी सुरता (42) की हत्या करने के बाद फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतका के शव को मोर्चरी में रखवा पीहर पोपलटी सूचना दी। सोमवार को नाई थानाधिकारी लीलाराम ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव उसके भाई मोहन पुत्र वीरजी निवासी पोपलटी को सौंपा। पुलिस ने खेत मालिक केसुलाल की रिपोर्ट पर सुरता के पति लक्ष्मण के खिलाफ हत्या कर प्रकरण दर्ज करवाया। रविवार सांय लक्ष्मण ने अपनी पत्नी सुरता के साथ मारपीट की तथा शरीर पर जगह-जगह काटने के बाद पत्थर से उसकी हत्या कर फरार हो गया था, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

बाइक सवार बदमाश ने नकदी से भरा बैग लूटा

उदयपुर, (निसं)। शहर के नाई थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाश पीड़ित का नकदी से भरा बैग लूट ले गए। वहीं दूसरी वारदात में बदमाश मारपीट कर पर्स व मोबाइल छीन ले गए।

प्रकरण के अनुसार 29 जून को पीड़ित सुरेन्द्र पुत्र श्रीलाल मीणा निवासी पाटिया पडूणा टीडी हाल नयाखेड़ा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि घर से बाइक लेकर नया खेड़ा कमरे पर जा रहा था। बीच रासते कब्रिस्तान के समीप आए बाइक सवार तीन बदमाशों ने रोका, इसी दौरान स्कूटी सवार तीन बदमाश आए तथा मेरे साथ मारपीट कर नकदी से भरा बैग लूट ले गए। बैग में 50 हजार रूपये नकदी, एटीएम, मोबाइल था। चिल्लाने पर बचाव में मित्र नया खेड़ा निवासी नारायण के आने तक बदमाश फरार हो गए।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता जन स्वा. अभि. विभाग वृत्त-करौली
E-Mail-secircle.kar.phed@Rajasthan.gov.in
बोली आमंत्रित करने की सूचना (एनआईटी संख्या 01-02/2025-26)
खण्ड करौली/खण्ड हिण्डौन में सभी प्रकार के धरातल में 125 एम एम डाया हैण्डपम्प निर्माण कार्य की दर संविदा कार्य के लिए इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 07.07.2025 सायं6.00 बजे तक बोली आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण ऑनलाइन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in & sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हे। निविदा का अनुमानित मूल्य रूपये 300.00 लाख।
NIB: PHE2526A1718, UBN: PHE2526WSRC03546, PHE2526WSRC03548
(प्रकाश चन्द्र मीना) अधीक्षण अभियन्ता
DIPR/C/8117/2025 जन स्वा.अभि.विभाग, वृत करौली

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जालोर
क्रमांक-एनएचएम-लेखा/2025-26/ दिनांक-30.06.2025
ई-निविदा सूचना -02-03/2025-26
इस कार्यालय के अधीन समय समय पर आयोजित किये जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों में नाश्ता, भोजन एवं प्रशिक्षण हॉल व आवास की व्यवस्था के लिए पृथक-पृथक निविदाएं राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम-2012 एवं नियम 2013 में विहित नियमों एवं वित्त विभाग के समय-समय पर जारी परिपत्रों के प्रावधानों के अंतर्गत नियमानुसार पंजीकृत फर्मो/निविदादाताओं से E-proc. पॉर्टल पर ई-निविदा आमंत्रित की जाती है-
आवेदन पत्र/निविदा दस्तावेज राज्य लोक उपापन पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in/sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
UBN: MHS2526SLOB02486, UBN: MHS2526SLOB02451
NIB: MHS2526A1566, NIB: MHS2526A1568
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जालोर (राज.)

पांच साल की मासूम के साथ 65 वर्षीय बुजुर्ग ने दुष्कर्म किया

- मासूम को माता-पिता दोस्त के भरोसे पर घर छोड़ गए थे
- पीड़ित मां ने पुलिस में शिकायत दी, आरोपी बुजुर्ग फरार

अजमेर, (कासं)। शहर में एक घिनौनी और मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले रेलवे से रिटायर 65 वर्षीय बुजुर्ग ने पांच साल की मासूम को अपनी हवस का शिकार बनाया है। माता-पिता अपने दोस्त पर भरोसा कर मासूम को उसके घर छोड़कर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे। पीड़ित मां ने थाने में शिकायत देते हुए दोस्त के पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। घटना के बाद आरोपी बुजुर्ग फरार है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने बताया कि महिला ने शिकायत में बताया कि पति के दोस्त के यहां एक कार्यक्रम था। वह पति और बेटी के साथ कार्यक्रम में गई थी, जहां कार्यक्रम था, वहां गर्मी ज्यादा थी। इस कारण बेटी को उसी दोस्त के घर छोड़कर वापस कार्यक्रम में आ गई। घर से 50 मीटर दूर ही कार्यक्रम था। उस समय घर पर पति के दोस्त के माता-पिता मौजूद थे। कुछ देर बाद दोस्त की मां भी घर से कार्यक्रम में आ गई। इस बीच तेज हवा चलने से स्थल पर कुछ गंदगी फैल गई। पति के दोस्त ने उसे घर से कचरा उठाने के लिए कचरा पात्र लाने को कहा, जब वह दोस्त के घर पहुंची तो गेट अंदर से बंद था। बेटी को आवाज दी। गेट की जाली से देखा तो पति के दोस्त का पिता बेटी से दरिंदगी कर रहा था। महिला ने बताया कि तभी आरोपी ने गेट खोला। बाद में आरोपी के बेटे को फोन कर इसकी सूचना दी गई।

एफएसएल टीम ने उठाए साक्ष्य :-क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में पुलिस अधिकारी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सीओ रुद्र प्रकाश शर्मा सोमवार को पुलिस टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और मौका मुआयना किया।

एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। उन्होंने घटना स्थल से महत्वपूर्ण सबूत जुटाए हैं। पुलिस ने बताया कि पीड़ित बच्ची की मां की शिकायत पर क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने देर रात करीब एक बजे मासूम के साथ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया और कर देर रात ही जेएलएन अस्पताल में मासूम का मेडिकल करवाया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आयुर्वेद दवा सप्लायर का अपहरण, चार गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर के सूरजपोल थाना पुलिस ने अपहरण किये दवा सप्लाई करने वाले को आठ घंटे में मुक्त कराकर अपहरण कर फिरौती मांगने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की।

प्रकरण के अनुसार 28 जून को पीड़ित दवा कारोबारी राजेन्द्र निठारवाल पुत्र भूराराम निवासी अभयपुरा रोड पलसाना सीकर ने पुष्पेन्द्र सिंह नामक आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि रात आठ बजे रोशन नामक व्यक्ति ने मेरे रिश्तेदार पवन कुमार बंजारिया निवासी ठीकरिया बावड़ी सीकर को फोन कर मिलने के लिए बस स्टेण्ड पर बुलाया। इस पर मैं व पवन वहां गए। इसी दौरान वहां आई कार में सवार पांच छह बदमाश पवन का अपहरण कर ले गए तथा मेरी बाइक छीन ली।

अपहर्ता पवन को वापस छोड़ने के लिए 1 लाख 80 हजार रूपये फिरौती मांगी तथा नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले में सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में एसआई वीरमसिंह मय टीम ने कार्यवाही करते हुए आठ घंटे में अपहर्ता को बांसवाड़ा माही डेम के जंगल से दस्तयाब कर अपहरणकर्ता सुनिल निनामा, कल्पेश डामोर, संजय निनामा, रोशन सारेला को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की, जबकि दो फरार साथियों की तलाश व आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
पूरक परीक्षा वर्ष 2025 हेतु ऑनलाईन शुल्क जमा कराने बाबत् सूचना
वर्ष 2025 की पूरक परीक्षा के लिये ऑनलाईन शुल्क जमा कराने की तिथियां निम्नानुसार है :-

परीक्षा शुल्क का प्रकार	शालाओं द्वारा चालान मुद्रण करने की अवधि	परीक्षा शुल्क बैंक में जमा कराने की अन्तिम तिथि	शाला द्वारा बैंक रसीद एवं अग्रेषण सूची बोर्ड कार्यालय को भेजने की अन्तिम तिथि
1. सामान्य परीक्षा शुल्क	01.07.2025 से 10.07.2025	12.07.2025	20 जुलाई 2025
2.एक अतिरिक्त परीक्षा शुल्क सहित	11.07.2025 से 15.07.2025	17.07.2025	
3. असाधारण परीक्षा शुल्क रू. 1500/- शास्ति + नियमित परीक्षार्थी शुल्क रू 600/- कुल 2100/- व स्वयंपाठी परीक्षार्थी शुल्क रू 650/- एक परीक्षा शुल्क सहित कुल रू. 2150/-	परीक्षा प्रारम्भ होने तक (शुल्क केवल पूरक परीक्षा केन्द्र पर बैंक ड्राफ्ट द्वारा जमा होगा।)		

पूरक परीक्षा 2025 प्रारम्भ होने की तिथि	पूरक परीक्षा (प्रायोगिक)	31 जुलाई 2025
	पूरक परीक्षा (सैद्धान्तिक)	06 अगस्त 2025

परीक्षा शुल्क नियमित परीक्षार्थियों के लिये 600/- तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिये 650/- निर्धारित है। प्रायोगिक परीक्षा शुल्क रू. 100/- प्रति विषय पृथक से देना होगा। विद्यालय एवं परीक्षार्थी मूल अंकतालिकाओं का इन्तजार नहीं करें तथा पूरक परीक्षा शुल्क जमा कराने की कार्यवाही शीघ्र करें। विशेष योग्यजन (दिव्यांग) तथा युद्ध में वीरगति को प्राप्त अथवा अपाहिज सैनिकों के पुत्र/पुत्रियों/ पुलवामा हमले में शहीद हुए सैनिको के आश्रितों को परीक्षा शुल्क से मुक्त रखा गया है, किन्तु इन्हे टोकन शुल्क 50/- रू. जमा कराना होगा। अधिक जानकारी बोर्ड वेबसाईट http://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। बोर्ड कन्ट्रोल रूम फोन नम्बर 0145-2632866, 2632867, 2632868 पर सम्पर्क किया जा सकता है। Email ID ddexamfirst@gmail.com
सचिव

किसान ने आत्महत्या की

टोंक, (निसं)। देवली उपखण्ड के ग्राम दौलता मोड़ में एक किसान ने पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली, किसान खेत में फंदे से लटका मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु उप चिकित्सालय देवली में ले जाया गया। मृतक किसान मदनलाल मीणा के पुत्र रोहित मीणा ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि उसके पिता रविवार रात को खेत पर कृषि कार्य करने गए थे, सोमवार सुबह तक नहीं लौटने पर जब वह खेत पहुंचा, तो लेखराज और महादेव मीणा के खेत पर उसके पिता तारों में फंसे हुए मिले, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

30 करोड़ की फिरौती मांगने के मामले में आईपी एड्रेस का पता लगाने में जुटी पुलिस

भाजपा नेता और व्यापारी अशोक चांडक से फिरौती मांगी थी

- धमकी के लिए कॉल व्हाट्सएप से आया था, कंपनी से संबंधित आईपी एड्रेस से संबंधित डिटेल मांगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। भाजपा नेता और व्यापारी अशोक चांडक से 30 करोड़ रुपए की फिरौती मांगने के मामले में पुलिस आईपी एड्रेस से संबंधित डिटेल जुटा रही है।

पुलिस के अनुसार धमकी के लिए कॉल व्हाट्सएप से आया था, इसलिए कंपनी से संबंधित आईपी एड्रेस से संबंधित डिटेल मांगी गई है। इससे काफी हद तक कन्फर्म हो सकेगा कि कॉल किस देश से आई थी। कोतवाली थाना में दर्ज करवाए मामले में अशोक चांडक ने रोहित गोदारा व हैरी बॉक्सर द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से कॉल करने व ऑडियो मैसेज भेजने की बात कही गई है। पुलिस इसकी पुष्टि संबंधित कंपनी से डिटेल मिलने के बाद ही कर सकती है। बताया जा रहा है कि कंपनी की ओर से डिटेल मिलने में एक-दो दिन का समय लगता है। उधर, अशोक चांडक के व्यापारिक सांझेदार आशीष गुप्ता पर फायरिंग के मामले में अभी पुलिस को सफलता नहीं मिली है। फायरिंग की घटना में शामिल महेंद्रगढ़ निवासी रोहित शर्मा, नारनौल निवासी राहुल कुमार और इन्हें फरार होने में सहयोग करने वाले मुक्तसर निवासी सुखविंद्र सिंह के बारे में कोई सुराग नहीं लगा है। इन तीनों पर पुलिस ने 25-25 हजार का इनाम भी घोषित किया है। सूत्रों के अनुसार आरोपियों के संपर्क में रहने वाले कुछ संदिग्धों से पुलिस ने पूछताछ भी की, लेकिन विशेष जानकारी नहीं मिली। कोतवाली थाना प्रभारी पृथ्वीपाल सिंह ने बताया कि फायरिंग के आरोपियों की तलाश में टीमें हर संभव ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में टाउन पुलिस ने पुलिस अधीक्षक हरिशंकर के निर्देश पर अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने भद्रकाली रोड स्थित भारतमाला पुल के नीचे से एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सोरगर मोहल्ला निवासी सीताराम उर्फ झबू (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से 4 कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एएसआई राजवीर सिंह मामले की जांच कर रहे हैं। इस कार्रवाई में एएसआई सत्यनारायण के नेतृत्व में कॉन्स्टेबल नायब सिंह और महेंद्र कुमार की टीम शामिल थी। कॉन्स्टेबल महेंद्र कुमार की भूमिका विशेष रही।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. कोलाना एयरपोर्ट खण्ड झालावाड़
क्रमांक- दिनांक-13.06.2025
निविदा सूचना संख्या 03/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से (1) राजकीय कोलाना हवाई पट्टी झालावाड़ के विस्तारीकरण का शेष कार्य पैकेज नं.1 (2) राजकीय कोलाना हवाई पट्टी झालावाड़ के विस्तारीकरण का शेष कार्य पैकेज नं.2 (3) राजकीय कोलाना हवाई पट्टी झालावाड़ के विस्तारीकरण का शेष कार्य पैकेज नं.3 हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादित में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए" "ए", "बी", "सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। निविदा फार्म ऑन लाईन दिनांक 23.06.2025 से 01.07.2025 को सायं 6.00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकेंगे। ऑन लाईन निविदायें जमा कराने की तिथि 23.06.2025 से 01.07.2025 को सायं 6.00 बजे तक रहेगी। वेबसाईट पर वित्तीय बिड दिनांक 02.07.2025 को 3.00 PM पर खण्ड कार्यालय में खोली जावेगी।
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. कोलाना एयरपोर्ट
DIPR/C/8629/2025 खण्ड झालावाड़

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com,
Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749
क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2025-26/ दिनांक :- 25/06/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 15/2025-26
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से जारी विभिन्न कार्यों की अनुमानित लागत राशि 71.56 लाख की ई-निविदा दिनांक 07.07.2025 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http://sppp.raj.nic.in) http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।
UBN No. :- AJD2526WSOB00038 - 41
अधिशाषी अभियन्ता
राज.संवाद/सी/25/5252 अजमेर विकास प्राधिकरण

कार्यालय नगर पालिका अटरू जिला बारां (राज.)
क्रमांकः-न0पा0अ0/2025-26/437 दिनांकः- 27.06.2025
निविदा-सूचना
इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 04 कमांक 398 दिनांक 25.06.2025 के द्वारा कुल 10 कार्य की अनुमानित लागत 153.07 लाख की किसी भी राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशाषी विभागों में ठेकेदारी कार्य के लिये पंजीकृत संवेदको से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

Work No.	UBN No.	Work No.	UBN No.
1	(DLB2526WSOB09147)	2	(DLB2526WSOB09150)
3	(DLB2526WSOB09153)	4	(DLB2526WSOB09155)
5	(DLB2526WSOB09156)	6	(DLB2526WSOB09157)
7	(DLB2526WSOB09158)	8	(DLB2526WSOB09159)
9	(DLB2526WSOB09160)	10	(DLB2526WSOB09161)

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/5232 नगरपालिका अटरू

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/9341 - 55 दिनांक :- 20/06/2025
ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 09/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में एए श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 05 कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।
उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेव साईट http://eproc.rajasthan.gov.in/ www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।
निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें। UBN विवरण :- WAQ2526WLOB00147, WAQ2526WSOB00148, WAQ2526WSOB00149, WAQ2526WSOB00150, WAQ2526SSOB00151, WAQ2526WSOB00152
राज.संवाद/सी/25/5251 अधिशाषी अभियंता - तृतीय

कार्यालय नगर पालिका पिड़ावा जिला-झालावाड़ (राज.)
E-mail id – eopirawa.lsg@rajasthan.gov.in Phone No. – 07434-258566
क्रमांक/न.पा.पि./निर्माण/2025/730-732 दिनांकः-27/06/2025
ई-निविदा क्रमांक 03/2025-26
नगर पालिका पिडावा में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको व अन्य विभागो के सक्षम श्रेणी में पंजिकृत फार्मो/संवेदको से ई-निविदा पद्धति से 3 कार्यो की दिनांक 01.07.2025 से 15.07.2025 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र डाउनलोड, अपलोड करने की तिथि व निविदा की शर्ते एवं अन्य जानकारी वेबसाईट http://sppp.rajasthan.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in व कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।
NIB CODE :- DLB2526A2988

WORK NO.	UBN CODE
1	DLB2526WSOB09441
2	DLB2526WSOB09444
3	DBL2526WSOB09445

अध्यक्ष नगर पालिका पिड़ावा
अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका पिड़ावा
राज.संवाद/सी/25/5247

नौकरी के बहाने देहशोषण का आरोप

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक युवती ने निजी सिक्योरिटी एजेंसी के अधिकारी पर नौकरी का झांसा देकर दुष्कर्म और अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने आरोपी कपिल व उसके साथी मनप्रीत के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सदर थाना प्रभारी सुभाषचंद्र ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। इसके अलावा पीड़िता द्वारा बताए गए होटल का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि सोमवार को एफएसएल टीम घटनास्थल की जांच कर सुबूत जुटाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार 25 वर्षीय पीड़िता ने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले उसकी पहचान कपिल नामक युवक से हुई। कपिल ने खुद को एक निजी सिक्योरिटी एजेंसी का अधिकारी बताया और नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया। युवती के मुताबिक उसे पहचान-पत्र जारी कर कैंपों में भेजा गया। अन्य लोगों की भर्ती के लिए कैंप लगाए जाते थे।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि फरवरी माह में कपिल ने उसे इंटरव्यू के बहाने एक होटल में बुलाया और नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि कपिल ने उसकी भी वीडियो बनाई। किसी को बताने पर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार शारीरिक शोषण करता रहा। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने 15 हजार रुपए मासिक वेतन तय किया था लेकिन कभी पूरा वेतन नहीं दिया। इसकी बजाय उससे 20-25 हजार रुपए अलग-अलग बहानों से वसूल लिए।

आरोप है कि आरोपी ने अपने दोस्तों से भी संबंध बनाने का दबाव बनाया और मोबाइल नंबर शेयर कर दिया। इसके बाद मनप्रीत नामक युवक ने फोन कर दोस्ती और संबंध की मांग की। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद वह घबरा गई और थाना में केस दर्ज करवाया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है।

दिव्यांग युवक की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या

- पिता, मां, बहन सहित परिवार के कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए
- आरोप है कि पड़ोसी युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर परिवार पर हमला किया था

अनूपगढ़, (निसं)। दिव्यांग युवक की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। उसके पिता, मां, बहन सहित परिवार के कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोप है कि पड़ोसी युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर परिवार पर हमला बोल दिया था। कुछ दिन पहले युवक (मृतक) की भाभी को पड़ोसी का ममेरा भाई भगा ले गया था। इसी मामले को लेकर दो परिवारों में विवाद चल रहा था। यह पूरी घटना श्रीगंगानगर के अनूपगढ़ इलाके की है।

परिजनों ने बताया कि मुकेश घटना के समय चारपाई पर बैठा हुआ था, तभी आरोपी ने सिर पर लाठियों ताबड़तोड़ वार कर दिया। परिजनों ने बताया कि मुकेश घटना के समय चारपाई पर बैठा हुआ था, तभी आरोपी ने सिर पर लाठियों ताबड़तोड़ वार कर दिया।

अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर) के गांव 2 पीजीएम के रहने वाले रवि ने बताया कि मुकेश कुमार (25) मेरा छोटा भाई था। हमले के मुख्य आरोपी जगजीत सिंह का ममेरा भाई गौरी, करीब तीन महीने पहले उसकी (रवि) पत्नी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। इसी मामले को लेकर रात करीब आठ बजे मुकेश की मां ने समझाने के लिए जगजीत सिंह और उसकी मां छिन्दरपाल कौर को अपने घर बुलाया था। रवि ने बताया कि बातचीत शांतिपूर्ण तरीके से हुई और दोनों वहां से चले गए। दो घंटे बाद ही रात करीब 10 बजे जगजीत सिंह अपने ममेरे भाई गौरी और 20-25 अन्य युवकों के साथ अचानक घर में घुस आया। रवि ने बताया कि हमले के समय मुकेश चारपाई पर बैठा नहाने की तैयारी कर रहा था। उसी दौरान हमलावरों ने अचानक लाठियों से उस पर हमला बोल दिया। एक लाठी सिर पर इतनी जोर से मारी गई कि मुकेश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इसके साथ ही हमलावरों ने घर की महिलाओं व अन्य परिजनों पर भी लाठियों व पत्थरों से हमला किया। सूचना मिलते ही अनूपगढ़ थाने के एसएचओ ईश्वर जांगिड़ पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल परिवार वालों को हॉस्पिटल भिजवाया। उन्होंने बताया कि घटना के दौरान घर के अंदर व बाहर ईंट-पत्थर बिखरे हुए मिले, जो हमले की संगठित तैयारी को दर्शाता है। पुलिस ने जगजीत सिंह के भाई बिट्टू को राउंडअप कर लिया है। अन्य हमलावरों की तलाश जारी है। पुलिस ने कई ठिकानों पर दबिश भी दी है। शव को सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है, जिसका पोस्टमॉर्टम सोमवार को किया जाएगा।

अनूपगढ़ एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि हमले की जड़ पुरानी रंजिश में है। घटना में लाठी, डंडे, ईंटों और पत्थरों का इस्तेमाल किया गया है। मुकेश के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज किया जा रहा है। अन्य आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
RISING RAJASTHAN PARTNERSHIP CONCLAVE 11 & 12 DEC 2025 JAIPUR IDEAS & IMPACT
प्रत्यक्ष आवंटन योजना - 2025
राइज़िंग राजस्थान में MoU करने वाले निवेशकों के लिए भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर
औद्योगिक भूखण्डों का डायरेक्ट अलॉटमेंट
तृतीय चरण
आवेदन एवं EMD की अन्तिम तिथि 04 जुलाई, 2025 (सायं 6 बजे तक)
ई-लॉटरी 09 जुलाई, 2025
विभिन्न श्रेणियों / वर्गों के लिए आरक्षित भूखण्ड
117 भूतपूर्व सैनिक
206 महिला वर्ग
147 बेंचमार्क दिव्यांगता
237 अनुसूचित जाति/जनजाति
62 सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक के आश्रित
97 औद्योगिक क्षेत्र
6,854 कुल औद्योगिक भूखण्ड
6,085 अनारक्षित भूखण्ड
39 नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्ड
अन्तिम 4 दिन शेष
आवंटन की प्रक्रिया
एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन
EMD - भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन जमा।
पात्रता - निवेशक जिन्होंने 30/04/2025 तक राइजिंग राजस्थान में राज्य सरकार के साथ एमओयू किये हैं वे सभी इस स्कीम में भूखण्ड के लिए पात्र हैं।
आवेदन हेतु स्कैन करें
भूखण्ड की राशि का भुगतान
25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या
120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
RIICO की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण
5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ
औद्योगिक क्षेत्रों में नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डों के आवंटन से संबंधित पॉलिसी riico.rajasthan.gov.in पर देखें।
इस योजना के तहत भूखण्ड देखने या आवेदन करने के लिए https://riico.rajasthan.gov.in पर दिए गए Direct Land Allotment लिंक पर क्लिक करें अथवा
SSO Portal पर login के बाद RIICO के आइकन पर क्लिक करके Land Allotment पर जाएं और Direct Land Allotment Policy - 2025 (for RR MoU Holders) पर क्लिक करें।
#भूखण्डों की संख्या इत्यादि में बदलाव के सभी अधिकार रीको के पास सुरक्षित हैं।
राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302005
हैल्पलाइन नंबर : 0141 4593250, 4593237 | वाट्सएप : +91 90013 06515 | ई-मेल : riico@riico.co.in
riico.rajasthan.gov.in · riicogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen
राज.संवाद/सी/25/5267

मर्चेंट नेवी में नौकरी का झांसा देकर साइबर फ्रॉड करने वाली अंतरराज्य गैंग का पर्दाफाश

शिप्रापथ थाना पुलिस ने गिरोह के दो साइबर ठगों को दबोचा, पूछताछ जारी

जयपुर (कासं)। शिप्रा पथ थाना पुलिस ने साईबर शील्ड अभियान के तहत बड़ी कार्रवाहीं करते हुए मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलवाने का झासा देकर साईबर फ्रॉड करने वाली अंतरराज्य गैंग का पर्दाफाश करते हुए 2 शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 8 मोबाइल फोन,एक लैपटॉप,7 चैक बुक समेंत एक यश बैक का क्यूआरकोड स्केनर बरामद किया है।इसी के साथ पुलिस ने आरोपियों के पास मिले मोबाइल फोन और लैपटॉप से मर्चेंट नेवी के कई फर्जी जोईनिंग लेटर व दस्तावेज बरामद किए है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि अंतरराज्य गैंग ने अलग-अलग राज्यों में कई लोगों को मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलवाने के नाम से फर्जी जोईनिंग लेटर देकर लाखों रुपयों से अधिक की ठगी की है।

पुलिस ने साईबर पोर्टल 1930 पर अभियुतों के खातों की डिटेल निकाली तो उसमें 15 शिकायतें साईबर फ्रॉड की अलग-अलग राज्यों में दर्ज होने की जानकारी मिली है। पुलिस गिरफ्तार दोनो ठगों से अन्य वारदातों को लेकर गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनन्द ने बताया कि शहर में बढ़ते साईबर अपराध को रोकने के लिए व साईबर जागरुकता लाने के लिए साइबर शील्ड अभियान संपूर्ण राज्य में चलाया जा रहा है। इस अभियान के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। जिसका सुपरविजन जयपुर दक्षिण के सभी एसपी व थानाधिकारी को सौपा गया है। विशेष टीम ने

अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर एक होटल में दबिश देकर विक्रम सिंह (29) पुत्र राम प्रताप सिंह,निवासी छापला,भोपलगढ व प्रदीप चौधरी (30) पुत्र हाकिम सिंह निवासी माडोनी,सेवर,भरतपुर निवासी को गिरफ्तार किया है।

पिछले 20 दिन से रुके थे होटल में, पुलिस ने दबोचा

मुखबिर ने पुलिस को सूचना दी की दो व्यक्ति लगातार 20 दिनों से होटल में रुके हुए और संदिग्ध लग रहे है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने होटल में दबिश देकर दोनो बदमाशों से पूछताछ की ।

संतुष्ट जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने मोबाइल व लैपटॉप की गहनता से जांच की। जिसमें संदिग्ध दस्तावेज, चैट व ट्रांजेक्शन मिले। साईबर अपराध में लिप्त होने की संभावना को देखते हुए पुलिस ने दोनो आरोपियों से गहनता से पूछताछ की और मोबाइल को चैक करने पर साईबर क्राइम का खुलासा हुआ।

सोशल मीडिया के जरिए बनाते थे लोगों को शिकार

गिरफ्तार शातिर बदमाश कुछ अन्य साईबर ठगों के साथ में गैंग बनाकर सोशल मीडिया पर मर्चेंट नेवी में वेकेन्सी का झासा देने का विज्ञापन डालकर उसमें अपना मोबाइल नंबर भी देते है। झांसे में आए पीडित मोबाइल नंबर पर संपर्क करते तो आरोपी नौकरी का झासा देकर रुपए ऐंठ लेते और फर्जी एग्रीमेंट,फर्जी जाईनिंग लेटर पीड़ित को भेज देते।

पीड़ित जब नौकरी जॉईन करने पहुंचता तो उसका नंबर ब्लॉक कर देते। जिसकस बाद शातिर बदमाश मोबाइल नंबर और लोकेशन बदल लेते।

- आरोपियों के कब्जे से 8 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और 7 चैक बुक समेत क्यूआरकोड स्केनर बरामद
- मोबाइल फोन व लैपटॉप से नेवी के कई फर्जी जोईनिंग लेटर व दस्तावेज बरामद
- बदमाशों ने कई राज्यों के लोगों को झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी, अलग-अलग राज्यों में 15 शिकायतें दर्ज

आरोपियों के कब्जे से 50 फर्जी जॉईनिंग लेटर जब्त

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि शातिर बदमाश मर्चेंट नेवी में नौकरी लगाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 50 हजार हजार रुपए से लेकर 1 लाख रुपए तक की ठगी करते थे। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपियों के बरामद हुए लैपटॉप से करीब 50 फर्जी जॉईनिंग लेटर बरामद हुए है।

चैक बुकों में मिली एकाउंट डिटेल के आधार पर आरोपियों के खिलाफ 15 ऑनलाइन शिकायतें भी अलग-अलग राज्या में दर्ज होना पाई गई है।

'राजस्थान आने वाले 23 करोड़ पर्यटकों की सुविधा के लिए गाइड्स का प्रशिक्षण जरूरी'

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति एवं अध्यक्ष आरटीडीसी राजेश यादव की अध्यक्षता में आयुक्त पर्यटन एवं प्रबंध निदेशक आरटीडीसी रुक्मणि रियार की उपस्थिति में सोमवार को पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक हुई। प्रमुख शासन सचिव ने पर्यटन, कला एवं संस्कृति तथा अध्यक्ष आर.टी.डी.सी.ने पर्यटन आयुक्त सहित विभिन्न अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारी वाली शाखाओं और विभागों को आवश्यक विषयों का प्रपत्र बनाकर वितरित किया।

उन्होंने प्रपत्र अनुसार बिंदुओं को प्रमुखता से अड्रेस करते हुए विभाग में बेहतर प्रदर्शन के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

प्रमुख शासन सचिव ने पर्यटन विभाग, पर्यटन विभाग की विभिन्न शाखाओं जैसे मेला उत्सव, पर्यटक सुरक्षा बल, लेखा शाखा आदि, पर्यटन सूचना केन्द्र जयपुर, विकास शाखा, निवेश शाखा,पुरातत्व विभाग, रविन्द्र मंच, जवाहर कला केन्द्र, धरोहर विकास प्राधिकरण सहित सभी सम्बन्धित शाखाओं और विभागों को निर्देश दिए कि उनको उपलब्ध करवाये गए प्रपत्रों में वर्णित महत्वपूर्ण बिन्दुओं के आधार पर आगे कार्य की योजना बनाकर कार्य किया जाना है। उन्होंने

पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख शासन सचिव तथा आरटीडीसी अध्यक्ष राजेश यादव ने सोमवार को पर्यटन विभाग की बैठक ली। इस मौके पर आयुक्त रुकमणि रियार भी मौजूद रहीं।

निर्देर्शित किया कि इसके अतिरिक्त कोई अन्य बिन्दु प्रपत्र में शामिल करना हो तो शाखाएं एवं विभाग अपने स्तर पर उन बिन्दुओं को जोडकर अगली बैठक में कार्य योजना सहित प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि विभाग के कुछ इश्यूज तो ऐसे भी हो सकते हैं, जिनमें किसी बजट की आवश्यता नही होती है, अपितु एक पहल करके ही समाधान किए जा सकते हैं। कला एवं संस्कृति के संवर्धन में लोकल स्तर पर के कई अच्छे और उत्पादक नवाचार किये जा सकते है।

राजेश यादव ने कहा कि प्रदेश में आने वाले 23 करोड़ पर्यटकों की सुविधा के लिए पर्यटक गाइड के प्रशिक्षण और स्किल अपग्रेडेशन भी किया जाना चाहिए। साथ ही पर्यटक वाहन चालक का भी प्रशिक्षण करवाया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटक गाइडों की सूची भी विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध करवाई जा सकती है। समीक्षा बैठक में कार्यकारी निदेशक राजस्थान पर्यटन विकास निगम एवं अतिरिक्त निदेशक पर्यटन प्रशासन राजेश सिंह, सयुंक्त शासन सचिव पर्यटन मोहम्मद अबुबक्र, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन आनंद त्रिपाठी, पवन जैन, जवाहरकला केन्द्र की अतिरिक्त महानिदेशक अलका मीणा, संयुक्त निदेशक पर्यटन (विकास) राजेश शर्मा, संयुक्त निदेशक मेले त्योहार पुनीता सिंह, संयुक्त निदेशक मार्केटिंग दलीप सिंह मौजूद थे।

डी.आर.आई. ने 1300 ग्राम सोने की तस्करी पकड़ी, चार आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्व आसूचना निदेशालय (डी.आर.आई.) की टीम ने लगभग 1300 ग्राम तस्करी का सोना जब्त करते हुए चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जब्त सोने की कीमत करीब 1 करोड़ 26 लाख रुपये बताई जा रही है।

इस तस्करी में शामिल पैसेंजर 29 जून को अपने कपड़ों में पेस्ट के रूप में छिपाकर रियाद से अहमदाबाद एयरपोर्ट सोना लेकर आया था। इस सोने को 3 अन्य व्यक्तियों के साथ कुचामन-डीडवाना, राजस्थान लाया जा रहा था, लेकिन डी.आर.आई. की टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए, इन चारों को धर दबोचा और तस्करी युक्त सोना बरामद किया। डी.आर.आई. ने सोना तस्करी में लिप्त इन चारों लोगों को गिरफ्तार कर 30 जून को आर्थिक अपराध न्यायालय, जोधपुर के समक्ष पेश किया। जहां से न्यायालय के आदेश के बाद आरोपियों को 11 जुलाई तक जेल भेज दिया गया।

डी.आर.आई. टीम ने 1300 ग्राम सोना जब्त किया।

इस सोना तस्करी में शामिल सभी व्यक्ति शेरानी आबाद, डीडवाना, नागौर निवासी बताए जा रहे हैं। इस मामले में विभागीय जांच जारी हैं। उल्लेखनीय है कि डीआरआई टीम की पिछले 5 दिन में यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है।

विधानसभा के सहायक सचिव रामस्वरूप गुर्जर को विदाई दी

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि प्रत्येक कर्मचारी और अधिकारी को श्रेष्ठ कार्य करके अपनी संस्था का नाम रोशन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्था एक व्यक्ति नहीं बल्कि वहां कार्यरत सभी कर्मियों के टीम भावना के साथ कार्य करने से मजबूत होती है।

देवनानी ने राजस्थान विधान सभा के कर्मियों का आव्हान किया कि वे ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करके लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में सक्रिय भागीदारी निभाएं। देवनानी सोमवार को यहां विधानसभा में सेवानिवृत्त समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। विधान सभा के सहायक सचिव रामस्वरूप गुर्जर 34 वर्ष की विधान सभा सेवा के उपरांत अर्द्धार्षिकी आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त हुए। समारोह को संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सचिवालय की कार्यप्रणाली को सुचारु रूप से संचालित करने में प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्रशासनिक दक्षता और समर्पण से किए गए कार्यों का संस्थान के विकास में गहरा प्रभाव होता है।

'सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचा रही सरकार'

जयपुर। राज्य के एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने सोमवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में केंद्रीय गृह एवं अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित राज्यों के सहकारिता मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। सहकारिता मंत्री ने बताया कि सम्मेलन के दौरान सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों से एक दूसरे राज्यों को सीखने का मौका मिला तथा विभिन्न सकारात्मक सुझावों पर सभी राज्यों ने आपस में चर्चा की। दक ने कहा कि राजस्थान में सहकारिता आंदोलन का इतिहास काफी लंबा है इसे और अधिक मजबूत बनाने के लिए हमारी सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन को गांव-गांव तक मजबूती से पहुंचाया जाए ताकि सबको इसका फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने सहकारिता के क्षेत्र में विभिन्न नवाचार किए गए हैं।

सार-समाचार

अफीम के साथ रोडवेज चालक गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए एक राजस्थान रोडवेज के चालक को अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने के मामले में गिरफ्तार किया है और उसके पास से 54.05 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम जब्त की है और साथ ही मादक पदार्थ के परिवहन में उपयोग की जा रही राजस्थान रोडवेज को भी जब्त की है। फिलहाल आरोपित रोडवेज चालक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ अफीम की तस्करी करने वाले आरोपित भंवरा राम बिश्नोई (51) निवासी फलोदी हाल रोडवेज बस चालक फलोदी डिपो को गिरफ्तार किया है और उसके पास से 54.05 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद किया है और साथ ही परिवहन में उपयोग की जा रही राजस्थान रोडवेज (फलोदी डिपो) की भी जब्त की है। पुलिस आरोपित बस चालक से अवैध मादक पदार्थ अफीम की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

संस्कृत विवि.में आवेदन 20 जुलाई तक

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर में शैक्षिणक सत्र 2024-25 के लिए बीए (स्नातक) और एमए (स्नातकोत्तर) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 जून से प्रारंभ हो चुकी है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता शास्त्री कोसलेंद्रदास ने बताया कि छात्र संस्कृत, हिंदी, अंग्रेज़ी, अंग्रेज़ी साहित्य, राजनीति विज्ञान, शिक्षा, दर्शन शास्त्र एवं इतिहास जैसे विषयों में बीए और एमए की पढ़ाई के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत विषय न होने पर भी विद्यार्थी बीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र हैं। विशेष रूप से, महिला छात्रों को प्रवेश शुल्क से पूर्णतः मुक्त रखा गया है, जिससे उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहन मिलेगा। इच्छुक छात्र-छात्राएँ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आज

जयपुर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर पिंकसिटी प्रेस क्लब एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर ओर से 1 जुलाई, मंगलवार को पूर्वान्ह 11 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक प्रेस क्लब परिसर में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर एवं स्वास्थ्य परिचर्चा होगी। यह शिविर क्लब के सभी सदस्यों एवं उनके परिजनों के लिए स्वास्थ्य संरक्षण, आयुर्वेदिक जागरूकता और प्राकृतिक चिकित्सा के लाभों को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। शिविर में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम विभिन्न रोगों की जांच, परामर्श डेगी। आवश्यक औषधियों का वितरण पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। पिंकसिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा एवं महासचिव मुकेश चौधरी ने बताया कि यह शिविर न केवल क्लब सदस्यों बल्कि उनके परिजनों के लिए भी उपयोगी रहेगा, जिससे सभी आयु वर्ग के लोग आयुर्वेद के लाभों का प्रत्यक्ष अनुभव कर सकेंगे। उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि वे सपरिवार इस जनकल्याणकारी आयोजन में भाग लें। कार्यक्रम के दौरान विशेष स्वास्थ्य संवाद सत्र भी होगा। इसमें विशेषज्ञ ऋतु परिवर्तन, दिनचर्या, आयुर्वेदिक खानपान और मौसमी रोगों की रोकथाम के संबंध में उपयोगी जानकारी देंगे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि यह पहला अवसर है जब एनआईए के विशेषज्ञ प्रेस क्लब परिसर में प्रत्यक्ष परामर्श के लिए मौजूद रहेंगे।

साइबर हाइजीन पर जागरूकता सत्र

जयपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला तथा एस. एस. जैन सुबोध लॉ कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में साइबर हाइजीन और चिकित्सीय उपेक्षा पर विधिक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। जिसमें साइबर हाइजीन एवं चिकित्सीय उपेक्षा जैसे समसामयिक विषयों पर छात्रों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन एवं मुख्य वक्ता का स्वागत कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गौरव कटारिया द्वारा किया गया। सत्र के दौरान मुख्य वक्ता पवन कुमार जीनवाल, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर-जिला ने साइबर हाइजीन के बारे में बताया कि किस प्रकार सुरक्षित पासवर्ड, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग के माध्यम से साइबर अपराधों से बचा जा सकता है। उन्होंने छात्रों को साइबर फिशिंग, डिजिटल अरेस्ट और सोशल मीडिया पर होने वाले फ्रॉड से सतर्क रहने की सलाह दी और छात्रों को हेल्पलाइन नंबर-1930 एवं संचार सारथी पोर्टल की जानकारी दी। साइबर फ्रॉड के मामलों में पीड़ित को उसके पैसे वापस प्राप्त करने की प्रक्रिया व विधिक प्रावधानों की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा साइबर के जंगल में झांसा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

शिवपुराण कथा से दिया समाज को "नारी सम्मान" का संदेश

जयपुर। श्री शिव महापुराण कथा समिति,जयपुर की ओर से कांतिचंद रोड बनीपार्क में चल रही श्री शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन पार्वती की विदाई, गंगा अवतरण, समुद्र मंथन, अद्र्ध नारीश्वर, कार्तिकेय जन्म और गणपति प्राकट्यय की कथा का श्रवण कराया। हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, राजपूत समाज जयपुर के अध्यक्ष रामसिंह चंदलाई सहित अनेक विशिष्ट जनों ने कथा श्रवण किया।

व्यासपीठ से संतोष सागर महाराज ने शिवजी के संग पार्वती के विवाह के बाद विदाई के प्रसंग में कहा कि नारी का जितना सम्मान भारत में है उतना कहीं नहीं है। उन्होंने कहा कि नारी की सुंदरता तन से नहीं मन से होती है। शरीर को एक दिन मुर्झाना ही पड़ता है। मन की सुंदरता ही स्थायी सौंदर्य है। एक अन्य प्रसंग में उन्होंने कहा कि आज यह समाचार पढ़कर बड़ा दुख होता है कि दहेज की आग में किसी बेटी को जला दिया जाता है। ध्यान रहे कि किसी बाप ने अपनी बेटी आपके बेटे को बहु के रूप में दी है इसलिए उसे बेटी की तरह ही समझे बहू नहीं। बेटी से दोगुना प्यार बहु को देंगे तो घर में सुख-समृद्धि आएगी ही। बहुएं भी सास को सगी मां की तरह सम्मान दें। सास ने कुछ कह दिया तो बुरा नहीं मानना चाहिए। घर में मां लक्ष्मी का पूजन भले ही बाद में कर लेना पहले गृह लक्ष्मी का पूजन करें यानी उन्हें मान-सम्मान दें। जिस घर में नारी प्रसन्न रहती है। दुख का एक आसूं नहीं गिरता उस घर का वैभव घटता नहीं दिनों दिन बढ़ता है। ऊं नम शिवाय से कथा पांडाल बार-बार गूंजता रहा। पांचवें दिन की कथा प्रसंग के विश्राम पर महाआरती हुई। सुबह श्री शिव महापुराण कथा समिति,जयपुर के अध्यक्ष पं. सुरेश शास्त्री के सान्निध्य में शिव शक्ति महायज्ञ में आहुतियां दीं।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना इलाके में शादी का झांसा देकर एक प्रेमी द्वारा युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि विरोध करने पर आरोपित प्रेमी ने शादी करने का वादा किया और शादी करने के नाम पर चार साल तक देहशोषण करता रहा। इस संबंध में थाने में पीड़ित युवती ने आरोपित प्रेमी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि शास्त्री नगर की रहने वाली युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि एक ही कॉलोनी में रहने के कारण आरोपित से उसकी बातचीत थी। आरोपित ने अपने प्रेम के जाल में फांस लिया। मिलने के बहाने घर आने पर अकेला पाकर उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर शादी का वादा कर दुष्कर्म किया। आरोप है कि शादी करने का झांसा देकर आरोप लगातार उसका देह शोषण करने लगा। पिछले चार साल तक शादी करने का झूठ बोलकर शारीरिक संबंध बनाए।

देवेन्द्र श्रृंगी बने राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के सी.एम.डी.

जयपुर। राज्य सरकार ने 30 जून को आदेश जारी कर देवेन्द्र श्रृंगी को राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम का अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक नियुक्त किया है। ऊर्जा विभाग, राजस्थान सरकार के आदेशानुसार देवेन्द्र श्रृंगी को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से एक वर्ष की अवधि के लिए उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक के पद पर नियुक्त किया है।

देवेन्द्र श्रृंगी को ऊर्जा एवं विद्युत उत्पादन क्षेत्र में कार्य का 35 वर्ष से अधिक अवधि का सुदीर्घ अनुभव है, जिसमें से कोटा सुपर थर्मल, छबड़ा सुपर थर्मल आदि पॉवर प्लान्टों में 31 वर्ष से अधिक अवधि तक ऑपरेशन, मेंटीनेन्स, सी.एण्ड आई., कोल हेण्डलिंग एवं अन्य विभागों के क्षेत्र में कार्य करते हुए उच्च तकनीकी पदों पर

देवेन्द्र श्रृंगी

सेवाएं प्रदान की हैं। श्री श्रृंगी 3 फरवरी 2024 से राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक के रूप में कार्य कर रहे हैं।

ऊर्जा विभाग, राजस्थान सरकार के आदेशानुसार राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम में के.एल.मीणा को निदेशक (परियोजना), संजय सनाढ्य को निदेशक (तकनीकी) एवं एम.के.खण्डेलवाल को निदेशक (वित्त) के पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 1 वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है। देवेन्द्र श्रृंगी ने बताया कि राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम वर्तमान में राज्य में विद्युत उपलब्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेश की ऊर्जा आवष्यकता को पूरा करने में केन्द्रीय भूमिका के साथ चहुॅमुखी तीव्र विकास में अग्रणी है। उत्पादन निगम के निदेशकों की नवनियुक्त टीम के साथ राज्य सरकार के विज़न के अनुसार कार्य करते हुए विद्युत इकाइयों की परम्परागत प्रणाली में अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से कम निवेश में अधिक उत्पादन एवं अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रदूषण न्यून करते हुए बिजली का उत्पादन किया जायेगा।

ट्रांसपोर्ट नगर पुलिस थाने के सामने युवक ने किया आत्मदाह का प्रयास

- युवक ने पार्टनर से परेशान होने का लगाया आरोप
- 50 प्रतिशत झुलसे युवक का सवाई मानसिंह अस्पताल के बर्न वार्ड में उपचार जारी

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाने के सामने सोमवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गई जब एक युवक अपने पार्टनर से परेशान होकर पेट्रोल डाल खुद को आग लगा कर आत्मदाह का प्रयास किया।

इस दौरान आस-पास खड़े लोगों ने बचाने का प्रयास किया लेकिन वे भी झुलस गए। जानकारी के अनुसार युवक ने थाने से कुछ दूरी पर ही आग लगाई थी और फिर इसके बाद जलता हुआ थाने में घुस गया था। इस दौरान थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने उस पर कंबल डाल आग बुझाई। इसके बाद एम्बुलेंस की मदद से एसएमएस अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती करवाया। जहां उसका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार 50 प्रतिशत तक झुलस चुका है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

ट्रांसपोर्ट नगर थानाधिकारी अरुण कुमार ने बताया आगरा रोड पर जामडोली के राधिका विहार कॉलोनी निवासी राजेश शर्मा (50) ने पेट्रोल डाल खुद को आग लगा कर आत्मदाह का प्रयास किया। जो 50 प्रतिशत झुलस गया है और अभी उसका एसएमएस के बर्न वार्ड में इलाज चल रहा है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि राजेश शर्मा पिछले तीन साल से ट्रांसपोर्ट नगर के सेठी कॉलोनी में परिवार के साथ रहकर प्रॉपर्टी का कारोबार कर रहा है और प्रॉपर्टी कारोबार में कैलाश माहेश्वरी उसका पार्टनर है। जहां कैलाश माहेश्वरी से डेढ़ करोड़ रुपए ब्याज पर लेकर राजेश ने प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट की है। जिसके चलते जून महीने का ब्याज नहीं देने पर कैलाश कुछ दिनों पहले राजेश के घर जाकर गालियां दी। इसकी वजह से वह डिप्रेशन में आ गया था। पार्टनर कैलाश की ओर से लगातार राजेश और उसके परिवार को धमकियां दी जा रही थी। पार्टनर की ओर से मिल रही धमकियों से परेशान होकर ट्रांसपोर्ट नगर थाने में राजेश शर्मा ने शिकायत भी दी थी।

इस मामले में राजेश के छोटे भाई अशोक का कहना है कि राजेश की ओर से ट्रांसपोर्ट नगर थाने में भी शिकायत दी थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद शनिवार को पार्टनर कैलाश अपने साथियों के साथ राजेश के घर गए थे। जहां उसे और परिवार को भला-बुरा कहा। इस पर सोमवार सुबह राजेश दोबारा थाने गया लेकिन जब कार्रवाई नहीं हुई तो पेट्रोल डाल खुद को आग के हवाले कर दिया।

जानकारी के अनुसार प्रॉपर्टी कारोबारी सोमवार सुबह राजेश शर्मा ट्रांसपोर्ट नगर थाने के पास पैदल पहुंचा। राजेश खुद के साथ एक बोतल में पेट्रोल से भरी बोतल भी लाया था। जिसे उसने अपने पीछे शर्ट में छिपा रखा था। कुछ देर इधर-उधर घूमने के बाद राजेश ने बोतल से पेट्रोल खुद पर उडेल कर खुद को आग लगाकर थाने में घुस गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने तुरंत कंबल डालकर आग पर काबू पाया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस की मदद से उसे झुलसी हालत में एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर्स बर्न वार्ड में एडमिट कर राजेश को एडमिट कर इलाज कर रहे है। आग से राजेश करीब 50 प्रतिशत झुलस गया है, जिसका इलाज चल रहा है। पुलिस की ओर से मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

'बालिका जन्म के उपलक्ष्य में लगाए 253 से अधिक पेड़'

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर द्वारा रालसा वन एवं बालिका वर्ष 2025 सृजन की सुरक्षा (ए स्कीम फॉर इको-फेमिनिज्म) योजना की शुरुआत की है। उक्त योजना के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय द्वारा आमेर तहसील की ग्राम पंचायत लबाना में आज विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि हरिओम शर्मा 'अत्रि', सदस्य सचिव, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए बताया कि रालसा द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाये जाने, बालिकाओं को आगे बढ़ाये जाने व उनके प्रति होने वाले अपराधों की दर में कमी लाने तथा पर्यावरण को संरक्षित और पोषित किये जाने की दिशा में कार्य करने के उद्देश्य से नवीन योजना "सृजन की सुरक्षा" के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह योजना अप्रैल माह में जिला राजसमन्द में ग्राम पंचायत पीपलांत्री में आयोजित राज्य स्तरीय आयोजन में जारी की गई थी।

सदस्य सचिव ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य राजस्थान में प्रत्येक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक ग्राम पंचायत का चयन कर उस संबंधित पंचायत में माह जनवरी, 2025 से जन्मी बच्चियों के जन्म पर प्रत्येक बालिका के नाम पर 11 पेड़ लगाये जाने है। वृक्षारोपण के बाद बालिकाओं के साथ ही उन पौधों का भी पोषण किया जाना है ताकि प्रत्येक बालिका के साथ वन एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना को जीवित रखा जा सके।

कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय सचिव पल्लवी शर्मा ने बताया कि योजना के अनुरूप माह जनवरी, 2025 से अब तक जन्मी बालिकाओं को हरित बालिका माना गया है अर्थात् प्रत्येक बालिका अपने उज्ज्वल भविष्य के साथ अपने पर्यावरण का संरक्षण करते हुए आगे बढ़ेगी। शर्मा ने बताया कि ग्राम पंचायत लबाना का चयन योजना के तहत प्रासंगिक, सामाजिक, आर्थिक आधार तथा सामुदायिक भागीदारी की क्षमता का मूल्यांकन करके किया गया है। इसी के साथ माह जनवरी से माह मई, 2025 के दौरान जन्मी कुल 23 हरित बालिकाओं के नाम पर 11 पौधों के अनुसार कुल 253 पौधे लगाए गये। इसी के साथ बच्चियों को "सृजन की सुरक्षा" के आई.डी. कार्ड बांटे गए।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
TUESDAY
01 July 2025
A-B

A Yes to 'Financial Independence'

National Financial Freedom Day kicks off with a burst of enthusiasm. This day shines a spotlight on the journey towards financial independence, a path everyone dreams of walking. It's about getting to a point where your savings and investments do the heavy lifting, allowing you to enjoy life on your terms. You can celebrate the day in various ways. Why not turn the tedious task of budgeting into a party? Grab some snacks, play your favourite tunes, and sit down with friends or family to craft a budget that sparkles. It's a fun way to see where your money is going and how you can save for something big.

#GAMES

COACHES MATTER IN SPORTS

Leaders in youth sports should take this challenge to heart. That won't be easy. For starters, it's incredibly difficult to find volunteer coaches and administrators these days.

Coaches have a significant impact on success in both the professional and collegiate ranks, a new study finds. The study provides new insights into the never-ending debate over how much leadership matters in sports.

Researchers analyzed hundreds of seasons of data, including wins and losses, scores, and other statistics, and estimated that coaches account for 20 per cent to 30 per cent of the variation in team outcomes.

To reach their findings, the researchers devised an innovative method to evaluate the effects of leadership in sports and discovered that coaching impact varied across the sports studied, which included Major League Baseball, the National Football League, the National Basketball Association, the National Hockey League, college football, and college basketball. Baseball managers, for example, had more impact on runs allowed vs. runs scored, while college football coaches affected outcomes more than their professional counterparts.

"Coaches are often credited or blamed for their team's success or failure, and are compensated as if they are among the most important assets a franchise possesses," says Christopher R. Berry, a professor at the Harris School of Public Policy at the University of Chicago. "We find that coaches do, in fact, matter, and suggestions that coaches are interchangeable, which has been the dominant view in the sports analytics community, are not true. In every sport we studied, we found that coaches impact variables that contribute to a higher winning percentage."

Some of the study's more notable findings

- MLB managers affect runs scored, runs allowed, run differential, and victories. They have greater impact on runs allowed versus runs scored.
- NFL coaches affect points allowed and the point margin. They significantly affect the number of fumbles and penalties a team commits.
- Coaches matter more in college football than in the pros. They significantly affect points scored, points allowed, point differential, and victories.
- Coaches are highly significant in both NBA and Division I college basketball outcomes, influencing points scored, points allowed, point differential, and victories.
- NHL coaches matter, although they matter much more for goals allowed than goals scored.

"Although virtually, every aspect of player performance has been examined since the recent emergence of sports analytics, we wanted to bring the same level of rigor to coaches as there is for everyone else on the field at a major sporting event," says Anthony Fowler, an associate professor at the Harris School of Public Policy. The researchers conducted the study with a method called randomization inference for leadership effects, which accounts for player quality and strength of schedule. The researchers first created the approach to estimate the effects of political leaders on various economic and policy outcomes. The method holds promise for additional

research to assess the impact of individual coaches, as well as better understand why and how coaches matter. The researchers presented the work at the Sloan Sports Analytics Conference in Boston.

HOW US PROFITS FROM THE WAR IN UKRAINE

An eminent member of the Kennedy family, Senator Robert F Kennedy, says that 'Russians tried repeatedly to settle their disagreements with the US, on terms that were very very beneficial to the US.' Furthermore, he says Russia granted the US one major option, to keep the big military contractors happy and to add new countries to NATO all the time, to meet weapons specifications for certain companies, who all want to supply more arms to those in the NATO loop. This was $113 billion dollars of arms purchases.

Maroof Raza

There are many versions on why the war in Ukraine started and why it won't end easily. Among them, here is one narrative, not from White House, but from a respected political scientist in the US, Prof. John J Meashimer, who says that the US pushed Russia into a conflict in Ukraine. Why? Because more (EU) countries would join NATO, to secure themselves against Russia.

There are many who argue that war is a big business for the big defence giant corporations in the US like Northrup Grumman, General Dynamics and Lockheed Martin, etc. The money the US claims will go to Ukraine to fight Russia is actually routed to back US companies. Since the onset of the Russian invasion of Ukraine, the US and the EU have given Ukraine $113 billion dollars and $91 billion dollars respectively, in the form of military aid and financial assistance. Ukraine's Foreign Minister recently said that the cost of war per day at present is in the tune of $136 million and there's great tumult in the US Congress and the EU over the further allocation of military aid to an embattled Ukraine, leading Putin to turning up the heat on Ukraine by ordering bigger and bolder air strikes. This has made other European nations, especially those close to Ukraine, nervous. And in turn, US weapons sales overseas rose sharply last year, reaching a record total of $238 billion (£187bn), as Russia's invasion of Ukraine stoked demand.

An eminent member of the Kennedy family, Senator Robert F Kennedy, says that 'Russians tried repeatedly to settle their disagreements with the US on terms that were very very beneficial to the US.' Furthermore, he says that Russia granted the US one major option, to keep the big military contractors happy and to add new countries to NATO all the time, to meet weapons specifications for certain companies, who all want to supply more arms to those in the NATO loop. This was $113 billion dollars of arms purchases.

That's enough to create housing, says Kennedy, for all of the people in the US, and then the US has committed another $ 24 billion in the past two months. But when Mitch McConnell (an eminent US personality) was asked, 'can we really afford to spend another $10 to $ 13 billion in Ukraine?' He said, 'don't worry, it's going to American defense contractors!' It is most important to understand that Ukraine has to put a whole of its government's assets up for sale to multinational corporations, including all its agricultural land, the biggest single asset in Europe (which is the bread basket of Europe), and then in December, President Biden gave out the contract, for Ukraine's assets, to US Corporations. Kennedy says, 'the conflict has (created a divide), which is meant to keep us hating each other. Thus, thank you to Republicans and Democrats (the two political groups) fighting each other, which has created a divide in the US pitting blacks against white,' and created divisions across the US on the war in Ukraine and whether it will have an early end.

Retired military officers and strategists, who take up lucrative roles in the arms industry, ensure that the bidding of these defence giants is done in the most effective way possible. In May 2018, the then CEO of Raytheon, a defence giant, Thomas Kennedy, personally visited the office of Senate Foreign Relations Committee Chair Robert Menendez, but was snubbed by Mr. Menendez, as Thomas Kennedy was trying to push for the significant sale of precision-guided bombs to Saudi Arabia, which could wreak greater havoc on the poorest nation in West Asia, Yemen. Senators and representatives consider the military spending bill to be a 'jobs' bill, and rarely vote against weapons systems that are developed in their (constituency) states.

The advocates of the US military industrial complex are deeply embedded into the entire government and semi-government apparatus. Lobbyists carefully manipulate politicians in Capitol Hill. Defence contractors have deep connections to the political elites and generously fund their campaign for office, just like the big defence companies do, who serve as patrons for think tanks and other affiliated institutions that can push the agenda of these weapon sellers. No wonder 'wars' are a profitable business for those in the military industrial complex.

rajeshsharma1049@gmail.com

#WAR MONIES

Access to Ukrainian rare earth.

> There are many who argue that war is a big business for the big defence giant corporations in the US like Northrup Grumman, General Dynamics and Lockheed Martin, etc. The money the US claims will go to Ukraine to fight Russia is actually routed to back US companies. Since the onset of the Russian invasion of Ukraine, the US and the EU have given Ukraine $113 billion dollars and $91 billion dollars respectively, in the form of military aid and financial assistance.

U. S. eyes co-production.

Ukrainian soldiers use U. S. weaponry on the northeastern front with Russia.

#A MYTH

Diamonds Are Not Rare

The perception of diamond rarity can be traced back to De Beers, a mining company that controlled up to 90% of the world's diamond supply.

For decades, diamonds have been marketed as rare, precious, and inherently valuable. They're touted as symbols of love, status, and wealth, especially in the context of engagement rings. But despite their high price and glamorous reputation, the reality is quite different: diamonds are not rare.

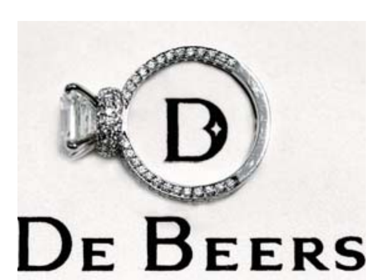

The Illusion of Rarity

Diamonds are composed of carbon and form under high-pressure, high-temperature conditions deep within the Earth's mantle. Geologically speaking, they are relatively common compared to other gemstones like emeralds, rubies, or sapphires. Every year, hundreds of millions of carats of diamonds are mined worldwide. So, why do people believe they are rare?

The Power of Marketing: De Beers and the Monopoly

The perception of diamond rarity can largely be traced back to De Beers, a mining company that controlled up to 90% of the world's diamond supply during the 20th century. Starting in the late 1800s, De Beers strategically restricted the release of diamonds into the market, artificially limiting supply to keep prices high. In the 1940s, they launched what is arguably the most successful marketing campaign in history: 'A Diamond Is Forever.' This campaign linked diamonds to eternal love, making them a cultural necessity for engagements. The result? An inflated demand based on emotion, not actual scarcity.

Controlled Supply and High Prices

Even though diamond deposits are found in many countries, including Russia, Canada, Botswana, and Australia, the supply is still closely managed. Many large diamonds are kept in vaults or sold through tightly controlled channels, ensuring that prices remain high. This doesn't reflect geological rarity but economic manipulation.

Lab-Grown Diamonds: A New Era

The rise of lab-grown diamonds in recent years has further proven how common diamonds actually are. These diamonds are chemically and physically identical to mined ones and can be produced in a matter of weeks. Their increasing availability and lower price tag expose how traditional diamond prices are inflated far beyond their intrinsic value.

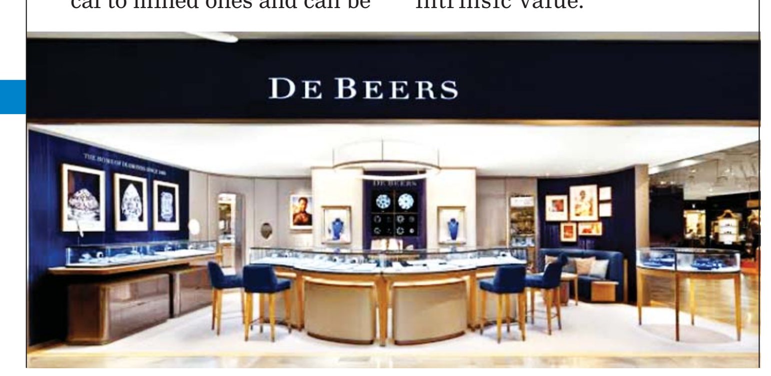

The Bottom Line

Diamonds are beautiful, but they are not rare. Their high value is not due to limited supply but due to clever marketing, market control, and cultural conditioning. As awareness grows and alternatives like lab-grown stones become more popular, consumers are beginning to rethink what makes a gemstone truly valuable.

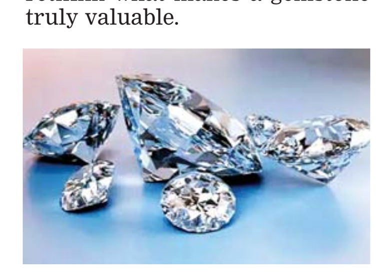

#YUMMIES

How Apples Got Their Names

The unique history you've probably never heard of!

I've been trying to eat healthier lately and I have to be honest: When it comes to apples, I just buy whatever's on sale. But the truth is, different apples taste differently and are good for different uses. What's more, there's some unique history to the names of different kinds of apples.

Herein, an apple primer!

Fuji

Guess where this apple originated? That's right, like the camera and film company bearing the same name, Fuji apples originated in Japan in the 1960s. It was created by Japanese researchers by combining two American apples, the Red Delicious and a Ralls Janet.

It didn't come to America until the 1980s but it has since become very popular. Most say that this apple got its name from a town called Fujisaki, located in a prime apple growing area of Japan.

Fuji apples tend to be smaller than Red Delicious apples, much sweeter (some say it's the sweetest apple) and better suited for baking, since it maintains its shape better than the Red Delicious.

Granny Smith

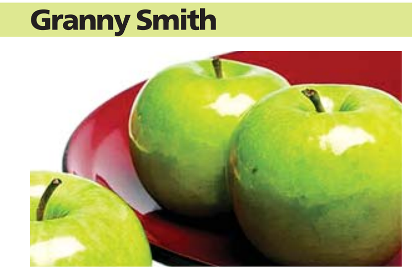

This apple was discovered by accident by 'Granny' Maria Ann Smith in New South Wales, Australia in 1868. Granny Smiths stand out from most other apples because of their green flesh and their very tart flavour. Granny Smiths are great for eating out of hand, and they're great for baking as well.

Empire

Empire apples got their name because they originated in New York (the Empire State) in 1966. Created by the New York State Agricultural Experiment Station at Cornell, Empire apples are a cross between Red Delicious and McIntosh apples. Empire apples are known for their sweet-tart flavour, and their usefulness as an all-purpose apple.

Red Delicious

These are probably the most common apples you'll find in the supermarket. Jesse Hiatt, a farmer in Iowa in the late 1800s, originally grew the Red Delicious on his farm and called it the Hawkeye. He entered the apple into a contest run by Stark Nurseries in the early 1890s. After he won, Stark bought the rights to the apples and renamed them Stark Delicious. The name was eventually changed to Red Delicious to distinguish it from Stark's Golden Delicious, which entered the market a bit later. The popularity of the Red Delicious has markedly risen and fallen from its heyday in the 1980s. Trying to appeal to the consumer in recent years, growers have focused on making the signature apple even redder, and in the process, some of the Red Delicious' sweet taste has been lost. You can still find Red Delicious apples in most supermarkets, and they are often cheaper than other varieties.

Golden Delicious

The Golden Delicious apple is not related to the Red Delicious. It got its name from its golden skin, which distinguishes it from most other apple varieties. Originally grown on the Mullin's farm in Clay County, West Virginia in the 1890s, it was originally called Mullin's Yellow Seedling until it was bought by Stark Nurseries and renamed the Golden Delicious.

It became so popular that it was also named the state fruit of West Virginia. Golden Delicious apples are known for their sweetness and are great for eating out of hand, baking and salads.

Honeycrisp

Designed by researchers at the University of Minnesota by cross-breeding a Macoun apple with a Honeygold in the 1960s, Honeycrisp apples are sometimes referred to as a 'name-brand' apple. They actually taste like they have a hint of honey drizzled on them, are incredibly crisp and cost more than the average apple. Many people are willing to pay the premium though because Honeycrisp apples are just that good.

THE WALL

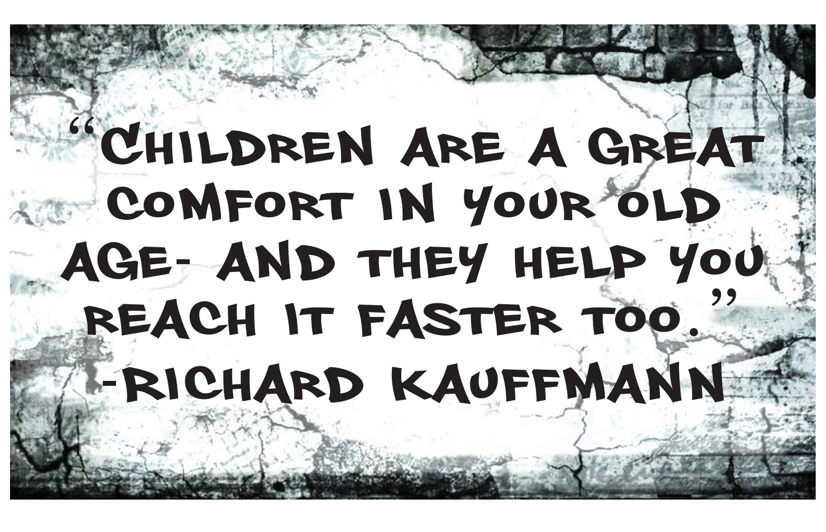

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

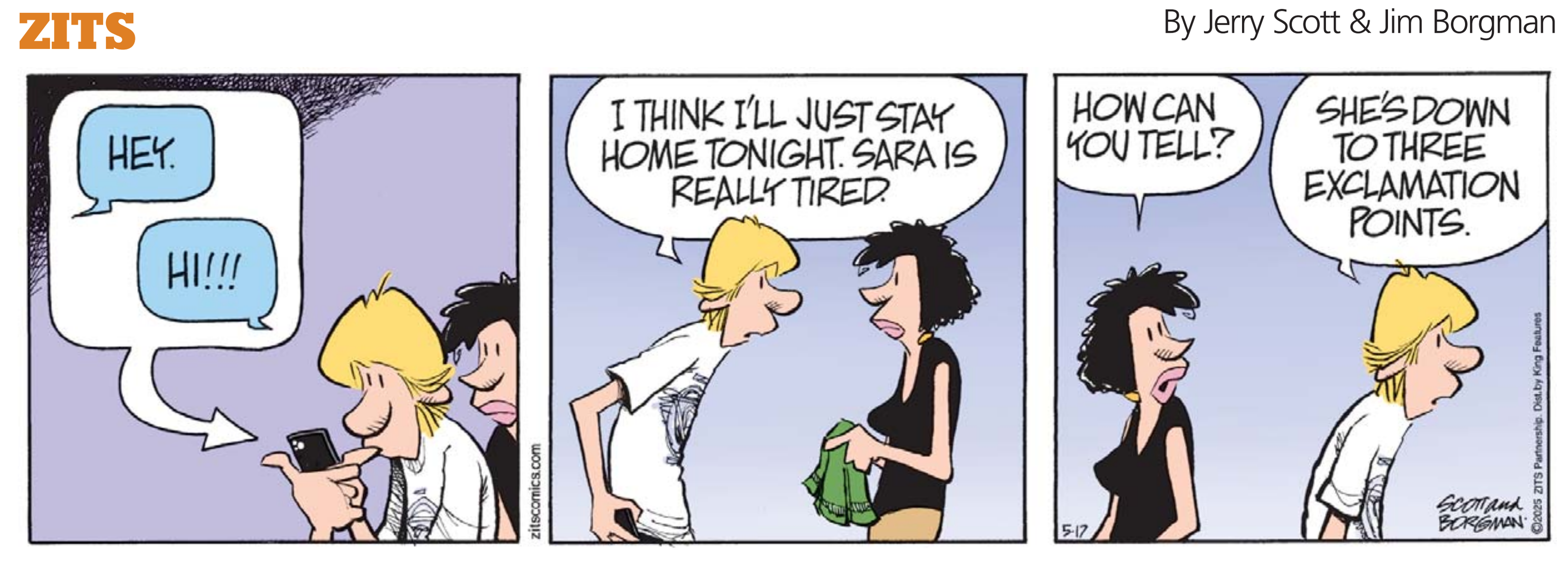

''रास्ता खोलो'' अभियान के तहत डाबरा कलां में 25 साल से बंद रास्ता खुला

उपखंड प्रशासन ने आसपास के काश्तकारों से संवाद कर रास्ते को खुलवाने की पहल की

दौसा/जयपुर। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण अंचल में शुरु किया गया ''रास्ता खोलो'' अभियान दौसा जिले के ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हुआ है। इसके तहत सालों से बंद पड़े रास्ते खुलने से आमजन की राह आसान हुई है और आपसी विवादों का समाधान होने से सौहार्द का माहौल बना है। अभियान के दौरान जिले में 125 रास्तों को अतिक्रमण मुक्त कर खुलवाने से जिलेवासियों को बड़ी राहत मिली है।

डाबर कलां में 25 साल से बंद राह खुली :-अभियान में रामगढ़ पचवारा पंचायत समिति की निजामपुर ग्राम पंचायत में डाबरा कलां गांव में 25 साल से बंद रास्ते को अतिक्रमण से मुक्त करवाकर खुलवाया गया। सलेमपुरा-राणौली मुख्य सड़क से ग्राम पंचायत निजामपुरा के डाबर कलां गांव को जोड़ने वाला यह रास्ता 25 साल से अतिक्रमण के कारण बंद था। रास्ते की इस रुकावट की वजह से लोगों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस रास्ते को लेकर दोनों तरफ़ से काश्तकारों का विरोध था, जिससे यह रास्ता बंद पड़ा था।

''रास्ता खोलो'' अभियान के अंतर्गत खोले गए रास्तों पर ग्रेवल रोड का निर्माण करवाया जा रहा है।

प्रशासन ने दो-तीन बार पहले भी इसे खुलवाने का प्रयास किया था लेकिन कामयाबी नहीं मिली थी। उपखंड प्रशासन ने आसपास के काश्तकारों से संवाद कर इस रास्ते को खुलवाने की सकारात्मक पहल की। राजस्व टीम ने गांव वालों के सहयोग से पुलिस को साथ लेकर 26 जून को सवा किलोमीटर लंबे इस रास्ते को अतिक्रमण से मुक्त करवाया। इससे अब ग्रामीणों की आवाजाही सुगम हो सकेगी, स्कूली बच्चों के लिए आने-जाने में दिक्कत नहीं होगी और

- **अभियान के दौरान जिले में 125 रास्तों को अतिक्रमण मुक्त कर खुलवाने से जिलेवासियों को राहत मिली**

काश्तकार जरूरी साधन एवं कृषि यंत्र लाने-ले जाने का काम आसानी से कर सकेंगे। ग्रामीणों ने 25 साल से चल रही इस समस्या का हल होने पर खुशी जाहिर की और इस अभियान के माध्यम से किए जा रहे पुनीत कार्यों के लिए राज्य सरकार की सराहना की।

इस अभियान के माध्यम से अतिक्रमण की वजह से सालों से बंद रास्तों को खोलकर लोगों की राह को सुगम बनाया गया है। अभियान से पूर्व ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों पर अतिक्रमण के 186 प्रकरण दर्ज थे, जिनमें से 125 रास्तों को अभियान में अतिक्रमण मुक्त करवा दिया गया है। ''रास्ता खोलो'' अभियान के अंतर्गत खोले गए इन रास्तों पर ग्रेवल रोड निर्माण करवाया जा रहा है।

शेरसिंह हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। कांकरोली थाना पुलिस ने 24 जून को हुई शेरसिंह हत्या के मुख्य आरोपी रामसिंह को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इस गिरफ्तारी के साथ ही 24 जून को हुई इस वारदात के कारणों का खुलासा हो जाएगा।

एसपी मनीष त्रिपाटी ने बताया कि

- **मामले में पुलिस ने पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था**
- **पुलिस टीमों ने राजसमंद, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ जिलों में 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जाँच की और संदिग्धों से पूछताछ की**

एएसपी महेन्द्र पारीक व सीईओ विवेकसिंह राव के निर्देशन में सीआई कांकरोली हंसाराम के नेतृत्व में गठित टीमों के प्रयास से हत्याकाण्ड के मुख्य आरोपी रामसिंह की तलाश तेज कर दी थी। पुलिस टीम ने राजसमंद, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ जिलों में 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जाँच की और संदिग्धों से पूछताछ की। तकनीकी सहायता और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने रामसिंह को सिरोही जिले के माउंट आबू से पकड़ा है। आबू पर्वत पुलिस थाना की सहायता से रामसिंह पिता हरिसिंह (32) निवासी गोदेला, थाना घासा जिला उदयपुर को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी से घटना के संबंध में गहन

शेरसिंह की हत्या करने के आरोप में कांकरोली थाना पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया।

पूछताछ जारी है। पुलिस मंगलवार को रामसिंह को न्यायालय में पेश कर रिमाण्ड मांगेगी।

कांकरोली सीआई हंसाराम सीरवी ने बताया कि प्रार्थी खेमसिंह राजपूत द्वाराथाने में दी गई रिपोर्ट में बताया कि 24 जून को उसका भतीजा शेरसिंह पुत्र जोधसिंह (35) निवासी खाखरमाला, सुबह करीब दस बजे बैग में कपड़े लेकर बाडमेर के लिए निकला था। रास्ते में कांकरोली-भीलवाड़ा फोरलेन स्थित प्रतापपुरा पुलिया पर उनकी मोटरसाइकिल को कार से टक्कर मारकर गिरा दिया। इसके बाद अज्ञात ईको स्पोर्ट्स कार में सवार अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर उनकी हत्या कर दी और नाथद्वारा होते हुए मावली-चित्तौड़गढ़ की तरफ भाग गए।

प्रार्थी ने उचित कार्रवाई की मांग की। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज करते हुए अनुसंधान प्रारंभ किया गया। घटना को गंभीरता से लेते हुए जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेन्द्र पारीक के निर्देशन एवं वृताधिकारी विवेक सिंह के निकटतम पर्यवेक्षण में तथा थानाधिकारी कांकरोली हंसराम सिरवी के नेतृत्व में वारदात के खुलासे एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया था।

टीम की जांच में सामने आया कि हत्याकाण्ड के मास्टर माइण्ड रामसिंह पुत्र हरिसिंह, निवासी गोदेला थाना घासा, जिला उदयपुर ने अपने दो मित्र शौकिन कुमार (32) पुत्र रामलाल भील एवं दुर्गाप्रसाद पिता राधेश्याम मेघवाल निवासी कारूण्डा थाना छोटी सादडी जिला प्रतापगढ़ के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद पुलिस ने 26 जून को मामले में शामिल दो आरोपी शौकिन कुमार (32) पुत्र रामलाल भील एवं दुर्गाप्रसाद पिता राधेश्याम मेघवाल को गिरफ्तार कर लिया जो फिलहाल पुलिस रिमाण्ड पर चल रहें है। इसी बीच रामसिंह भी पुलिस के हाथ लग गया।

महात्मा गांधी स्कूल और सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में टीचर्स की पोस्टिंग

बीकानेर, (निसं)। राज्य के 3737 महात्मा गांधी स्कूल और प्रदेश के अन्य सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को अब रिक्त पदों से जूझना नहीं पड़ेगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सोमवार को इन स्कूलों में 11576 टीचर्स की पोस्टिंग कर दी है। पिछले दिनों जिन टीचर्स ने महात्मा गांधी स्कूल में जाने की इच्छा जताई थी, उनका चयन करके अब पोस्टिंग दी गई है। इसमें सामान्य टीचर, सब्जेक्ट टीचर, लेक्चरर और प्रिंसिपल के पदों पर पोस्टिंग की गई है।

जानकारी के अनुसार 25 अगस्त 2024 को आयोजित लिखित परीक्षा के रिजल्ट के आधार पर प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों में कार्यरत टीचर्स को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पोस्टिंग दी गई है। अब इन टीचर्स को प्रदेशभर में कहीं भी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में ही पोस्टिंग दी जा सकती है। अलग कैडर तैयार होने से अब इन टीचर्स का हिन्दी माध्यम स्कूलों में ट्रांसफर नहीं होगा। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में राजस्थान

- **माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सामान्य टीचर, सब्जेक्ट टीचर, लेक्चरर और प्रिंसिपल के 11576 टीचर्स को पोस्टिंग दी**

सिविल सेवा (अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में कार्मिकों की नियुक्ति के लिए विशेष चयन और सेवा की शर्तें) नियम 2023 के तहत ये पोस्टिंग की गई है। अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई करने के बाद सरकारी टीचर बनने वाले टीचर्स की लिखित परीक्षा ली गई थी। रिजल्ट पहले ही घोषित कर दिया गया था लेकिन पोस्टिंग अब हो रही है। चयनित टीचर्स से ऑनलाइन विकल्प भरवाया गया था, जिसके आधार पर उपलब्ध सीटों पर पोस्टिंग दी गई है। इन टीचर्स का फिलहाल एक साल के लिए चयन किया गया है। अगर एक साल में इनका रिजल्ट सही नहीं रहता है और किसी अनुचित प्रक्रिया में लिप्त पाए जाते हैं तो इन्हें अंग्रेजी माध्यम स्कूलों से वापस कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। कार्यकाल एक-एक वर्ष के लिए ही बढ़ाया जाएगा। कार्य संतोषजनक नहीं होने पर अगले वर्ष कार्यकाल नहीं बढ़ाया जाएगा।

प्रदेशभर में ग्रेड थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर नहीं हो रहे हैं। महात्मा गांधी स्कूलों में चयन के बाद कई टीचर्स को बिना ट्रांसफर ही गृह जिला मिल गया है। अगर बीकानेर का कोई टीचर चित्तौड़गढ़ में कार्यरत है और उसने वहां महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में चयन के लिए एग्जाम क्लियर किया है तो उसका अब पदस्थापन उसके गृह जिले में भी हो सकता है। टीचर्स से इसीलिए पोस्टिंग से पहले विकल्प भरवाए गए थे। टीचर लेवल वन और लेवल टू के टीचर्स को सबसे ज्यादा गृह जिले मिले हैं।

डोडा-पोस्त तस्करी का मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

मध्य प्रदेश के नीमच जिले से गिरफ्तार किया

हनुमानगढ़, (निसं)। रावतसर और सदर थाना पुलिस ने एनडीपीएस मामले में सप्लायर पकड़ने में सफलता हासिल की है। सदर पुलिस ने डोडा-पोस्त तस्करी के एक बड़े मामले में मध्य प्रदेश के नीमच जिले से मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गोविंद सिंह (60) के रूप में हुई है। वह धनेरिया खुर्द गांव का रहने वाला है।

जानकारी के अनुसार यह मामला 24 जून 2025 को सामने आया था। पुलिस ने लखूवाली चौकी के पास नाकाबंदी के दौरान गणेशाराम, पंकज, मनीष बिश्नोई और संदीप को 53 किलो 376 ग्राम डोडा-पोस्त के साथ पकड़ा था। आरोपियों के पास से एक स्कॉर्पियो और स्विफ्ट डिजायर कार भी जब्त की गई थी। थानाधिकारी अजय कुमार के नेतृत्व में कॉन्स्टेबल सरजीत, महमूद अली और महेंद्र कुमार की टीम ने यह कार्रवाई की। पीलीबंगा पुलिस ने 25 जून को एक अलग मामले में भीमसेन और नरेश कुमार उर्फ पीकू को 16 किलोग्राम डोडा-पोस्त के साथ गिरफ्तार किया था।

इसके बाद जांच रावतसर थानाधिकारी रामचंद्र कसवां को सौंपी गई थी। रावतसर पुलिस की पूछताछ में पता चला कि नरेश कुमार ने यह माल रमन बिहारी नामक व्यक्ति से खरीदा था। रावतसर पुलिस ने रमन बिहारी पुत्र भवानी लाल निवासी कवरपुरा जिला कोटा को भी अब गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब अन्य संलिप्त व्यक्तियों की तलाश में जुटी है। सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है।

ताजियों के जुलूस मार्ग को लेकर विवाद

आम मुस्लिम समाज ने जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के उपनगर सांगानेर में मोहर्रम के दौरान निकाले जाने वाले ताजियों के जुलूस मार्ग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है, आम मुस्लिम समाज ने जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

जिला कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में समाज की ओर से बताया गया है कि आगामी दिनों में मोहर्रम पर्व को लेकर ताजियों का जुलूस निकाला जाना है। हर वर्ष की भांति जिस मार्ग से यह जुलूस निकाला जाता है, सीओ सदर श्याम सुंदर और सांगानेर चौकी प्रभारी द्वारा दबाव बनाकर उसे बदलने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि पूर्व में निर्धारित मार्ग पर किसी तरह की कोई आपत्ति किसी को नहीं है और वर्ष 2000 में ही मार्ग को लेकर दोनों पक्षों में परम्परागत मार्ग को लेकर लिखित समझौता भी हुआ है। उसके बावजूद सीओ सदर श्याम सिंह द्वारा जबरन विवाद की स्थिति पैदा की जा रही है।

स्थानीय लोगों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि जबरन मार्ग को बदलने के लिए सांगानेर चौकी प्रभारी भैरू सिंह द्वारा दबाव बनाया जा रहा है। ऐसे में आम मुस्लिम समाज ने जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप परम्परागत मार्ग को यथावत रखने की मांग की गई है।

ए.ओ. ने विद्यालय में जाकर खुद को आग लगाई, गंभीर हालत में अजमेर रैफर

मकराना, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मकराना के एओ ने सोमवार सुबह विद्यालय में जाकर खुद को आग लगा ली। एओ की गंभीर हालत देखते हुए इलाज के लिए हायर सेंटर अजमेर रैफर कर दिया। सूचना मिलने पर मकराना थाने के एएसआई अस्पताल पहुंचे और घायल का पर्चा बयान लिया।

जानकारी के अनुसार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मकराना के एओ ने विद्यालय में जाकर खुद को आग लगा ली। विद्यालय में साफ-सफाई का काम कर रही महिला ने देखा तो चिल्लाकर भागते हुए बाहर आई और आसपास के लोगों को बुलाया, जिसके बाद लोगों ने बाबू को बाइक पर पास में ही मौजूद राजकीय उपजिला स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ. जावेद आलम ने उसे प्राथमिक उपचार देकर गंभीर हालत देखते हुए इलाज के लिए हायर सेंटर अजमेर रैफर कर दिया। सूचना मिलने पर मकराना थाने के

मकराना थाना पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर घायल का पर्चा बयान लिया।

एएसआई अयूब खां भी अस्पताल पहुंच गए और घायल का पर्चा बयान लिया।

इस दौरान बाबू के परिजन भी अस्पताल आ गए। जानकारी अनुसार विद्यालय में एओ के पद पर कार्यरत रामअवतार (58) पुत्र श्रीकिशन शर्मा मानसिक रूप से तनाव में थे। सुबह करीब 8 से 8:30 बजे विद्यालय पहुंचा। रामअवतार अपने साथ एक प्लास्टिक की बोतल में पेट्रोल लेकर गया था। विद्यालय में उन्होंने खुद पर

- **ए.ओ. रामअवतार अपने साथ एक प्लास्टिक की बोतल में पेट्रोल लेकर गया था, विद्यालय में खुद पर पेट्रोल डाला और आग लगा ली**
- **विद्यालय में एओ के पद पर कार्यरत रामअवतार (58) पुत्र श्रीकिशन शर्मा मानसिक रूप से तनाव में थे**

पेट्रोल डाला और आग लगा ली। इस दौरान वहां साफ सफाई कर रही महिल कर्मी ने देखा तो चिल्लाते हुए बाहर भागी और लोगों को बताया, जिस पर लोग तुरंत विद्यालय मे दौड़कर आये और आग बुझाने का प्रयास किया।

मूलभूत समस्याओं को लेकर प्रदर्शन

झुंझुनूं, (निसं)। नगर परिषद कार्यालय पर सोमवार को डीवाईएफआई के कार्यकर्ताओं ने शहर की मूलभूत समस्याओं को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद भवन में प्रवेश करने की कोशिश की, जिसे रोकने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच जमकर तकरार भी हुई, लेकिन बाद में समझाइश से कार्यकर्ता शांत हुए और नगर परिषद के दरवाजे के सामने ही धरने पर बैठकर नारेबाजी करने लगे।

इस प्रदर्शन को लेकर पूर्व में ही डीवाईएफआई ने घोषणा कर रखी थी। इसलिए नगर परिषद में पहले से पुलिस तैनात थी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए आए और सीधा ही कार्यालय में प्रवेश करने की कोशिश की, जिसको पुलिस ने रोका और तकरार हुई। इसके बाद धरना दिया गया और कुछ देर बाद प्रदर्शनकारियों से मिलने के लिए आयुक्त दलीप पूनियां बाहर आए और डीवाईएफआई का ज्ञापन लेते हुए समस्याओं के समाधान पर चर्चा की। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने बताया

- **नगर परिषद के अंदर घुसने को लेकर डीवाईएफआई के कार्यकर्ताओं की पुलिस से तकरार हुई, आयुक्त ने बाहर आकर समस्याएं सुनीं**

कि झुंझुनूं शहर में वार्ड 57, 58, 59 व 60 सहित अन्य वार्डों में सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। कई क्षेत्रों में जल निकासी की सुविधा नहीं है और अधिकांश वार्डों में स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं। जिससे रात को अंधेरा पसरा रहता है। डीवाईएफआई के पदाधिकारियों ने नगर परिषद आयुक्त को छह सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। इनमें नियमित कचरा संग्रहण, जल निकासी की व्यवस्था सुधारना, सभी वार्डों में स्ट्रीट लाइटें चालू कराना, टूटी सड़कों की मरम्मत, बेसहारा पशुओं को नंदीशाला में भिजवाने मांग की गई है। नगर परिषद आयुक्त ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और सात दिवस के भीतर समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कार्रवाई की जाएगी। डीवाईएफआई कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि तय समय सीमा में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे उग्र आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे।

इस मौके पर जिला महासचिव योगेश कटारिया, जुनैद कुरैशी, नगर महासचिव सोहेल बहलीवान, माकपा नेता महिपाल पूनियां, एसएफआई प्रदेश उपाध्यक्ष अनीश धायल, नौजवान सभा तहसील अध्यक्ष अजहरुद्दीन गहलोत, तहसील उपाध्यक्ष छात्रसंघ महासचिव साहिल कुरैशी, तौफिक खोखर, नौजवान एसएफआई तहसील महासचिव अमित शेखावत, साबिर हीरा, जुनैद कुरैशी, अजाज अहमद, यासिर सिलावट, समीर सिलावट, शाहिद कुरैशी, नयूम सय्यद, मुनान सय्यद, साहिर कुरैशी, असरफ, अमीन, अनस, फरियाद, मोईन, अंसारी, समीर, शाहिद, रेहान, तौफीक, शौकत, सफी, समी, विष्णु सैनी सहित सैंकड़ों महिला व पुरुष मौजूद मौजूद रहे।

ड्यूटी के दौरान कॉन्स्टेबल फिसलकर गिरा, मौत

बीकानेर, (निसं)। यहां नापासर थाने में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। सुबह ड्यूटी के दौरान अचानक फिसलकर गिरने से घायल हुए कॉन्स्टेबल गंगाधर कड़वासरा (33) की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। कॉन्स्टेबल की मौत से थाने में शोक की लहर है।

जानकारी के अनुसार नापासर थाने में ड्यूटी के दौरान कॉन्स्टेबल गंगाधर शौचालय के पास अचानक गिर पड़े। थानाधिकारी लक्ष्मण सुथार और साथी तुरंत उन्हें नापासर अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर उन्हें बीकानेर ट्रोमा सेंटर और फिर जयपुर रेफर किया गया, जहां सोमवार सुबह एक बजे उनका निधन हो गया। सीकर जिले की लक्ष्मणगढ़ तहसील के भावजी की ढाणी निवासी गंगाधर पिछले तीन वर्ष से नापासर थाने में तैनात थे। परिवार के

- **कॉन्स्टेबल की हालत गंभीर होने पर बीकानेर ट्रोमा सेंटर और फिर जयपुर रेफर किया था, जहां उनकी मौत हो गई**

साथ नापासर में रहने वाले गंगाधर को इसी 26 जनवरी को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया था। थानाधिकारी के अनुसार वे बेहद जिम्मेदार और संवेदनशील सिपाही थे। गंगाधर के पार्थिव शरीर को जयपुर से उनके पैतृक गांव ले जाया जाएगा, जहां साथी पुलिसकर्मी गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम विदाई देंगे। थाने के सभी जवान एक साथी के अचानक चले जाने से दुखी हैं।

बदमाश ने नकदी से भरा बैग लूटा

उदयपुर, (निसं)। शहर के नाई थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाश पीड़ित का नकदी से भरा बैग लूट ले गए। वहीं दूसरी वारदात में बदमाश मारपीट कर पर्स व मोबाइल छीन ले गए।

प्रकरण के अनुसार 29 जून को पीड़ित सुरेन्द्र पुत्र श्रीलाल मीणा निवासी पाटिया पडूणा टीडी हाल नयाखेड़ा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि घर से बाइक लेकर नया खेड़ा कमरे पर जा रहा था। बीच रासते कब्रिस्तान के समीप आए बाइक सवार तीन बदमाशों ने रोका, इसी दौरान स्कूटी सवार तीन बदमाश आए तथा मेरे साथ मारपीट कर नकदी से भरा बैग लूट ले गए। बैग में 50 हजार रूपये नकदी, एटीएम, मोबाइल था। चिल्लाने पर बचाव में मित्र नया खेड़ा निवासी नारायण के आने तक बदमाश फरार हो गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

मोहर्रम : दरगाह में बाबा फरीद का चिल्ला खुला

अजमेर, (कासं)। मोहर्रम यानी मिनी उर्स पर ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह स्थित हजरत बाबा फरीद का चिल्ला सोमवार अल सुबह खोला गया। चिल्ले की जियारत के लिए जायरीन की भीड़ उमड़ पड़ी। मोहर्रम के धार्मिक रस्मों में शामिल होने के लिए देश भर से जायरीन की आवक बनी हुई है। मालूम हो कि हजरत बाबा फरीद गंज ए शकर का मजार पाक पट्टन में है। बाबा फरीद ने दरगाह में मौजूद चिल्ले वाले स्थान पर इबादत की थी। इसके चलते जायरीन इसकी जियारत करते हैं।

दरगाह के खादिम प्रतिनिधि ने बताया कि मोहर्रम की चार तारीख यानी सोमवार अलसुबह 4:30 बजे हजरत बाबा फरीद गंज ए शकर का चिल्ला आम जायरीन के लिए खोल दिया गया। प्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों से आए जायरीन ने चिल्ले की जियारत की। मोहर्रम के अवसर पर बाबा फरीद का चिल्ला 72 घंटे के लिए खोला गया है। मालूम हो कि हजरत बाबा फरीद गंज ए शकर का मजार पाक पट्टन में है। बाबा फरीद ने दरगाह में मौजूद चिल्ले वाले स्थान पर इबादत की थी। इसके लिए जायरीन इसकी जियारत करते हैं। मोहर्रम की रस्मों में शामिल होने के लिए देश भर से जायरीन का अजमेर आने का सिलसिला बना हुआ है।

दरगाह और विश्राम स्थली पर भीड़ :-मोहर्रम पर जायरीन की आवक से कायड़ विश्राम स्थली और दरगाह क्षेत्र में रौनक बनी हुई है। देश के विभिन्न राज्यों यूपी, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों से आम जायरीन अजमेर पहुंच रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा दरगाह में जायरीन सुविधाओं व सुरक्षा को लेकर माकूल इंतजाम किए गए हैं।

आवेदन फॉर्म विड्रो प्रक्रिया शुरू

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से निकाली गई सीनियर टीचर (माध्यमिक शिक्षा विभाग) भर्ती-2024 में बिना योग्यता आवेदन करने वाले अभ्यर्थी आवेदन फॉर्म विड्रो कर सकेंगे। साथ ही आवेदन फॉर्म में करक्शन भी कर सकते हैं, इसके लिए सोमवार से प्रक्रिश शुरू हो गई है। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि सीनियर टीचर भर्ती 2024 के पदों के लिए आए आवेदनों की जब जांच की तो पाया कि बीएड नहीं होने के बावजूद भी 53 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने आवेदन फॉर्म भर दिए। आयोग ने ऐसे अपात्र अभ्यर्थियों की 1673 पेज की सूची वेबसाइट पर भी अपलोड की है। सीनियर टीचर पद की भर्ती परीक्षा के लिए कुल 11 लाख 87 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। जांच में यह सामने आया है कि 53501 अभ्यर्थियों ने विभिन्न विषयों के पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता नहीं होने के बावजूद भी आवेदन भरे है।

14 वर्ष से फरार आरोपी राजमोहन मीना गिरफ्तार

20 हजार का इनामी था आरोपी

बौंली-बामनवास, (निसं)। भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के आदेशानुसार एंव सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन व मार्गदर्शन में सवाई माधोपुर सेल की सूचना पर बामनवास थाने में दर्ज प्रकरण में 14 वर्ष से फरार चल रहे 20 हजार के इनामी वांछित आरोपी राजमोहन मीना निवासी बिचली पट्टी बामनवास को सिवाना, बालोतरा से गिरफ्तार किया गया है।

प्रकरण में 26 जून को साइबर सेल सवाई माधोपुर को तकनीकी विश्लेषण एवं मुखबीर सूचना के द्वारा वांछित आरोपी की सिवाना, बालोतरा में होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसपी ममता गुप्ता ने डीएसटी टीम गंगापुर सिटी, सर्किल इंस्पेक्टर बामनवास राकेश शर्मा, सहायक पुलिस निरीक्षक वीर सिंह, हैड कांस्टेबल महेंद्र सिंह, कांस्टेबल पंकज, ओमप्रकाश एंव राजकुमार सिंह की विशेष टीम तैयार कर आरोपी की तलाश की गई। इस पर सवाई माधोपुर से सीवाना, बालोतरा की दूरी अधिक होने के कारण टीम के पहुंचने से पहले ही आरोपी के स्थान बदलते रहने के कारण थाना प्रभारी सिवाना बालोतरा को आरोपी का सटीक पता फोटो व वाहन संबंधी जानकारी साझा की गई, जिसके बाद विशेष टीम ने करवाई करते हुऐ आरोपी राजमोहन मीना को डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया।

पावटा में विभिन्न सेवा कार्य किए

पावटा। भारत सरकार के केंद्रीय वन,पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेंद्र यादव के जन्मदिवस के अवसर पर पावटा क्षेत्र में विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। सेवा कार्यों के तहत उपजिला अस्पताल पावटा में भर्ती मरीजों को फल वितरित कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। वहीं, पंचायत स्तर पर गौमाताओं के लिए सवामणी का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया और बंदरों को केले खिलाकर जनसेवा की भावना को साकार किया गया। इन सभी सेवा कार्यों के माध्यम से क्षेत्रवासियों ने भूपेंद्र यादव की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सफल राजनीतिक जीवन की मंगलकामना की। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा, सहानुभूति और स्वच्छता जैसे मूल्यों को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर बीज निगम डायरेक्टर जगदीश यादव, सरपंच मदन यादव, ब्लॉक बीसीएमएचओ डॉ. कृष्णा शेखावत, पीएमओ डॉ. रवि बंसल, डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. सुरेंद्र यादव, उपेंद्र शेखावत, कोऑपरेटिव अध्यक्ष राजेंद्र यादव, रामकिशन, नरसी, बलराम सहित अनेक कार्यकर्ताओ एवं क्षेत्रवासियो ने एकजुट होकर भूपेंद्र यादव जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

सूचना श्री मुकेश पारीक पुत्र स्व. श्री दामोदर पारीक, श्री राजेन्द्र शर्मा पुत्र स्व. श्री नानगराम शर्मा, श्री सोनू राव पुत्र स्व. श्री दुर्गालाल को जारी आरोप पत्र दिनांक 05 अक्टूबर 2024 में मुझे राजस्थान गौ सेवा संघ द्वारा जाँच अधिकारी नियुक्त किया गया है।
आप दिनांक 12 जुलाई 2025 को दोपहर 12.00 बजे निम्न पते पर उपस्थित होवें, यदि आप उपस्थित नहीं हुये तो आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।
पता-धर्मेन्द्र जैन, जाँच अधिकारी, सिद्धान्त एसोसियेट, अकुल चेम्बर, द्वितीय तल, जे.पी. अण्डरपास के सामने, होटल सरोवर प्रिमियर के पास, सहकार मार्ग, जयपुर

खोया पाया

मेरे मकान नम्बर 183/69 प्रताप नगर, सांगानेर का अलाटमेंट लेटर एवं सभी कागजात कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें-हरीश-9828794209

मेरे प्लाट नम्बर एल-54, स्कीम-शिव एनक्लेव, ग्राम गणपतपुरा, तहसील सांगानेर, जयपुर का मूल आवंटन सह मांग पत्र क्रमांक 254 दिनांक 03.03.2020 ईस्वी को मेरे नाम (निधि यादव पत्नी श्री विनीत कुमार) कार्यालय जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर द्वारा जारी कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सूचित सम्पर्क। निधि यादव-मो. नम्बर-8503923341

नाम परिवर्तन

I have changed my name from Prakash maharchandani to Prakash Kumar maharchandani S/o Thakur Das Maharchandani R/o 19, Kanwar Nagar, Chandi Ke Takasal, Jaipur. For all purpose.

I have changed name of my daughter Yogyata Kumari to Yogita Kumari for all future. Address. Kesharpura, Post Teekar, Teh.: Jahazpur, Distt. Bhilwara, Rajasthan

I Ghyan Kanwar legally wedded spouse of Army no 4548345 Ex NK Late Hukam singh resident of 32 A Devi nagar vistar Rawan gate jhotwara jaipur that i have changed my name which is wrongly entered in my husband service record from GHYAN KANWAR To GEND KANWAR (DOB 1/1/1965) vide affidavit dated 30 June 2025 before asst district collector Jaipur

In The Court of VIII Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur
Presiding Officer : अंकिता शाही
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS B/0000063/2023)
मेसर्स बून लीगल प्लेट्स...वादी
VS
मेसर्स गोदावरी टेक्नो साल्यूसन प्राईवेट लिमि....प्रतिवादी
Process Id - /2025 पेशी दिनांक : 05.08.2025
प्रेषिती-
(1) मेसर्स गोदावरी टेक्नो साल्यूसन प्राईवेट लिमिटेड पता-पता सी 2 सेकेण्ड फ्लोर वैशाली नगर वैशाली नगर जयपुर 302021 यह कि प्रार्थी मेसर्स बून लीगल प्लेट्स ने आपके विरूद्ध आर सी एस बी वाद वास्ते राशि 635496 रूपये की वसूली हेतु के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें यह आज तारीख 19.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
मुहर
न्यायाधीश
श्रीमती अंकिता शाही
अष्टम व्यवहार न्यायाधीश (वरिष्ठ खण्ड)
जबलपुर (म.प्र.)

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मेडिकल स्टोर्स पर प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री न हो : प्रियंका गोस्वामी

कोटपुतली जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने अधिकारियों की बैठक ली ।

- जिले में नशा मुक्ति के लिये समुचित रूप से प्रभावी कार्यवाही करने और नशा मुक्त अभियान में आमजन की सहभागिता और जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिये

कोटपूतली। नार्को कोर्डिनेशन सेंटर (एन-कोर्ड) की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में हुई। जिला कलक्टर ने सीमावर्ती क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के साथ-साथ जिले में नशा मुक्ति के लिये समुचित रूप से प्रभावी कार्यवाही करने और नशा मुक्त अभियान में आमजन की सहभागिता और जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिये।

जिला कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग व पुलिस विभाग के अधिकारी को जिले में संचालित नशा मुक्ति केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा। उन्होंने शिक्षा विभाग को कर्य योजना बनाकर एक निश्चित दिन पर शैक्षणिक संस्थाओं में विद्यार्थियों को विभिन्न माध्यमों से नशे के दुष्प्रभावों व रोकथाम के बारे बारे में जागरूक करने को कहा जिला कलेक्टर ने मेडिकल स्टोर्स पर पर्याप्त निगरानी रखने, मेडिकल स्टोर्स पर सीसीटीवी कैमरे लगे होने, बिना पर्ची दवा देने, बैन दवाओं के रखने की व नियमित दवा भंडार की जांच व समीक्षा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सीएमएचओ से जिले में ड्रग इंस्पेक्टर की नियुक्ति हेतु उच्चाधिकारियों को अवगत कराने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि कार्ययोजना बनाकर जिले के मेडिकल स्टोर्स की जांच करें, अनियमितता पाये जाने पर मेडिकल स्टोर्स के लाईसेंस निरस्त कर कार्यवाही की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि मेडिकल स्टोर्स पर प्रतिबंधित घटक दवाओं की बिक्री न हो, इसके लिये ड्रग इंस्पेक्टर व चिकित्सा विभाग द्वारा समन्वित टीम बनाकर नियमित रूप से औचक कार्यवाही की जाये। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि नशा मुक्त अभियान की सफलता के लिये आमजन की जागरूकता और उनकी सहभागिता आवश्यक है, संबंधित राजस्व, आबकारी, समाज कल्याण, शिक्षा, आयकर और पुलिस विभाग सक्रिय होकर कार्य करें। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा ने सीमावर्ती क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण के लिये अब तक हुई कार्यवाहियों की समीक्षा करते हुए कहा कि समस्त एजेंसियां आपसी तालमेल से तस्करी पर रोक लगायें। सीमा पार से आने वाले नशीले पदार्थों और इनमें संलिप्त अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये।

ग्रामीणों को लाभान्वित किया

निवाई। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे के अन्तर्गत आयोजित शिविर में उपखंड अधिकारी अनीता खटीक के आदेशानुसार शिविर प्रभारी नायब तहसीलदार जीवनराम शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

ग्राम विकास अधिकारी लादूलाल बैरवा ने बताया कि शिविर में परिवादी भागचन्द सौनी पुत्र रामेश्वर सोनी निवासी दतवास ने उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जिसमे बताया कि उनका नाम राजस्व रिकॉर्ड में चन्द्रा पुत्र रामेश्वर नाम दर्ज है। जबकि उनका सही नाम भागचन्द पुत्र रामेश्वर सोनी है एवं आधार कॉर्ड व पैन कॉर्ड आदि सभी दस्तावेजो में भी भागचन्द पुत्र रामेश्वर ही है।

शिविर में प्रार्थी के प्रार्थना पत्र की जाँच करके प्रार्थी का नाम सही रूप से भागचन्द पुत्र रामेश्वर सोनी करके राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करके प्रार्थी को लाभान्वित किया गया।

विधायक धनकड़ के जन्मदिवस पर गौ माता को हरा चारा खिलाया

पंचायत मंढा में रामदेवरा गौ शाला में गौ माता को हरा चार खिलाया।

पावटा। विधायक धनकड़ के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सेवा सप्ताह के तहत रविवार को विधायक प्रतिनिधि आशीष धनकड के नेतृत्व मे भाजपाइयों द्वारा ग्राम पंचायत मंढा में रामदेवरा गौ शाला में गौ माता को हरा चारा व गुड डाला व गौ माता की सडक हादसों के सुरक्षार्थ गले में रेडियम पट्टे बांधे गए। जहां विधायक प्रतिनिधि आशीष धनकड ने पहुंचकर वहां के गौवंशों को हरा चारा व गुड एवं खिलाया। इस दौरान उन्होंने गौ माता का पूजन कर आशीर्वाद भी लिया। वही आशीष धनकड ने कहा कि सडक पर बैठने व घुमने वाले गायों के गले में रिफलेक्टर पट्टी (रेडियम बेल्ट) बांधने से गायों व आमजन की सुरक्षा के लिए एक सार्थक प्रयास किया है। ऐसे प्रयास का साकारात्मक परिणाम यह रहता है कि रात के अंधेरे में सडक पर घुम रही या बैठी गाय भले नजर न आए लेकिन रिफलेक्टर पट्टी दूर से ही चमकने लगती है। जिससे वाहन चालक सतर्क हो जाते हैं।

वही सेवा सप्ताह कार्यक्रम के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भांकरी में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजन किया गया। पंचायत समिति सदस्य मुखराम धनखड़ ने बताया कि विधायक साहब के जन्मदिन के उपलक्ष पर पूरे विधानसभा में यह पौधारोपण कार्यक्रम और गौशाला में गायों को हरा चारा का कार्यक्रम एक सप्ताह से चल रहा है कल सभी देव स्थान पर पौधारोपण का कार्यक्रम रहेगा। इस दौरान आशीष धनखड विधायक प्रतिनिधि विराटनगर, प्रधान प्रतिनिधि टिंकू सैनी, विकास सिंह शेखावत मण्डल अध्यक्ष भाजपा प्रागपुरा, शेर सिंह मंढा, संजय मिश्रा, दिनेश सिंह, रणजीत ताखर, शिव स्वामी, अजय सिंह, संदीप सिंह, सचिन गुर्जर, राजा गुर्जर, महावीर वर्मा, छोटे लाल वर्मा, कृष्ण सिंह, सीनू सिंह, देव सिंह, विकास, अमित, विशाल, पूर्व प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, पूर्व सरपंच हेमन्त धनखड, प्रधानाचार्य शेर सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य शिम्भूदयाल गढ़वाल, मुरारीलाल शर्मा गुरुजी, विश्वंभर शर्मा गुरुजी, रामजीलाल धानका गुरुजी, बंशी धनखड होलदार, लीलाराम धनखड, कमलेश किशोर, धर्मराज गुर्जर अनेक ग्राम वासियों ने कार्यकर्ताओं ने और विद्यालय के स्टाफ ने विधायक कुलदीप धनखड की जन्मदिन के उपलक्ष पर पौधारोपण किया।

'सीएम भरतपुर से, फिर भी भरतपुर-धौलपुर के जाट समाज से सौतेला व्यवहार'

- डहरामोड पर जाट आरक्षण संघर्ष समिति के नेतृत्व में महापंचायत
- नागौर सांसद व भरतपुर सांसद महापंचायत में शामिल

नदबई। प्रदेश का मुखिया भरतपुर जिले से, प्रदेश में डबल इंजन की सरकार...लेकिन, फिर भी डीग भरतपुर-धौलपुर जाट समाज को केन्द्र में आरक्षण नहीं। डीग भरतपुर-धौलपुर के जाट समाज को केन्द्र में आरक्षण, समाज की एकजुटता के चलते नही मिल रहा। जिस दिन जाट समाज एकजुट होकर मजबूती से आन्दोलन करने का संकल्प लेगा। केन्द्र सरकार को मजबूरन डीग भरतपुर-धौलपुर के जाट समाज को आरक्षण देना होगा।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने आगरा-जयपुर राजमार्ग पर डहरामोड के समीप जाट आरक्षण संघर्ष समिति की ओर से आयोजित महापंचायत में शामिल होकर इस आन्दोलन का समर्थन किया। वही, आगामी लोकसभा सत्र में डीग भरतपुर धौलपुर जाट समाज को केन्द्र में आरक्षण की मांग को लेकर मुद्दा उठाने का आश्वासन दिया। इससे पहले महापंचायत में भरतपुर सांसद संजना जाटव ने भी प्रदेश में डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद, डीग भरतपुर धौलपुर जाट समाज को आरक्षण नही मिलने पर प्रदेश मुख्यमंत्री पर जमकर निशाना साधा। वही, लोकसभा में मामला उठाने के बावजूद, उचित जबाव नही मिलने पर नाराजगी जताई। बाद में भरतपुर सांसद ने आगामी सत्र में दुबारा मामला उठाने व जाट समाज के आन्दोलन में शामिल होने को कहा। बाद में जाट आरक्षण संघर्ष समिति संयोजक नेमसिंह फौजदार ने पांच सूत्रीय मांग को लेकर नदबई एसडीएम गंगाधर मीणा को ज्ञापन दिया। वही, जाट समाज के लोगों एक माह में आरक्षण की प्रक्रिया शुरु नही होने पर सडक पर आन्दोलन करने की चेतावनी दी।

इससे पहले जाट आरक्षण संघर्ष समिति पदाधिकारियों ने महापंचायत को संबोधित करते हुए, जाट समाज को एकजुट होने को कहा। बाद में प्रदेश सरकार से कमेटी गठित कर व्यक्तिगत पहल करने, प्रदेश सरकार से मुकदमा वापिसी, महाराजा सूरजमल बोर्ड गठन व चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति व केन्द्र सरकार से डीग भरतपुर धौलपुर जाट समाज को आरक्षण दिलाने की मांग करते हुए एसडीएम को ज्ञापन दिया। महापंचायत की अध्यक्षता मास्टर चन्द्रपाल वहज ने की। जबकि, पूर्व विधायक व यूपी जाट समाज प्रदेशाध्यक्ष राजेश चौधरी, मथुरा जिलाध्यक्ष राजेश चौधरी, किसान यूनियन चरन सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह, समाजसेवी हर्ष छिकारा, सुभाष सरपंच नगला बीजा, विजय सरपंच हनीपुर, धर्मेन्द्र सोलंकी, गोविन्द सिंह सरपंच दौलतगढ ने संबोधित किया।

शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

टोंक। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) टोंक का नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं स्नेह मिलन समारोह सोमवार को अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सिविल लाईन जयपुर विधायक गोपाल शर्मा रहे एवं निवाई-पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा की अध्यक्षता में समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान विशिष्ठ अतिथियों में जिला प्रमुख सरोज बंसल, भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान, प्रदेशाध्यक्ष जार संजय सैनी, मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राकेश शर्मा, प्रदेश महासचिव सुरेश पारीक, भंवर सिंह कुशवाहा, अशोक श्रीमाली एवं जसवंत इत्यादि रहे। इस अवसर पर विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता आज के समय किसी चुनौती से कम नही है।

80 से अधिक केंद्रों पर ईमित्र सुविधाएं

कोटपूतली। जिले में आधार नामांकन केंद्रों पर निगरानी और मॉनिटरिंग हेतु जिला स्तर पर गठित जिला आधार मॉनिटरिंग समिति की बैठक जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिला कलक्टर ने सभी रजिस्ट्रार (डाक विभाग, बैंक, सूचना प्रौद्योगिकी , महिला और बाल विकास, शिक्षा विभाग और सीएससी) को अपने आधार केंद्रों पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें की आधार संचालक ऑपरेटर आमजन से निर्धारित राशि ही लेकर सेवा प्रदान करें, अनियमितता या अधिक शुल्क वसूलने पर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाए और जहा पर आधार केंद्रों की कमी है वहा आधार ऑपरेटर नियुक्त कर केंद्र की स्थापना की जाए ताकि आमजन आधार से संबंधित कार्य नजदीकी केंद्र पर से करवा सकें एसीपी सूचना प्रौद्योगिकी विभाग सुनील मीणा ने बताया कि वर्तमान में आधार केंद्रों पर नए आधार कार्ड नामांकन और अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेशन निशुल्क है। उन्होंने बताया कि अनिवार्य बायोमेट्रिक हर 10 साल में करवाया जाना है।

राइजिंग राजस्थान के तहत किए गए एमओयू की क्रियान्विति को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

खैरथल । खैरथल तिजारा जिले के भिवाडी औद्योगिक क्षेत्र के रीको सभागार में सोमवार को जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में राइजिंग राजस्थान के तहत जिला स्तरीय इन्वेस्टर मीट के दौरान किए गए एमओयू की प्रगति की समीक्षा के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल प्रकाश, अतिरिक्त

- 558 में से 50 एमओयू धरातल पर उतरे, 17 एमओयू में प्रोडक्शन स्टार्ट, अब तक 36000 करोड़ रुपए का निवेश हुआ और लगभग एक लाख नए रोजगार सर्जित हुए हैं

खैरथल तिजारा जिले के भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र के रीको सभागार में कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई ।

जिला कलेक्टर सुमित्रा मिश्र, जीएमडीआईसी सुरजीत सिंह खोरिया, वरिष्ठ प्रबंधक रीको यूनिट दिलीप आदित्य शर्मा, नगर परिषद आयुक्त मुकेश कुमार, अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग जेपी बेरवा साहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर ने बैठक लेते हुए सभी विभागों को निर्देशित किया कि राईजिंग राजस्थान के अन्तर्गत किये एमओयू के तहत भूमि संबंधित प्रकरण, कनवर्जन, विद्युत आपूर्ति एवं एनओसी के कार्यों का प्राथमिकता से निस्तारण करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि निवेशक से बेहतर समन्वय करते हुए नियमानुसार कार्यवाही करें एवं समयबद्ध कार्य प्रारंभ करवाने के प्रयास करें। उन्होंने संबंधित विभाग से एमओयू की वन टू वन संपर्क कर कैटेगरी ए, बी, सी, माइल स्टोन - 1,2,3,4,5, और टास्क असाइन संबंधित अपडेट राजनिवेश पोर्टल पर करने के निर्देश दिए और एमओयू धारक को आवश्यक भूमि के लिए संबंधित क्षेत्र एवं विभाग में नियमानुसार आवेदन कराने के लिए जागरूक करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने निर्देशित किया की भू- रूपांतरण, सीएलयू पेंडेंसी, का शीघ्र निस्तारण करते हुए भूमि विजिट एवं आवंटन संबंधी प्रगति भी पोर्टल पर अपडेट करें। बैठक में महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र भिवाड़ी एस एस खोरिया ने गत बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विभागवार प्रगति की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के तहत जिले में 275 एम ओ यू लगभग 22000 करोड के हुए थे। राजनिवेश पोर्टल पर अब तक जिले में कुल 558 एमओयू किए हैं, जिनमें कुल प्रस्तावित निवेश लगभग 36000 करोड रुपए एवं प्रस्तावित रोजगार लगभग 100000 है।

महाराणा प्रताप (नगर) गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर (राज.)
आम सूचना दि.- 25.06.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रेम कंवर पत्नी श्री बोदू सिंह का प्लाट नं. 174, श्री बालाजीधाम योजना में भूखंड है इसके दस्तावेज आवंटन पत्र, साइड प्लान, समिति की रसीद कही गुम हो गए हैं गुम होने की रिपोर्ट पुलिस थाना करधनी में कर दी थी एवं राष्ट्रदूत न्यूज पेपर में दिनांक 2 मई, 2025 को भी खोया पाया में निकाल दिया था। अतः अब प्रेम कंवर ने समिति में प्रार्थना पत्र देकर डुप्लीकेट आवंटन पत्र, साइट प्लान व समिति की रसीद देने के लिए प्रार्थना की है। अगर किसी को कोई एतराज हो तो सात दिवस में आपत्ति दर्ज करावें। अन्यथा श्रीमती प्रेम कंवर को डुप्लीकेट आवंटन पत्र दे दिया जावेगा। सनद् रहे। मंत्री
महाराणा प्रताप गृह निर्माण सह. समिति लि.

सार्वजनिक सूचना
विज्ञप्ति वास्ते कोर्ट केस विवादित प्लाट
सर्व साधारण को मेरे अभिभाष्य श्री मोतीलाल मौर्य, निवासी-प्लॉट नं.-82 एकता नगर, मनोहरपुरा, जयपुर मोबाईल नं.-6376161947 की ओर से सूचित किया जाता है कि प्लॉट नं.- 71, वाके रूप नगर कॉलोनी, मनोहरपुरा, जयपुर मेरे अभिभाष्य की निजी सम्पत्ति है जिसका केस न्यायालय सांगानेर, जयपुर में चल रहा है। अतः कोई भी व्यक्ति / संस्था आदि उक्त प्लॉट की खरीद फरोख्त नहीं करे और एग्रीमेन्ट आदि निष्पादित नहीं करे, यदि कोई क्रय या एग्रीमेन्ट आदि करवाता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा।
(देवेन्द्र सिंह कुशवाहा), एडवोकेट
Mobile: 8209956098

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)
क्रमांक : एफ ()/न.नि.ज. ग्रेटर/मा.न.जोन/ 2024 / 889 दिनांक:- 27-06-2025
सार्वजनिक सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती दीपिका मीना पत्नी श्री राकेश कुमार मीना द्वारा भूखण्ड सं. 29 बाईस गोदाम (कच्ची बस्ती) जयपुर क्षेत्रफल 133.33 वर्गगज भूमि का नाम हस्तानान्तरण चाहा गया है। कार्यालय जयपुर नगर निगम जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या 29 बाईस गोदाम (कच्ची बस्ती) क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज का पट्टा विलेख श्री गोरी शंकर पुत्र श्री नन्दराम के पक्ष में जारी किया गया। श्री गोरी शंकर पुत्र श्री नन्दराम द्वारा वसीयत नामा (रजिस्टर्ड) दिनांक 11.09.2019 के द्वारा प्लाट नं0 29 का पूर्वी हिस्सा दीपिका (दूसरी पत्नी से उत्पन्न बेटी) तथा पश्चिमी हिस्सा कंचन (प्रथम पत्नी से उत्पन्न बेटी) के पक्ष में निष्पादित की गई। श्रीमती पार्वती देवी पत्नी श्री गोरीशंकर द्वारा जरिये रजिस्टर्ड उपहार पत्र भूखण्ड संख्या 29 के पूर्वी हिस्से नाप पूर्व से पश्चिम 30' उत्तर से दक्षिण 40' क्षेत्रफल 133.33 वर्गगज अपनी पुत्री दीपिका मीणा पत्नी श्री राकेश कुमार मीना को भेंट की गयी। कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, मालवीय नगर जोन द्वारा भूखण्ड संख्या 29 बाईस गोदाम (कच्ची बस्ती) का कुल क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज के पूर्वी हिस्से नाप पूर्व से पश्चिम 30' उत्तर से दक्षिण 40' क्षेत्रफल 133.33 वर्गगज का उपविभाजन श्रीमती दीपिका मीना पत्नी श्री राकेश कुमार मीना के पक्ष में सम्पादित किया गया। आवेदक के द्वारा आवेदन के साथ प्रस्तुत किये गये अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति के आधार पर भूखण्ड सं. 29 बाईस गोदाम (कच्ची बस्ती) जयपुर का नाम हस्तानान्तरण नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा श्रीमती दीपिका मीना पत्नी श्री राकेश कुमार मीना के पक्ष में किया जाना है। इस नाम हस्तानान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, मालवीय नगर जोन नगर निगम ग्रेटर) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार पट्टा विलेख की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश क्रम संख्या 1, सांभरलेक
संजू चौधरी विरुद्ध विकास चौधरी
वाद/प्रार्थना-पत्र - 13-ए
प्रार्थना पत्र संख्या-51/2025सन
नाम विकास चौधरी पुत्र सीताराम जाति जाट पता कान्यावास पोस्ट जमरामपुरा थाना हरमाड़ा, तहसील आमेर जिला जयपुर (राज.) उक्त ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि-
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 15 माह 07 सन् 2025 को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 05 माह 06 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
आज्ञा से
रीडर ग्रेड प्रथम
अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश
क्रम संख्या 1, सांभरलेक

अपील की सुनवाई के लिए नियत दिन की प्रत्यर्थी को सूचना
(आदेश 41 के नियम 14)
न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी सवाई माधोपुर
गुड्डी वगै. विरूद्ध राजेश वगै.
अपील संख्या 54/24
श्री/श्रीमती (1) रमेश पुत्र किरोड़ी (2) रामधनी पुत्र मुड़या (3) गिल्लो पुत्री मुड़या (4) रामराज पुत्र रामधन (5) शिवराम पुत्र रामधन (6) कौशल्या पुत्री रामधन (7) प्रकाशी पुत्री रामधन (8) ऐरन्ता पुत्री रामधन (9) जयसिंह पुत्र तेजराम (10) रज्जो पुत्री तेजराम (11) काड़ी पुत्री तेजराम (12) गोरा पुत्री तेजराम (13) गिर्राज पुत्र प्रभू (14) खिलाड़ी पुत्र प्रभू (15) पीतम देवी पत्नि विनोद (16) कुलदीप पुत्र शिवचरण (17) कपिल पुत्र शिवचरण (18) महेन्द्र पुत्र रंगलाल (19) नरेन्द्र पुत्र रंगलाल (20) राजेन्द्र पुत्र श्रीफल (21) मौसमी पत्नि विजेन्द्र (22) कौशल पुत्र विजेन्द्र (23) सौरभ पुत्र विजेन्द्र (24) संजू पुत्री विजेन्द्र (25) रूपचन्द्र पुत्र नारायण (26) ठण्डी पुत्र श्रीलाल (27) सांवलिया पुत्र श्रीलाल (28) प्यारेलाल पुत्र सांवलिया (29) सुरजो पत्नि रामराज समस्त जातियान मीना निवासीजन ठहरिया तहसील नादोती जिला करौली (राज.)।
आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में उपखण्ड अधिकारी नादौती जिला करौली की डिक्री की अपील अपीलांट अधिवक्ता द्वारा पेश की गई है। और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा तारीख 04.07.2025 नियत की गई है।
यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिए कार्य करने के लिए बिधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जावेगी।
यह आज तारीख 30.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
राजस्व अपील प्राधिकारी
सवाई माधोपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश क्रम संख्या 1, सांभरलेक
प्रिया चौधरी विरुद्ध विकास चौधरी
वाद/प्रार्थना-पत्र - 13-ए
प्रार्थना पत्र संख्या-52/2025सन
नाम विकास चौधरी पुत्र सीताराम जाति जाट पता कान्यावास पोस्ट जमरामपुरा थाना हरमाड़ा, तहसील आमेर जिला जयपुर (राज.) उक्त ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि-
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 15 माह 07 सन् 2025 को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 05 माह 06 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
आज्ञा से
रीडर ग्रेड प्रथम
अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश
क्रम संख्या 1, सांभरलेक

प्रारूप-10 (नियम6(7) देखिए)
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका मण्डल जोबनेर जयपुर
लोक सूचना
सं. 884 दिनांक-23.06.25
1. श्री अजीत चौधरी पुत्र श्री रामगोपाल, निवासी-15, गोकुल खेजडावास कालख जोबनेर, 2. श्री रामनिवास जाट पुत्र श्री छीतरमल जाट, निवासी बान्डीया का बास, तहसील-जोबनेर इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक (आवासीय) प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
तहसील-जोबनेर, जिला जयपुर	माच्छरखानी	1883/1876, 1884/1877	खसरा नं. 1883/1876 रकबा 0.1564 हैक्टेयर, खसरा नं. 1884/1877 रकबा 0.8597 है. में से 8911.94 वर्गमीटर आवासीय प्रयोजनार्थ बाबत।

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 23.06.2025 को जारी की गयी।
प्राधिकारी अधिकारी, (अधिशाषी अधिकारी) नगर पालिका मण्डल जोबनेर

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
कार्यालय-चक सकीतरा, कुम्हेर भरतपुर-321201
Email-info@msbrijuniversity.ac.in,
Website-www.msbrijuniversity.ac.in
No. 710 Date: 30.06.2025
Notice Inviting Bid (E-Procurement Mode)
Maharaja Surajmal Brij University, Bharatpur, invites Tender for the "Pandal, Stage, PA System. Decoration, Photography, Food arrangement and other works, for 5th Convocation Ceremony (It is likely to be held in the last week of July)" Vendors are requested to submit their online bid (From 01 July 2025 to 10 July 2025) for mentioned item as per detailed technical specification given and Price Bid as per BOQ on EProc Portal. All detail and Important information related to tender are available on http://sppp.rajasthan.gov.in and University Website www.msbrijuniversity.ac.in.
NIB code BUB2526A0008
UBN is: BUB2526SLOB00027
Registrar

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय (प्रा.शि.), करौली
Ph.No.- 07464-220640, E-mail id- (deoelekarauli@gmail.com)
क्रमांक-जिशिअ/मु.प्रा.शि./करौली/लेखा/2025-26/138 दिनांक-28.06.2025
अल्पकालीन खुली निविदा सूचना संख्या 05/2025-26
वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 01 (एक) वोलेरोवाहन किराये पर लेने हेतु (अनुमानित लागत 3.00 लाख) मुहरबंद खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 29.06.2025 से 04.07.2025 समय प्रात 11.00 बजे तक प्राप्त कर उसी दिन समय 01.00 बजे तक कार्यालय में जमा करायी जा सकती है तथा निविदा उसी दिन अपरान्ह 02.00 बजे खोली जायेगी। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण स्थानीय कार्यालय एवं वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकती है।
UBN NO. EED2526SSOB00196
जिला शिक्षा अधिकारी
मु.प्रा.शि. करौली

OFFICE THE GRAM PANCHAYAT KANCHANPUR PS-SRIMADHOPUR (SIKAR)
No. Eproc/2025-26/151 Date: 30.06.2025
E-Tender Notice No. 02/2025-26
Bids for open tender of procurement of Construction Material for Work in MGNREGA And Other Seheme in Gram Panchayat KANCHANPUR. Panchyat Samiti Srimadhopur (Sikar) are invited from Firms/Supplicrs Registeed Under the GST act 2017, up to 6.00 PM of 10.07.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement Portal http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and at Gram Panchayat KANCHANPUR Office in all working days.
UBN. SMD2425GLRC00081
प्रशासक ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कंचनपुर ग्राम पंचायत कंचनपुर
प.सं.ग्राम सवाईमाधोपुर प.सं.सवाई माधोपुर (सीकर)

करणा में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, पंचायत ने 4 मकान और 14 दुकानें ध्वस्त की

नारायणपुर । उपखंड क्षेत्र की कराणा ग्राम पंचायत में सोमवार को अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई ग्राम पंचायत द्वारा मैन बस स्टैंड क्षेत्र में की गई, जहां एमडीआर सड़क 228 पर जेसीबी मशीनों की मदद से पक्के निर्माणों को ध्वस्त कर सड़क मार्ग को चौड़ा किया गया।

इस दौरान स्टैंड के समीप स्थित गैर मुमकिन बावड़ी की करीब 13 एयर जमीन पर बने चार पक्के मकान और 14 दुकानों को तोड़ते हुए जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इसके साथ ही पंचायत द्वारा सरकारी स्कूल से पावटा रोड तक सड़क के मध्य से 17-17 फीट तक तथा मुख्य स्टैंड से सीएचसी कोटपुतली रोड तक 20-20 फीट तक अतिक्रमण हटाया गया। सरपंच देवीसिंह शेखावत ने जानकारी दी कि एमडीआर-228 पर लंबे समय से अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही थीं, जिसे गंभीरता से लेते हुए सोमवार सुबह 9 बजे से आबादी क्षेत्र में कार्रवाई

करणा ग्राम पंचायत में प्रशासन की मौजूदगी में अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया।

की गई। अभियान के दौरान 8 जेसीबी मशीन और 10 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां लगाई गई। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तहसीलदार अनिल कुमार को मौके पर मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया गया।

वहीं बासदयाल थाना प्रभारी प्रदीप सिंह के नेतृत्व में महिला कालिका यूनिट समेत 40 पुलिसकर्मियों का जाप्ता मौके पर मौजूद रहा। अभियान के दौरान गाँव के बाहर से ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया ताकि कार्रवाई में

- अभियान के दौरान गांव के बाहर से ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया ताकि कार्रवाई में कोई व्यवधान न आए।
- चार पक्के मकान और 14 दुकानों को तोड़ते हुए जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया

कोई व्यवधान न आए। इस अवसर पर कानूनगों अशोक कुमार, ग्राम विकास अधिकारी कमल कुमार शर्मा, जेईएन राकेश यादव, पटवारी सुरेन्द्र सिंह, नरेंद्र यादव, नरेंद्र मीणा, हैंड कांस्टेबल अमर सिंह, कांस्टेबल शंकर स्वामी सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त

सैनी का सम्मान किया

श्रीमाधोपुर ।अखिल भारतीय माली सैनी विचार संगम संस्थान एवं राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा संयुक्त द्वारा लक्ष्मी नारायण सैनी पुत्र किशनाराम सैनी ढाणी ढायवाली ग्राम लसाडिया श्रीमाधोपुर सीकर को संस्कृत शिक्षा विभाग से प्रधानाध्यापक पद से सेवानिवृत्ति पर समाज के लोगों द्वारा अभिनंदन प्रमाण पत्र ,साफा व माला पहनकर स्वागत किया गया एवं समाज के द्वारा उनके कार्यकाल की प्रशंसा गौरवमय, गुणवत्तापूर्ण, सराहनीय उपलब्धियां से परिपूर्ण रही इसके लिए समाज के लोगों ने उनके स्वस्थ दीर्घायु एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सम्मान किया गया ।इस मौके पर राष्ट्रीय उपकोषाध्यक्ष पूरणमल सैनी अखिल भारतीय माली सैनी विचार संगम संस्थान, रुड़मल सैनी मंत्री, मोहनलाल सैनी राष्ट्रीय अध्यक्ष, राजेंद्र कुमार सैनी सीकर जिला अध्यक्ष राजस्थान प्रदेश माली महासभा श्रीमाधोपुर ,नेता प्रतिपक्ष नंदकिशोर सैनी, पूर्व वैज्ञानिक सीताराम सैनी, पूर्व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी साधु राम सैनी, तहसील अध्यक्ष रामनाथ सैनी, लाल बहादुर सैनी छीलावाली, महेंद्र खडोलिया, भगवान सहाय सैनी आदि ने सैनी का सम्मान कर स्वागत किया। इस मौके पर शिवनारायण सैनी, टिकुराम सैनी, बलदेव सैनी व बस्सी जयपुर से आए सैनी समाज के लोग उपस्थित थे।

चयनित विद्यार्थी सम्मानित

टोंक ।एससीजीसीआई फाउण्डेशन टोंक द्वारा नीट एवं आई.आई.टी-2025 में चयनित प्रतिभावान विद्यार्थियों का साफा, दुपट्टा व मेडल पहनाकर सम्मान किया। संस्था के कॉर्डिनेटर अभिषेक कुमार शर्मा ने बताया कि नीट-2025 में संस्था के विद्यार्थी आकाश सैनी, अंकुश चौधरी, गोविन्द धाकड़ तथा आई.आई.टी 2025 में चयनित ऋषिकेश मीणा का हर्षोल्लास के साथ सम्मान किया। इस अवसर पर विद्यार्थी आकाश सैनी ने बताया कि मेरे बड़े भाई लोकेश सैनी एवं संजय सैनी का भी एस.सी.जी.सी.आई. से कक्षा 12वीं उर्तीण करने के पश्चात् नीट में चयन हुआ। शर्मा ने बताया कि संस्था में विद्यार्थियों को विषयों का गहराई से अध्ययन करवाकर विषयों की सभी अवधारणओं को समझाया जाता है, संस्था के विशेष शैक्षणिक, तकनीक के कारण ही हर वर्ष यहाँ के विद्यार्थी कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उच्चतम प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए नीट तथा आई.आई.टी. में चयनित होते आ रहे है।

स्वामी टेऊराम महाराज की पूजा

निवाई। सिंधी धर्मशाला में सतनाम साक्षी परिवार के तत्वावधान में आचार्य सतगुरु स्वामी टेऊराम महाराज का 139 वां जन्मोत्सव को लेकर कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। सतनाम साक्षी परिवार के हेमंतदास फुलवानी ने बताया की कार्यक्रम को लेकर सद्‌गुरु महाराज की प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक करके पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान सत्संग बहराना साहब व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी, पार्षद राजकुमार करनानी, विष्णु फुलवानी, दिलीप दासवानी, लक्ष्मण डासवानी, घनश्याम निभानी, वासुदेव चंदलानी, शीतलदास फुलवानी, शीतल इसरानी, बलराम रामानी, ताराचंद कीर्तनी, राजकुमार केसवानी, गरिमा नानकानी, महेन्द्र मेठवानी, रेशु दासवानी, सुनीता मोटवानी व नीता फुलवानी सहित श्री श्याम सेवक परिवार, सिंधी नवयुवक मंडल व सिंधी समाज महिला मंडल के कई पदाधिकारी व समाज के कई लोग मौजूद थे।

भाजपा का 'एक पेड़ मां के नाम' पौधारोपण

पावटा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा एवं प्रदेश मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आज मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र में एक पेड़ मां के नाम व देव दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इसके तहत क्षेत्र में बड़ी संख्या में पेड़ लगाये जायेंगे व देव दर्शन कर क्षेत्र की सुख समृद्धि के लिए कामना की जाएगी।

इस दौरान प्रागपुरा मंडल अध्यक्ष विकास सिंह, पावटा बालाजी मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र राठी, प्रमोद सैनी त्रिवेणी मंडल अध्यक्ष एवं महेश कुमार यादव बाणगंगा मंडल अध्यक्ष, विकास शर्मा विराटनगर मंडल अध्यक्ष सहित भाजपा कार्यकर्ताओ ने बताया कि भाजपा के कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ ान पर विधायक कुलदीप धनकड के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संकल्पित हैं।

जैसे जन्मदात्री मां बच्चे को जन्म देती है, पालन पोषण करती है। वैसे ही धरती मां भी हम सबका पालन-पोषण करती है। धरती को हरा-भरा बनाना व बंजर होने से बचाना जीवमात्र के कल्याण के लिए जरूरी है। भाजपा कार्यकर्ता केवल राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं, बल्कि एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। इन्हें समाज के अन्य समस्याओं की भी चिंता रहती है। भाजपा कार्यकर्ता देश के लिए जीता और मरता है। कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के बिना विकसित भारत का संकल्प अधूरा होगा।

आज क्षेत्र के सभी नेता, पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में पौधरोपण करेंगे। वही विधायक कुलदीप धनकड क्षेत्र के श्री 1008 पीठाधीश्वर छितर दास महाराज खोरा आश्रम, श्रवण दास महाराज अन्नदाता धाम हरिकिशनपुरा, जानकीदास महाराज आश्रम पालवाले मंदिर नवरंगपुरा, श्री गणेश जी मंदिर विराटनगर, श्री श्री 1008 बाबा मस्तनाथ महाराज दत्त टेकडी छीतौली, श्याम मंदिर जयसिंहपुरा, श्री श्री 1008 बजरंगदास महाराज कारोली, देवनारायण व हीरामल बाबा मंडा, श्री श्री 1008 गोपाल दास जी महाराज मंदिर भांकरी, श्री श्री 1008 बाबा बालकनाथ महाराज बावड़ी, टीलाजी महाराज खेलना, झिडा वाले बालाजी महाराज मंदिर बजरंगपुरा, लील का धाम आंतेला, श्री श्री 1008 खेम जी महाराज मंदिर जसवंतपुरा, परम पूज्य संत श्री नारायण दास महाराज तपोस्थली में देव दर्शन कर क्षेत्र की सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना करेंगे।

स्टील व कटर प्रेस कारखाने व दुकान से लाखों का सामान चोरी

पावटा। कस्बा पावटा स्थित होटल होली डे फन के पास ने एक स्टील व कटर प्रेस कारखाने को निशाना बनाया। ताला तोड़कर वेल्डिंग मशीनें, कैलेंडर कटर, हेमर ड्रिल सहित कॉपर वायर व औजार समेत लाखों रुपए का सामान चुरा लिया। प्रागपुरा थाना पुलिस को

- ताला तोड़कर अंदर चोर घुसे
- मशीनें, कॉपर वायर सहित औजार भी लेकर फरार

कारखाने में चोरी का पुलिस दल ने मौका मुवायना किया।

अज्ञात चोरों के केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कारखाने मालिक मोहम्मद रहीस खान निवासी पावटा व दुकान मालिक नवाब खान निवासी पावटा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रात के समय में अज्ञात चोरों ने फैक्ट्री में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। सुबह जब कारखाना खोलने मेंरा बेटा आदिल खान पहुंचा तो कारखाने के पीछे की दीवार टूटी हुई था। वही दुकान की भी पीछे की दीवार टूटी हुई थी। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा हुआ व गायब था। पुत्र आदिल खान ने फोन करके सूचना दी कि कारखाने व दुकान में में चोरी हुई है। जहां मौके पर आकर प्रागपुरा थाना पुलिस को सूचित किया गया। प्रागपुरा थाना पुलिस ने आकर मौका मुवायना किया। कारखाने मालिक मोहम्मद रहीस खान निवासी पावटा व दुकान मालिक नवाब खान निवासी पावटा ने बताया कि उनके कारखाने व दुकान से करीब दो लाख रुपए का सामान जिसमें कारखाने से 4 छोटी वेल्डिंग मशीन, 8 कॉपर लीड 5 इंच की, 2 ग्लैंडर 4 इंच के, 2 ग्लैंडर, 2 हेमर मशीन, 4 कट्टा गजन पिन, 3 छोटी सेल्फ स्क्रू मशीन, 2 छोटी ड्रिल मशीन सहित लोहे का छोटा मोटा सामान व दुकान से 2 वेल्डिंग मशीन, 4 वेल्डिंग लीड, 1ग्लैंडर 4 इंची का, 2 हेमर मशीन, 5 इंची ग्लैंडर एक नग सहित लोहे का छोटा मोटा सामान चोरी हुआ है। रविवार की रात को एक से दो बजे बीच में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। जाते जाते चोर एलईडी तोड सीसीटीवी हार्ड डिस्क भी चुरा ले गए। फिलहाल प्रागपुरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है और आरोपियों की तलाश कर रही है। वही पुलिस की सुस्त रवैए से चोरों के हौसले बुलंद हैं।

सार-समाचार

भाजपा कार्यकारिणी में कई नाम गौण

सांभरझील, (निसं)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड व जयपुर देहात दक्षिण के जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर के निर्देशानुसार सांभर भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन कुमार मोदी ने आज अपनी नवीन कार्यकारिणी घोषित कर दी है। हालाकि सूची में कई पूर्व पदाधिकारीयों को शामिल नहीं किया गया, तो कईयों को दरकिनार तक कर दिया गया। इसका मतलब भाजपा में अंदरुनी रूप से सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी से जुडे कई वरिष्ठ जिनकी लंबे समय से मनभेद और मतभेद के चलते दूरी बताई जा रही है, उनकी कई सालों से नाराजगी दूर तक नहीं की गई है और न ही उन्हें तवज्जो दी गई है। हालांकि इससे पहले जिनके पास जिम्मेदारी थी उन्होंने भी ऐसी कोई कवायद नहीं की, कि भारतीय जनता पार्टी के सभी पुराने चेहरों को एक साथ मंच पर ला सके। खुले तौर पर पिछली दफा चुनाव में भाजपा से बगावत पर उतरे एक को पद देकर सुशोभित किया गया है। सूची में 60 कार्यकर्ताओं को जिनमें कई पूर्व पदाधिकारी भी रह चुके हैं, को सदस्य के रूप में दर्शाया गया है। नवीन कार्यकारिणी में एक साथ 6 जनों को उपाध्यक्ष, 6 को मंत्री बनाकर कुछ हद तक खुश करने का प्रयास किया है। उपाध्यक्ष के पद पर प्रमुख रूप से तीन दफा पार्षद का चुनाव जीत चुके पार्षद धर्मेंद्र जोपट, पूर्व महामंत्री नंदकिशोर कुमावत पट्टी कातला वाले, कमला खारडिया, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष विजय प्रजापत, गोपाल गोयल, अशोक कयाल तथा मंत्री के रूप में मनोज पारीक, नारायण सबनानी, सोनाली पाराशर, पार्षद सुशीला शर्मा, पुष्पा बंजारा, चंद्रप्रकाश माली के अलावा कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी प्रेम कुमार शर्मा को दी गई है। महामंत्री के पद पर उपेंद्र कुमार व राजेश पारीक को नियुक्त किया गया है। कयास तो यह भी लगाया जा रहा है कि जिनको अभी सूची में स्थान नहीं मिला है उन्हें संरक्षक के रूप में शामिल किया जा सकता है। बताया तो यह भी जा रहा है कि पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए युवाओं को प्राथमिकता दिया जाना इसका प्रमुख कारण है।

आबकारी पुलिसकर्मी को भावभीनी विदाई

पावटा। कस्बे के आबकारी थाना प्रागपुरा में एक्साइज कॉस्टेबल भूपसिंह यादव के सेवानिवृत्त होने पर थाने के जमादार पदम सिंह शेखावत के नेतृत्व में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जमादार पदम सिंह शेखावत समेत अन्य स्टाफ कर्मियों ने भूपसिंह यादव को अंग वस्त्र देकर भावभीनी विदाई दी। जमादार पदम सिंह शेखावत ने अपने संबोधन में कहा कि सेवानिवृत्त होना सरकारी नौकरी में एक प्रक्रिया है और सभी को अपने सेवाकाल में पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने भूपसिंह के सेवाकाल की सराहना की और उनके अनुभवों को भविष्य में भी उपयोगी बताया। सीआई प्रियंका मीणा ने सेवानिवृत्त हुए भूपसिंह को उनके सेवाकाल पूर्ण करने पर बधाई दी और उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने भूपसिंह को भविष्य में किसी भी प्रकार की जरूरत पड़ने पर सहायता का विश्वास दिलाया। एईओं कुलभूषण शर्मा एक वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी हैं, जिन्होंने अपने सेवाकाल में कई महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। वह अपने नेतृत्व कौशल और प्रशासनिक क्षमता के लिए जाने जाते हैं। एईओं कुलभूषण की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को ओर भी शानदार बनाया। इस मौके पर स्टाफ कर्मियों और ग्रामीणों ने फूल माला पहना कर भूपसिंह का अभिनंदन किया और गाजे-बाजे के साथ उन्हें थाने से विदा किया। एएसआई जगदीश प्रसाद, एएसआई रामनिवास, लक्ष्मण सिंह, पतराम गुर्जर, संजय, महेश, श्रीनिवास, धर्मचंद यादव, हवासिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी मौजूद रहे। सभी ने भूपसिंह के साथ अपने अनुभवों को साझा किया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

चिकित्सक दिवस समारोह आज

कोटपूतली। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर मंगलवार को राजस्थान प्रदेष कांग्रेस कमेटी चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा राजधानी जयपुर में डॉक्टर्स डे समारोह का आयोजन किया जायेगा। इस मौके पर चिकित्सा प्रकोष्ठ की नवनियुक्त कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित होगा। राजधानी जयपुर के नारायण सिंह सर्किल स्थित तोतुका भवन में आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में कोटपूतली से बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी प्रदेश महासचिव डॉ. अभिलाष मीणा के नेतृत्व में भाग लेगें। डॉ. अभिलाष मीणा ने बताया कि चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेषाध्यक्ष डॉ. विकास महला के नेतृत्व में आयोजित किये जा रहे उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता पीसीसी अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा करेगें। जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोषी व अस्थमा भवन के निदेषक डॉ. विरेन्द्र सिंह भाग लेगें। इस मौके पर कोटपूतली,बहरोड जिला चिकित्सा प्रकोष्ठ के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह राठौड समेत महासचिव कुलदीप जाट, उपाध्यक्ष अमरसिंह गुर्जर, सचिव मनीष आर्य, राजेष मीणा, त्रिलोक गुर्जर, दीपक वर्मा, जसराम वर्मा समेत कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप शर्मा, राजेष दीक्षित, कमलेष मीणा, समीर खान, हेमंत यादव. पंकज जांगिड राजकुमार मीणा. बिजेन्द्र यादव. पवन यादव. अवनीष शर्मा, कृष्ण सैनी व अशोक सैनी आदि पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई जायेगी।

अलग-अलग मामले में 10 पकड़े

निवाई। निवाई थाना पुलिस ने अपराधियों की धर पकड अभियान को लेकर अलग-अलग मामलों में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि अपराधियों की धर पकड अभियान को लेकर पुलिस की पृथक-पृथक टीम गठित करके उचित दिशा निर्देशन में कार्यवाही करते हुए गठित टीमों द्वारा लगातार अलग-अलग ठिकानों पर गश्त व निगरानी करते हुए दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि नाबालिग लडकी का अपहरण के आरोपी घनश्याम गुर्जर निवासी गोरधनपुरा थाना बरोनी व पायलट गुर्जर निवासी हरिपुरा उर्फ सरिमा को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार फरार चल रहे स्थाई वारण्टी कैलाश बैरवा निवासी भरथला, उपेन्द्र करुआ निवासी एसएसईपीडब्लूई रेल्वे स्टेशन निवाई व गणेश सैनी निवासी कीर कॉलोनी निवाई को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि बीएनएसएस धारा में कादर खान निवासी सुनावई पोस्ट सैनपुरा नारम्बी जिला फिरोजाबाद उत्तरप्रदेश, बाबूलाल मीणा व कानाराम मीणा निवासी राधाकिशनपुरा हाल निवासी गुणसागर कॉलोनी अलियाबाद रोड निवाई को गिरफ्तार किया है।

कार्यकारिणी का सम्मान

निवाई। खणदेवत रोड पर स्थित तिवाड़ी पैलेस पर भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा के नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष रमाकान्त शर्मा, जिला प्रवक्ता योगेंद्रसिंह नाथावत, जिला उपाध्यक्ष ममता जाट, शहर मंडल उपाध्यक्ष नगेंद्रसिंह व शहर मंत्री जितेंद्र विजय का माला व साफा पहना कर सम्मान किया गया। नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष रमाकान्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा देश व प्रदेश के हर क्षेत्र में चौमुखी विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की मंशा है कि सरकारी योजनाओं का प्रत्येक व्यक्ति को लाभ मिले।

349 स्थानों पर दबिश देकर 245 बदमाश पकड़े

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में चलाये गये वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी एवं एरिया डॉमिनेशन के संबंध में एक दिवसीय विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टोंक बृजेन्द्र सिंह भाटी व अति. पुलिस अधीक्षक मालपुरा मोटाराम बेनिवाल के नेतृत्व में जिले के वृताधिकारियों के सुपरविजन में समस्त जिले के थानाधिकारीगण द्वारा विशेष टीमें गठित कर विभिन्न स्थानों पर दबिश और धरपकड की कार्यवाही के दौरान 93 टीमों ने 349 जगहों पर दबिश देकर इस अभियान में कुल 245 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

- 93 टीमों ने 349 जगहों पर दबिश देकर इस अभियान में कुल 245 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया

इस अभियान में लॉकल और स्पेशल एक्ट में 31 मामले दर्ज हुए, जिसमें 28 आरोपी गिरफ्तार किए गए तथा आर्म्स एक्ट में 4 आरोपी पकड़े गए। इसी प्रकार एक देशी कट्टा, एक 12 बोर बंदूक, 16 कारतूस और 2 धारदार हथियार जब्त किए गए एवं एमएमआरडी एक्ट में 5 केस दर्ज हुए जिसमें से 2 आरोपी गिरफ्तार हुए तथा एक डंपर, एक ट्रेलर व तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित 64 टन अवैध बजरी जब्त की गई। इसी प्रकार एक्साइज एक्ट में 9 आरोपी पकड़े गए तथा 83.24 लीटर अवैध शराब जब्त की गई तथा 5 वारंटीयो को भी गिरफ्तार किया गया है एवं अन्य एक्ट में 12 आरोपी गिरफ्तार हुए है। इसी प्रकार 11 टेप मशीन और 380 रुपए की जुआ राशि जब्त की गई है तथा जघन्य अपराधों में वांछित 2 आरोपी भी पकड़े गए हैं, इस अभियान में 25 गिरफ्तारी वारंटों का निस्तारण किया गया एवं एक इनामी अपराधी को भी पकढा गया है।

कलश यात्रा कल

निवाई। मनोहरपुरा भेरुजी का बासड़ा में स्थित श्री बालाजी महाराज मंदिर, भौमिया जी एवं गुरु महाराज के स्थान पर बुधवार से महामंडलेश्वर नागापागलदास महाराज वाटिका के सानिध्य में विशाल 11 कुण्डीय नवदिवसीय श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालु श्याम शर्मा ने बताया कि नवदिवसीय श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा में कथा वाचक साध्वी अन्नपूर्णा शास्त्री वृंदावन द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार भजन सम्राट मि-बना सूर्या द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएगी एवं यज्ञाचार्य पंडित कुलदीप वेदिक जयपुर के सानिध्य में विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोचारण के साथ यज्ञ में आहुतियां दी जाएगी। उन्होंने बताया कि महायज्ञ को लेकर बुधवार को विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी।

स्टॉप डायरिया अभियान आज से

कोटपूतली। चिकित्सा विभाग की ओर से शिशु स्वास्थ्य और बच्चों में डायरिया से बचाव के उद्देश्य से जिले में स्टॉप डायरिया कैंपेन 2025 का आयोजन किया जायेगा। सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने बताया कि यह कैंपेन 01 जुलाई से शुरू होगा और 15 अगस्त तक चलेगा। मानसून के मौसम में बच्चों में होने वाले दस्त से निपटने के लिये यह एक पहल है। इस कैंपन के दौरान ओआरएस और जिंक के उपयोग को बढ़ावा देने, स्वच्छता प्रथाओं में सुधार लाने और दस्त प्रबंधन के बारे में लोगों को इसके प्रति जागरूक किया जायेगा। इसमें पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ओआरएस और जिंक वितरित करना, ओआरएस-जिंक कॉर्नर स्थापित करना और स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित करना शामिल है। डिप्टी सीएमएचओ डॉ. जय भगवान यादव ने बताया की आशा और एएनएम कार्यकर्ता द्वारा पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ओआरएस और जिंक की गोलियां वितरित की जायेगी तथा सभी चिकित्सा संस्थानों पर ओआरएस-जिंक कॉर्नर स्थापित किये जायेगें। जिसमें आंगनवाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य सुविधाओं में ओआरएस की उचित तैयारी के प्रदर्शन के बारे में बताया जायेगा।

कलेक्टर ने शिविर का निरीक्षण किया

टोंक। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिले में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे के तहत ग्राम पंचायतवार कैंपों का आयोजन किया जा रहा है, जिस दौरान सोमवार को जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने उपखंड देवली की ग्राम पंचायत निवारिया एवं नगरफोर्ट में आयोजित अंत्योदय संबल शिविर का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीणों की स्थानीय समस्याओं के स्थायी समाधान के निर्देश दिए। शिविर में पहुंचने पर जिला कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के कार्मिकों से मौके पर करवाये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने उपखंड अधिकारी मनोज कुमार मीना से शिविर की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकाधिक पात्र लोगों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। साथ ही, संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार एक भी पात्र व्यक्ति सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे। इस दौरान शिविर में देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर, जिला

- कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने उपखंड देवली की ग्राम पंचायत निवारिया एवं नगरफोर्ट में आयोजित अंत्योदय संबल शिविर का निरीक्षण किया

कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, प्रधान बनवारी लाल जाट ने ग्रामीणों को आवासीय पट्टे सौंपे एवं सरकार की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया। इस दौरान देवली उपखंड अधिकारी मनोज कुमार मीणा ने जिला कलेक्टर को अब तक की प्रगति से अवगत करवाते हुए बताया कि शिविर में राजस्व प्रकरण जैसे पत्थरगढ़ी, सीमाज्ञान, नामांतरण, रास्तों के प्रकरणों एवं आपसी सहमति से बंटवारे का निस्तारण करने के साथ-साथ विभिन्न विभागों द्वारा आमजन से जुड़े कार्य संपादित किए जा रहे हैं। इस दौरान जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने सोमवार को बीसलपुर बांध का निरीक्षण किया।

फायरिंग के 4 आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती हरसौरा थाना पुलिस ने शराब ठेकेदार सुनील उर्फ टूल्ली की हत्या के मामले गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस की टीम पर फायरिंग करने वाले चार बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी प्रकाश सिंह राठौड के अनुसार, 27 जून को रात 11.30 बजे हरसौरा थाना क्षेत्र के हमीरपुर में शराब ठेकेदार की हत्या के बाद बानसूर थाना पुलिस आरोपियों को पकड़ने पहुंची थी। इस दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में 13 राउंड फायर किए। जिसमें तीन बदमाश गोली लगने से घायल हो गए थे । एक बदमाश भागते समय घायल हो गया। सभी घायलों का कोटपुतली जिला अस्पताल में इलाज चल रहा था। जिनको सोमवार को हरसौरा पुलिस जिला अस्पताल कोटपुतली से हरसौरा थाना लेकर पहुंची। गिरफ्तार आरोपियों में मनीष गुर्जर पुत्र कालूराम गुर्जर नीमकाथाना हाल निवासी बानसूर,मनोज पुत्र सुभाष मीणा नारायणपुर रोड बानसूर, पवन सैनी पुत्र हेमराज सैनी नाइयों की बगीची बानसूर और अखिल सैनी पुत्र विनोद कुमार सैनी नोन्दा वाली बानसूर शामिल हैं। हरसौरा पुलिस ने चारों बदमाशों को कोटपुतली जिला अस्पताल से हिरासत में ले लिया है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का अलवर में कार्यकर्ताओं ने मनाया जन्मदिन, उत्तम स्वास्थ्य की कामना की

अलवर। केंद्रीय मंत्री व अलवर सांसद भूपेंद्र यादव के जन्म दिवस पर भारतीय जनता पार्टी जिला अलवर के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनकी दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य के लिए जिले भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए । जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने बताया कि सोमवार को केंद्रीय मंत्री व अलवर सांसद भूपेंद्र यादव के जन्मदिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने

- मंदिर में हवन-यज्ञ हुआ, गौशाला में गायों को खिलाया चारा, अस्पताल में मरीजों को फल वितरित किए

सुबह 9:30 बजे जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता के नेतृत्व में गौशाला जाकर गायों को चारा खिलाया।

10:30 बजे सामान्य चिकित्सालय, अलवर में वार्डों में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए। 11:00 बजे सुभाष चौक स्थित

अलवर में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के जन्मदिन पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने सेवा कार्य किया।

जगन्नाथ मंदिर में हवन व पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया इसके उपरांत सायं 4.30 बजे काला कुआं स्थित वेंकटेश बालाजी दिव्य धाम मंदिर में पूजा अर्चना का कार्यक्रम आयोजित हुआ। सभी कार्यकर्ताओं ने सांसद एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के लिए लंबी उम्र व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की, व प्रभु से प्रार्थना की व जीवन में सदैव और प्रगति करें। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, मंत्री ऋषिराज शर्मा, प्रवक्ता नरेश धानावत, जितेंद्र शर्मा,जितेंद्र गोयल, कोषाध्यक्ष प्रदीप जैन, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष तरुण जैन,प्रमोद विजय, मंडल अध्यक्ष महेश निहलवानी,बबलू गुप्ता, ओमप्रकाश शर्मा,महेश मीणा, राजेंद्र सैनी, आनंद बेनीवाल, धर्मवीर जाटव, शशि तिवारी, हेतराम यादव, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विनोद यादव, लखन जोशी ,मयंक खंडेलवाल, जिला महामंत्री मोहन चौहान ,बलराम यादव, प्रशांत यादव, प्रवेश जैन , अजय शर्मा, निरंजन निधेडिया, सौरभ गुप्ता, खेमेंद्र बेनीवाल, श्याम लाल जाट, ललित शर्मा, सुनील शर्मा, पुष्पेंद्र पवार, भूपेश जायसवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय कमेंट्री खेल की बारीकियों और तकनीक पहलुओं पर ध्यान देने के बजाय विवादों को बढ़ावा देने पर फोकस है, जो असली क्रिकेट फैंस के लिए अच्छा नहीं है।

\- रोहित शर्मा

भारतीय बल्लेबाज, भारत में क्रिकेट कमेंट्री के गिरते स्तर पर नाराज होते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

फारुख इंजीनियर

पूर्व भारतीय दिग्गज फारुख इंजीनियर ने कहा कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज की ट्रॉफी का नाम बदलकर गलत किया और दिवंगत मंसूर अली पटौदी के नाम पर मेडल देने का फैसला उनके जैसे फैंस को खुश करने के लिए किया गया। ईसीबी ने 2007 में भारत और इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए पटौदी ट्रॉफी की शुरुआत की थी, टाइगर पटौदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। मेरे बहुत अच्छे सहयोगी थी। हमने काफी टेस्ट मैच साथ में खेले। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब हुई जब 2007 में ट्रॉफी का नाम उनके नाम पर रखा गया।

क्या आप जानते हैं ?... केशव महाराज ने टेस्ट में 200 विकेट ले लिए हैं। ऐसा करने वाले वो पहले साउथ अफ्रीका स्पिन गेंदबाज बन गए हैं।

देवांश ने जीता एकल गौरव और रिद्धि ने मिश्रित युगल खिताब

जयपुर, 30 जून। ज्ञान विहार स्कूल बैडमिंटन हॉल में संपन्न हुई जी वी ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष एकल फाइनल में देवांश अरमान को हराकर खिताब जीता वहीं मिश्रित युगल

में गौरव और रिद्धि की जोड़ी ने मोहित मिठ्ठा व तन्वी की जोड़ी को 21- 18, 21 -19 से हराकर खिताब जीता। बालकों के अंदर 15 सिंगल्स में काव्या विजेता व रिशान उप विजेता रहे। लड़कियों के अंडर 13 सिंगल्स में आराध्या गुप्ता विजेता और वैदेही पाटोदिया उपविजेता रही लड़कों के अंडर13 बॉयज में वेदांश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता तथा हर्षवर्धन सिंह उपविजेता रहे। महिला युगल में तन्वी व सत्यप्रिया विजेता तथा मीनाक्षी व रिद्धि उप विजेता रहे 50 वर्ष से अधिक आयु में जितेंद्र राजवंशी व राजेश अग्रवाल विजेता राजेंद्र कोठारी व सुधीर श्रीवास्तव उपविजेता रहे वहीं वेटरन एकल में संजीव शिवानी विजेता तथा संजय श्रीवास्तव विजेता रहे। टूर्नामेंट के आयोजक अतुल गुप्ता ने बताया मुख्य अतिथि मधु कांत मोदी अध्यक्ष ओशो ध्यान केंद्र छतरपुरा ने सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी सर्टिफिकेट में पदक बांटे तथा उनके उज्जवल भविष्यके लिए बधाई दी।

शूटर मानिनी को 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में राष्ट्रीय रैंकिंग में प्रथम स्थान मिला

जयपुर, 30 जून। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ द्वारा हाल ही में प्रकाशित राष्ट्रीय रैंकिंग में स्टार शूटर मानिनी कौशिक को 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में राष्ट्रीय रैंकिंग में प्रथम स्थान मिला है। अब वह

16 से 30 अगस्त 2025 तक कजाकिस्तान के श्यामकेंट में होने वाली 16वीं एशियाई चैंपियनशिप में भारत की नंबर एक शूटर के रूप में खेलेंगी। मानिनी ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप और दूसरे तथा तीसरे चयन ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओलंपियन और विश्व चैंपियन तथा भारत के सभी शीर्ष शूटरों से भरे मैदान में शीर्ष स्थान हासिल किया। मानिनी ने इस दौरान दो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़े, एक राष्ट्रीय चैंपियनशिप में और दूसरा केएसएस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में।

केंडलविक और जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी जीते

जयपुर, 30 जून। सबा क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आठवीं हाजी गनी बाबा स्मृति लीग कम नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये पहले मैच में केंडलविक क्रिकेट एकेडमी ने सार्थक त्यागी 4 ओवर 1 मेडन 7 रन 4 विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत सबा क्रिकेट क्लब को 101 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और महत्वपूर्ण 2 अंक अर्जित किये। पूल-बी के एक अन्य मैच में जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने आर्यन जैन 43 रन नाबाद व 13 रन पर 2 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदौलत एमी क्रिकेट एकेडमी को 5 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर केंडलविक क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ओश्निक ठोवर 44 रन, मोहम्मद कैफ 43 रन नाबाद, दक्ष कासलीवाल 25 रन कुशाठा ओझा 22 रन और आकाश सिंह 18 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 180 रन बनाये। सबा क्रिकेट क्लब कि ओर से मोहम्मद बिलाल ने 39 रन पर 2 विकेट तथा लखन चौधरी, सतवीर चौधरी व रामदयाल ने प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर अन्य सफल गेंदबाज रहे।

वैभव सूर्यवंशी ने चार दिन में दूसरी बार बल्ले से उड़ाया गर्दा

इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर की धुलाई

नई दिल्ली, 30 जून। वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर बेतरीन प्रदर्शन किया है। भारत और इंग्लैंड की अंडर-19 टीमों के बीच दूसरा वनडे मैच खेला जा रहा है। 14 वर्षीय युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी ने सभी का दिल जीत लिया है। इंग्लैंड के खिलाफ इस दूसरे वनडे मैच में वैभव ने 45 रनों की तूफानी पारी खेली। पिछले मैच की तरह इस मुकाबले में भी वैभव अर्धशतक लगाने से चूक गए।इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी। तब कप्तान आयुष म्हात्रे बिना खाता खोले ही पहली गेंद पर आउट हो गए। इंग्लैंड को भारत के कप्तान की विकेट पहली ही गेंद पर मिल गई। लेकिन दूसरे सिरे पर बल्लेबाज करने आए वैभव सूर्यवंशी खड़े थे। वैभव ने 34 गेंदों में 45 रनों की बेहतरीन पारी खेली। इस पारी में वैभव ने पांच चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं भारत की अंडर-19 टीम बेहतरीन बल्लेबाजी कर रही है। वैभव सूर्यवंशी के 45 रन पर आउट होने के बाद विहान मल्होत्रा और मौल्यराज सिंह छाबड़ा ने भारत की पारी को संभाला है। इस वनडे मैच में 20 ओवर के बाद भारत कास्कोर 2 विकेट के नुकसान पर 116 रन हो गया है। विहान 49 गेंदों में 39 रन पर और छाबड़ा 39 गेंदों में 21 रन पर बल्लेबाजी कर रहे हैं।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन घोषित, जोफ्रा आर्चर बाहर

लीड्स, 30 जून। ईसीबी और टीम मैनेजमेंट ने मिलकर एक बोल्ड फैसला भारत के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले से पहले लिया है। बुधवार 2 जुलाई से एजबेस्टन में भारत के खिलाफ खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। वहीं आश्चर्य की बात ये है कि इंग्लैंड टीम में कोई भी बदलाव नहीं किया गया है। ऐसे में जोफ्रा आर्चर को फिलहाल के लिए बाहर बैठना पड़ेगा।

लगातार दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड की ओर से दो दिन पहले प्लेइंग इलेवन का ऐलान देखने को मिला है। अभी तक इंग्लैंड की ओर से एक दिन पहले टीम की घोषणा होती थी, लेकिन जब मैच से दो दिन पहले इसका ऐलान किया गया है। हेडिंग्ले में एक अविश्वसनीय जीत के बाद मेजबान टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है, जिसमे उसने चौथी पारी में 371 रनों का पीछा करते हुए जीत दर्ज की। इंग्लैंड की स्क्वॉड में जरूर बदलाव हुआ था, लेकिन मुकाबले के लिए प्लेइंग इलेवन पहले मैच वाली ही है।

कहा जा रहा था कि इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए दूसरे टेस्ट मैच में जोफ्रा आर्चर को उतार सकता है, लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिला। जोफ्रा आर्चर वैसे भी पारिवारिक इमरजेंसी के कारण प्रैक्टिस सेशन में नजर नहीं आए। शायद इसी कारण से टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया हो।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग 11 जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, जेमी स्मिथ, क्रिस वोक्स, ब्राइडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

आयुष शेट्टी ने जीता यूएस ओपन का खिताब

आयोवा, 30 जून। भारत के आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में कनाडा के ब्रायन यांग को पुरुष एकल में हराकर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम कर लिया। काउंसिल ब्लफ्स में रविवार को खेले गये मुकाबले में विश्व के 34वें नंबर के खिलाड़ी और चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बैडमिंटन रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज ब्रायन यांग को 47 मिनट तक चले मैच में सीधे सेटों में 21-18, 21-13 से हराया। यह आयुष शेट्टी की ब्रायन यांग के खिलाफ लगातार तीसरी जीत है। यह 2025 में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर किसी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी की पहली खिताबी जीत है। खिताब जीतने के बाद 20 वर्षीय शेट्टी ने कहा, यह बहुत मायने रखता है कि सीनियर सर्किट में मेरा यह पहला खिताब है। इसलिए मैं वास्तव में खुश हूं। मैंने यहां बेहतरीन बैडमिंटन खेला और मैं अगले सप्ताह कनाडा ओपन का इंतजार कर रहा हूं। वहीं महिला एकल वर्ग के फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा, अमेरिका की शीर्ष वरीयता प्राप्त और ओलंपियन बेइवेन झांग के हार गईं। पहला मैच हारने के बाद तन्वी शर्मा ने दूसरे मैच में वापसी करते हुए गेम को तीसरे मैच तक ले जाने में सफल रहीं।

छह वर्षीय तेगबीर सिंह ने यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी फतह करने का बनाया विश्व रिकॉर्ड

रूपनगर, 30 जून। पंजाब में रूपनगर शहर के रहने वाले तेगबीर सिंह ने रूस में स्थित माउंट एल्ब्रस पर 18510 फुट (5642 मीटर) से अधिक की ऊंची चोटी फतह करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। तेगबीर ने 20 जून को माउंट एल्ब्रस की चढ़ाई के लिए यात्रा शुरू की और 28 जून को चोटी फतह कर ली थी। इसी के साथ छह साल और नौ महीने के तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोह बन गया है। उल्लेखनीय है कि माउंट एल्ब्रस कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्र है और यहां का सामान्य तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस तक नीचे रहता है तथा चढ़ाई के दौरान कई तरह की जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। रूस के पर्वतारोहण, रॉक क्लाइम्बिंग और स्पोर्ट्स टूरिज्म फेडरेशन ऑफ काबर्डिनो बाल्केरियन रिपब्लिक ने माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले तेगबीर को पर्वतारोहण प्रमाणपत्र जारी किया। प्रमाणपत्र में लिखा है कि यह प्रमाणित किया जाता है कि भारत के छह साल नौ महीने और चार दिन की उम्र में तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस पर चढ़ने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही हैं। इसी के साथ तेगबीर ने पिछले साल सात वर्ष और तीन महीने की उम्र में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले वाघा कुशाग्र (महाराष्ट्र, भारत के मूल निवासी) के विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2024 में वह माउंट किलिमंजारो (अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी) पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के एशियाई बन गए थे और उनका नाम एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। वह अप्रैल 2024 में माउंट एवरेस्ट बेस कैंप (नेपाल) भी पहुंचे थे। चोटी फतह करने वाले तेगबीर सिंह ने कहा, मुझे पता था कि मुझे कहाँ पहुँचना है और आखिरकार मैं पहुँच गया और वहाँ अपने पिता के साथ एक तस्वीर खिंचवाई। रोपड़ के शिवालिक पब्लिक स्कूल के दूसरी कक्षा के छात्र ने कहा मैं पहली बार बर्फ पर चल रहा था, मेरे जूते भारी थे, लेकिन मैंने इसका अभ्यास किया था।

अंकुर, तनीषा की मिश्रित जोड़ी ने जीता टीटी एशियाई युवा चैम्पियनशिप में कांस्य पदक

ताशकंद, 30 जून। दूसरी वरीयता प्राप्त अंकुर भट्टाचार्जी और तनीषा कोटेचा भारतीय जोड़ी को टेबल टेनिस अंडर-19 मिश्रित युगल सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के किम गॉन और पार्क गाहियोन की जोड़ी से मिली हार के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, आज ताशकंद के हुमो एरीना में खेले गये मैच में भारतीय जोड़ी ने डटकर मुकाबला किया, लेकिन कड़े मुकाबले में 2-3 से हार गई। कोरियाई जोड़ी ने भारतीय खिलाड़ियों पर 11-9, 8-11, 11-7, 3-11, 11-3 से जीत दर्ज की।

अंकुर और तनीषा की जोड़ी ने 1-2 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और दक्षिण कोरियाई जोड़ी को निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने चौथे गेम में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन पांचवें गेम में वे लड़खड़ा गए। इस चूक और बेवक्त की गई गलतियों का खामियाजा भारतीय जोड़ी को हार के साथ चुकाना पड़ा।

इस बीच, दूसरी वरीयता प्राप्त दिव्यांशी भौमिक ने अंडर-15 लड़कियों के एकल के सेमीफाइनल में पहुंचकर कांस्य पदक पक्का कर लिया। उन्होंने दमदार प्रदर्शन करते हुए चीन की हुइज यांग को 3-1 (11-6, 7-11, 11-1, 11-7) से हराया किया। दूसरा गेम हारने के बाद दिव्यांशी ने जोरदार वापसी की और मैच के बाकी हिस्से में अपना दबदबा बनाए रखा। मंगलवार को सेमीफाइनल में उनका सामना एक अन्य चीनी प्रतिद्वंद्वी जिलिंग लियू से होगा।

इससे पहले के दौर में, प्रियानुज भट्टाचार्य और सिंड्रेला दास की भारतीय जोड़ी अंडर-19 मिक्स्ड डबल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में उत्तर कोरिया के जॉन जू फ्योंग और जो होंग रिम से सीधे सेटों में 9-11, 6-11, 9-11 से हार गई।

आवासीय बालिका स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट में प्रवेश के लिए 396 खिलाड़ियों ने लिया भाग

फुटबॉल में सर्वाधिक 120 खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन

जयपुर, 30 जून। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा भरतपुर, उदयपुर और जयपुर में खुलने वाली आवासीय बालिका स्पोट्र्स इंस्टीट्यूट में प्रवेश के लिए चयन स्पर्धा उदयपुर में जहा 26 जून को आयोजित की गई, वही जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सात खेलों की सलेक्शन ट्रायल आयोजित की गई। इसमें भाग लेने के लिए प्रदेश भर से 396 खिलाडी आए। सर्वाधिक 120 खिलाडियों ने बालिका फुटबाल की चयन स्पर्धा में भाग लिया जबकि 110 खिलाडियों ने बालिका एथलेटिक्स में प्रवेश के लिए दावा पेश किया।

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि विधाधर नगर स्टेडियम में एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, वेटलिफ्टिंग, फुटबाल और कबड्डी खेल के लिए आवासीय बालिका स्पोट्र्स इंस्टीट्यूट में प्रवेश के लिए चयन स्पर्धा आयोजित की गई। जबकि भरतपुर आवासीय बालिका स्पोट्र्स इंस्टीट्यूट में प्रवेश के लिए कुश्ती और हॉकी खिलाडियों के प्रवेश के लिए सलेक्शन ट्रायल आयोजित की गई। इसके अलावा एथलेटिक्स और कबड्डी खिलाडियों को भी भरतपुर स्पोट्र्स इंस्टीट्यूट में प्रवेश के लिए चुना जायेगा। उन्होने बताया कि विधाधर नगर स्पोट्र्स इंस्टीट्यूट के लिए उन खिलाडियों का ही चयन किया जायेगा, जिन्होने कम से कम जूनियर प्रतियोगिताओं में गत दो वर्षो में मेडल जीते है। साथ ही भरतपुर स्पोट्र्स इंस्टीट्यूट के लिए वे खिलाडी जिन्होने कम से कम सब-जूनियर प्रतियोगिताओं में गत दो वर्षों में मेडल जीते है, उनको ही लिया जायेगा।

चौगान स्टेडियम में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन

जयपुर, 30 जून। राजस्थान राज्य खेल परिषद द्वारा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन चौगान स्टेडियम में 16 से 30 जून तक किया गया। इस शिविर में दूध चने का वितरण विधायक बाल मुकंद आचार्य द्वारा किया गया। इस शिविर के अंतर्गत फुटबॉल, कबड्डी, वेट लिफ्टिंग, बॉक्सिंग, खो-खो, बॉल बैडमिंटन, वुशु, ताइक्वांडो, नेट बॉल और बास्केट बॉल, कबड्डी, फुटबॉल का प्रशिक्षण दिया गया तथा वुशु, बॉक्सिंग और ताइक्वांडो के खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। शिविर में सभी खेलों के 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया। शिविर का समापन आज किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक बाल मुकुंद आचार्य, विधायक, हवामहल विधानसभा रहें। कार्यकम में विशिष्ट अतिथि भाजपा के जयपुर शहर मंत्री सुरेश गुर्जर, चेयरमैन रामकिशन शर्मा, नगर निगम हैरिटेज (विद्युत समिति) मौजूद रहे। जिन्होंने सभी खेलों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए, बच्चों को आशीर्वाद दिया तथा खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। जिला खेल अधिकारी मान सिंह ने बताया कि राजस्थान राज्य खेल परिषद द्वारा खिलाड़ियों को टी-शर्ट, प्रमाण पत्र प्रदान दिए गए। मंच संचालन मोहित शर्मा ने किया।

जयेंद्र चतुर्वेदी को 15 से 24 तक अबू धाबी शतरंज महोत्सव में ग्रैंडमास्टर टूर्नामेंट में आर्बिटर नियुक्त किया गया

जयपुर, 30 जून। एक नई उपलब्धि में गुलाबी नगर के स्थानीय संगठन वेव्स और रॉयल जयपुर शतरंज क्लब ने वैश्विक शतरंज मंच पर अपनी छाप छोड़ी है। उनके संस्थापक डॉ. जयेंद्र चतुर्वेदी को 15 से 24 अगस्त 2025 तक निर्धारित अबू धाबी शतरंज महोत्सव में प्रतिष्ठित ग्रैंडमास्टर टूर्नामेंट के लिए आर्बिटर नियुक्त किया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय मान्यता गुणवत्तापूर्ण शतरंज आयोजनों, प्रशिक्षण और प्रतिभा को जमीनी स्तर से वैश्विक मंचों तक बढ़ावा देने में दोनों संगठनों के बढ़ते कद को दर्शाती है। इस उपलब्धि के साथ, वेव्स और रॉयल जयपुर शतरंज क्लब शतरंज की दुनिया में राजस्थान की उपस्थिति को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। अमरीश जोशी सीओओ वेव्स, ज्योति चतुर्वेदी ट्रस्टी वेव्स, रवि बजाज निदेशक रॉयल जयपुर शतरंज क्लब, आशीष रॉयल जयपुर शतरंज क्लब, अशोक भार्गव सचिव जयपुर जिला शतरंज संघ और अमित गुप्ता अध्यक्ष शतरंज अभिभावक संघ सहित सभी पदाधिकारियों ने उन्हें सफलता के लिए बधाई दी।

स्पेन, नीदरलैंड ने जीता फीबा 3 गुणा 3 विश्वकप का खिताब

उलानबातोर, 30 जून। स्पेन और नीदरलैंड की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 गुणा 3 बॉस्केटबॉल विश्वकप (फीबा) 2025 में पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते हैं। मंगोलिया की 3 गुणा 3 बास्केटबॉल एसोसिएशन के अनुसार रविवार को खेले गये पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले में स्पेन की टीम ने स्विट्जरलैंड को 21-17 से हराया। वहीं महिला वर्ग में नीदरलैंड ने मेजबान मंगोलिया को 15-9 से शिकस्त दी। पुरुषों के कांस्य पदक मुकाबले में सार्बिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी को 21-16 से हराया। महिला वर्ग में कनाडा ने पोलैंड को 21-9 से हराकर कांस्य पदक जीता।

सॉफ्ट हॉकी का दो दिवसीय रिफ्रेशर रेफरी कोर्स का सफल आयोजन

जयपुर, 30 जून। ऐमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में दो दिवसीय रिफ्रेशर रेफरी कोर्स का आयोजन यूथ हॉस्टल सभागार में सम्पन्न हुआ। इस पाठ्यक्रम के तहत सैद्धांतिक सत्र यूथ हॉस्टल सभागार में और प्रायोगिक अभ्यास एसएमएस स्टेडियम के एस्ट्रो टर्फ मैदान पर कराए गए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. आशुतोष पंत (अध्यक्ष, ऐमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ़ इण्डिया) थे तथा अध्यक्षता आई.जी. संदीप सिंह चौहान ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ और गजेन्द्र सिंह राठौड़ तथा महासचिव रमेश सिंह उपस्थित रहे। फेडरेशन के महासचिव रमेश सिंह ने बताया कि इस कोर्स में रेफरी की सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक दक्षता का मूल्यांकन कर उन्हें उपयुक्त ग्रेड प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण में हरजिंदर सिंह बराड़, दीपेन्द्र शर्मा, इन्द्रजीत सिंह शेखावत और हर्षित यादव ने तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही, फिजियोथेरेपी एवं प्राथमिक उपचार पर विशेष कक्षाएं भी आयोजित की गईं। अंतिम दिन लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित की गईं, जिनके आधार पर प्रतिभागियों को ए, बी एवं सी श्रेणियों में ग्रेडिंग दी जाएगी। समापन अवसर पर डॉ. आशुतोष पंत ने बताया कि अब रेफरी के निर्णयों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु सॉफ्ट हॉकी में एआई कैमरों और तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया जाएगा।

क्रिकेट और खिलाड़ियों का भला करना ही मकसद : कुमावत

जयपुर, 30 जून। राजस्थान राज्य सरकार ने पिछली आरसीए एडहॉक कमेटी को भंग करके नई एडहॉक कमेटी का गठन कर दिया जिसमें भाजपा विधायक जयदीप बिहानी की जगह सवाई माधोपुर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष दीनदयाल कुमावत को आरसीए की एडहॉक कमेटी का संयोजक बनाया गया है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी के कन्वीनर कुमावत ने बताया कि राजस्थान क्रिकेट संघ से संबंधित जिला क्रिकेट संघों को साथ लेकर क्रिकेट की भलाई के काम किए जाएंगे जिससे राजस्थान के खिलाड़ियों को क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा और राज्य सरकार ने इस नई एडहॉक कमेटी की जिम्मेदारी दी है उसे निस्वार्थ निभाने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ - साथ आरसीए के चुनाव करवाएं जाएंगे।

खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह एवं धनंजय सिंह ने हमेशा माना है कि एडहॉक कमेटी का काम सिर्फ चुनाव करवाना है

क्या खेल परिषद से आरसीए का एमओयू किया जाएगा ताकि आरसीए के ऑफिस के लगे ताले खुल सके?

जयपुर, 30 जून। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी में चल रहा संघर्ष अब पूरी तरह खत्म हो गया है। बार-बार कांग्रेस और भाजपा के सदस्य होने का आरोप प्रत्यारोप भी खत्म हो चुके है। राज्य सरकार ने अब पूरी तरह से भाजपायुक्तसदस्यों व नेता पुत्रों की एंट्री आरसीए एडहॉक कमेटी में कर दी है। खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह एवं धनंजय सिंह ने हमेशा माना है कि एडहॉक कमेटी का काम सिर्फ चुनाव करवाना है। अब सवाल यह उठता है कि जयदीप बिहाणी के संयोजक वाली एडहॉककमेटी को चुनाव नही कराने के आरोप लगाकर भंग करके नई एडहॉक कमेटी गठित की लेकिन क्या यह नई एडहॉक कमेटी इन तीनो महीनों में चुनाव करा पाएगी या नहीं। पिछली आरसीए एडहॉक कमेटी में संयोजक समेत 6 सदस्य थे, अब नई एडहॉक कमेटी में संयोजक समेत 5 सदस्य हैं

जिनमें से धनंजय सिंह दूसरी बार सदस्य बने हैं। नई एडहॉक कमेटी का विवादों से भरी अंगारों की पिच पर चुनाव कराना आसान नहीं होगा। पिछली कमेटी के संयोजक जयदीप बिहाणी के खिलाफ धनंजय सिंह ने चुनाव नही कराने एवं अन्य कारणों से मोर्चा खोल रखा था। क्या इस कमेटी के संयोजक ने भी अगर आने वाले तीन महीनों में चुनाव नही कराए या धनंजय सिंह के खिलाफ चले तो क्या धनंजय सिंह डीडी कुमावत के खिलाफ भी मोर्चा खोलेंगे जिस तरह जयदीप बिहाणी के खिलाफ खोला था?

कई सवाल ऐसे हैं जिनका जवाब नई एडहॉक कमेटी को हल करने ही पड़ेंगे

1. क्या पाली एवं बीकानेर को बहाल किया जाएगा?
2. क्या तीन महीनों में ही चुनाव करवा दिए जाएंगे?
3. क्या यह कमेटी भी आरसीए के कर्मचारियो, ग्राउंड स्टाफ, अधिकारियों के पेमेंट सीधे उनके खातों में भेजेंगे।
4. धनंजय सिंह एवं अन्य सदस्यों ने पिछली कमेटी के कन्वीनर जयदीप बिहाणी पर आरोप लगाया था कि जयदीप बिहाणी द्वारा व्यक्तिगत रूप से विभिन्न प्राधिकरणों, खेल संघों, रजिस्ट्रार सहकारी समितियों,को बिना सदस्यों की सहमति से पत्र, आदेश, निर्देश, कानून के अधिकार के बिना निकाले थे, क्या उन्हें वापस लिया जाएगा या नहीं?
5. कोई भी निर्णय समिति के सदस्यों की सहमति से किए जाएंगे या संयोजकको सहमति से?
6. क्या समिति की बैठक हर तीन सप्ताह में अनिवार्य रूप से आयोजित की जाएगी?
7. क्या समिति की बैठक में सभी सदस्यों का उपस्थित होना अनिवार्य होगा?
8. राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के (क्रिकेट) खिलाड़ियों की चैलेंजर ट्रॉफी का प्रोग्राम क्या होगा?
9. बैठक बुलाने का अधिकार कन्वीनर का होगा या सदस्यों का?
10. क्या सभी जिला क्रिकेट संघों से रिकॉर्ड मांगा जाएगा?
11. क्या कन्वीनर अपने स्तर पर भी फैसले ले सकते हैं ?
12. क्या आरसीए एडहाऑक कमेटी तीन महीनों की मीटिंग में चुनाव की तारीख तय कर देगी या तीन महीने बाद एक्सटेंशन लेकर आगे भी कायरू करती रहेगी।

जूनियर नेशनल में भाग लेने वाली राजस्थान (बालक व बालिका) वुशू टीम हैदराबाद के लिए रवाना

जयपुर, 30 जून। भारतीय वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 1 से 6 जुलाई 2025 तक गाचीबौली स्टेडियम, हैदराबाद में आयोजित होने वाली 24वीं जूनियर राष्ट्रीय (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान वुशू टीम हैदराबाद के लिये रवाना हुई। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान वुशू टीम की घोषणा की। अध्यक्ष के अनुसार प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाडियों व ऑफिसियल के नाम इस प्रकार है - **बालक टीम** - नितेश प्रजापत, हितार्थ गोड़वाल, रोनित पारीक, भविष्य जैमन, मोहम्मद महिर, शिवम शर्मा, मोहम्मद अकील, पारस, देवांग सैनी, मयंक वर्मा, सुनील महावर, देव पारीक, प्रिंस चौहान, संदीप, विहानराज सक्सेना, आशु, देवांश चौहान, कार्तिक, रुद्राक्ष अमेरिया, सुनील, मोनेन्द्र, प्रिंस, तुषार जाट,

स्वामीनारायण मंदिर के संत उज्जैन अक्षर प्रेम स्वामी और पूज्य विनम्रवदन स्वामी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की और 25 सितंबर को होने वाले जोधपुर अक्षरधाम मंदिर के उद्घाटन को लेकर आमंत्रण पत्र भेंट किया। स्वामी ने मुख्यमंत्री को मंदिर का प्रसाद और प्रसादिक माला से अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने निमंत्रण को सहज स्वीकार किया।

सुप्रीम कोर्ट ने गया महाबोधि मंदिर बौद्धों को सौंपने से इन्कार किया

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, हम ये याचिका नही सुन सकते हैं, पर आप को पटना हाईकोर्ट जाने की अनुमति है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जून। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें केंद्र सरकार और बिहार सरकार को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि बिहार के ऐतिहासिक महाबोधि महावीर मंदिर, बोधगया, का नियंत्रण और प्रबंधन बौद्ध समुदाय को सौंपा जाए। हालांकि, न्यायालय ने याचिकाकर्ता को पटना उच्च न्यायालय का रुख करने की स्वतंत्रता दी है।

न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई यह याचिका स्वीकार्य नहीं है।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सुंदरेश ने टिप्पणी की, "हम ऐसा कैसे कर सकते हैं? यह अनुच्छेद 32 के तहत स्वीकार्य नहीं है। हम कैसे एक निर्देश जारी कर सकते हैं? कृपया हाई कोर्ट जाइए।"

- **सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सुंदरेश और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बैंच ने कहा कि याचिका, जो आर्टिकल 32 के तहत दर्ज की गई है, आर्टिकल 32 के तहत ही सुनवाई योग्य नहीं, आप पटना हाईकोर्ट जाएं।**
- **याचिका में बोध गया टैम्पल एक्ट 1949 में संशोधन कर मंदिर का पूर्ण प्रबंधन बौद्धों को देने की मांग की गई थी।**
- **मंदिर, जो युनैस्को वर्ल्ड हैरिटेज साइट है, के प्रबंधन में बौद्ध व हिंदू दोनों शामिल हैं। बौद्धों का मत है कि इससे उनके धार्मिक अधिकार कमज़ोर होते हैं।**

अदालत ने याचिका को खारिज करते हुए कहा, "हम इसे स्वीकार नहीं करते। याचिका खारिज की जाती है। याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाने की स्वतंत्रता दी जाती है।"

यह याचिका सुलेखाताई नलिनीताई नारायणराव कुम्भारे द्वारा दाखिल की गई थी, जिन्होंने शीर्ष अदालत से यह अनुरोध किया था कि बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 में संशोधन का निर्देश दिया जाए, ताकि महाबोधि मंदिर का नियंत्रण और प्रबंधन बौद्ध समुदाय को सौंपा जा सके, जिससे उनके धार्मिक विश्वास और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा हो सके। वर्तमान में महाबोधि मंदिर, जो कि एक यूनैस्को विश्व धरोहर स्थल है और बौद्ध धर्म का एक पवित्रतम स्थल माना जाता है, वर्ष 1949 के अधिनियम के अंतर्गत संचालित होता है। इस अधिनियम के तहत मंदिर का प्रबंधन बिहार सरकार द्वारा नियुक्त एक प्रबंधन समिति के अधीन है, जिसमें हिंदू और बौद्ध, दोनों समुदायों का प्रतिनिधित्व होता है। याचिका में तर्क दिया गया कि मौजूदा प्रबंधन व्यवस्था बौद्धों के धार्मिक अधिकारों को कमजोर करती है और मंदिर का पूरा नियंत्रण केवल बौद्ध समुदाय को दिया जाना चाहिए, क्योंकि यह स्थल वैश्विक बौद्ध समुदाय के लिए अत्यधिक आध्यात्मिक महत्व रखता है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस चरण में हस्तक्षेप करने से इन्कार करने के बाद, याचिकाकर्ता को अब पटना उच्च न्यायालय में अपनी बात रखने का विकल्प उपलब्ध है।

'मैं भी डिजिटल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे भी डिजिटल ठगी का शिकार होते-होते बचे हैं। एक बार उनके पास भी ऐसा एक कॉल आया था। फर्जी कॉल का एहसास होने पर उन्होंने तुरंत ही अपना मोबाइल रजिस्ट्रार को दे दिया।

दरअसल हाईकोर्ट ने इस साल जनवरी में डिजिटल अरेस्ट व साइबर क्राइम के देशभर में बढ़ते मामलों और सैकडों लोगों से ठगी होने पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया था। हाईकोर्ट ने कहा कि इससे हजारों निर्दोष लोगों ने न केवल अपनी कमाई गंवा दी, बल्कि कई लोगों ने अपनी जान भी गंवाई हैं। डिजिटल अरेस्ट व साइबर क्राइम से हर क्षेत्र के लोग प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में इनसे हो रहे अपराधों से आमजन को बचाने और इनके खिलाफ ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है। अदालत ने कहा था कि राज्य सरकार ने इन अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठाए गए हैं, लेकिन फिर भी इनकी रोकथाम के लिए ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है। आरबीआई के स्तर पर भी गंभीर कदम उठाने की जरूरत है, ताकि ऐसे जालसाजी वाले लेनदेन के पैसे को ट्रांसफर न किया जाए और धोखाधड़ी करने वाले लेन-देन पर रोकथाम लगे।

राज्य सरकार ने गुर्जरों की मांगों पर विचार के लिए कैबिनेट सब कमेटी बनाई

कमेटी में कानून मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय मंत्री अविनाश गहलोत तथा गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म को शामिल किया गया है

जयपुर, 30 जून। गुर्जर सहित एमबीसी (मोस्ट बैकवर्ड क्लास) में शामिल सभी वर्गों की मांगों पर विचार कर समाधान सुझाने के लिए सरकार ने तीन मंत्रियों की कैबिनेट सब कमेटी का गठन किया है। इस कैबिनेट सब कमेटी में कानून मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म को शामिल किया गया है।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म खुद गुर्जर समाज से हैं और पहले कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की अगुआई में हुए गुर्जर आंदोलनों में सक्रिय रह चुके हैं। उन्हें गृह राज्य मंत्री के तौर पर कमेटी में शामिल किया गया है।

गौरतलब है कि एमबीसी आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करवाने सहित कई मांगों को लेकर 8 जून को भरतपुर के बयाना के कारवारी शहीद स्मारक (पीलूपुरा) में महापंचायत हुई थी।

- **8 जून को बयाना में हुई गुर्जर महापंचायत में एम.बी.सी. आरक्षण बिल को संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल करवाने, आरक्षण आंदोलन में हुए समझौते की सही अनुपालना करने तथा गुर्जर आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों के आश्रितों को अनुकंपा नौकरी देने की मांग की गई थी।**

गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने लोगों को सरकार का ड्राफ्ट पढ़कर सुनाया था और इसके बाद समाज की सहमति के बाद महापंचायत को समाप्त कर दिया। सरकार के मसौदे का एक गुट ने विरोध किया था और नाराज होकर रेलवे ट्रैक को जाम कर दिया था।

गुर्जरों की मांगो में जो प्रमुख मांगे हैं, उनमें एमबीसी आरक्षण विधायक को नौवीं अनुसूची में शामिल करने। आरक्षण आंदोलन के दौरान हुए समझौते की सही तरीके से पालना, सरकारी नौकरियों में 5 प्रतिशत आरक्षण का पूरा लाभ देने, देवनारायण योजना का सही तरीके से क्रियान्वन करने, आंदोलन के दौरान दर्ज हुए मुकदमों को वापस लेने, गुर्जर आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों के आश्रितों को सरकार में अनुकंपा नियुक्ति देने तथा रीट भर्ती 2018 में बचे हुए 372 पदों पर नियुक्ति करने की मांगें प्रमुख हैं।

अमृतसर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया जा रहा था, जो पहले से ही गोइंदवाल साहिब जेल में बंद है और जेल के अंदर से मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर इस नेटवर्क को लगातार चला रहा था। उन्होंने बताया कि जेल अधिकारियों की मदद से उसका फोन बरामद कर लिया गया है और कनाडा-पाकिस्तान से जुड़े नेटवर्क की गहराई से जांच के लिए उसका प्रोडक्शन वारंट हासिल किया गया है।

ये "हाईकमान"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी में चर्चा थी कि सोनिया गांधी किसी और पर भरोसा नहीं कर रही थीं कि वह पार्टी अध्यक्ष बने और बाद में, जब राहुल का मानस बदल जाये, और वे पार्टी अध्यक्ष बनने के लिये राजी हो जायें, तो वह कुर्सी राहुल गांधी को सौंप दे।

बाद में चुनाव हुआ, मल्लिकार्जुन खड़गे को चुना गया और सोनिया गांधी ने पार्टी नेताओं को फोन कर के उन्हें खड़गे के पक्ष में समर्थन देने के लिए कहा। खड़गे "अनाधिकारिक रूप से" आधिकारिक नेतृत्व की पसंद थे।

वास्तव में कांग्रेस के असली अध्यक्ष राहुल गांधी ही हैं। सारे फैसले वे और उनकी टीम ही लेती है।

हालाँकि, सही कहा जाए तो ज़्यादातर फैसले राहुल गांधी के सबसे करीबी सहयोगी और उनके "दाएं हाथ" बन चुके के. सी. वेणुगोपाल द्वारा लिए जाते हैं।

कई बार, खड़गे द्वारा सुझाए गए नामों और सूचियों को वेणुगोपाल रद्द कर देते हैं।

उन्हें राहुल गांधी की पूरी पावर ऑफ अटॉर्नी मिली हुई है और वे अपने मनमाफिक फैसले लेते हैं।

यह कहना गलत नहीं होगा कि राहुल गांधी खुद पार्टी के रोज़मर्रा के निर्णयों या घटनाक्रमों में दिलचस्पी नहीं लेते।

यह सब काम वेणुगोपाल को सौंपा हुआ है।

एक बार मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि सोनिया गांधी 21 वर्षों तक अध्यक्ष रहीं, राहुल गांधी पूर्व अध्यक्ष हैं – तो वे सभी मिलकर निर्णय लेते हैं और इसी समूह को हाई कमान कहा जा सकता है।

नियमों के तहत उन्होंने वेणुगोपाल को हाई कमान में शामिल नहीं किया।

यह है देश की सबसे शानदार अतीत वाली राजनीतिक पार्टी की मौजूदा दयनीय स्थिति, जहाँ न फैसले लिए जाते हैं, न चुनाव जीते जाते हैं, न ही भाजपा के स्लीपर सेल्स को बाहर निकाला जाता है, और जहाँ न कोई जवाबदेही है, न जिम्मेदारी, और सबसे जरूरी बात, निर्णय लेने में मदद करने वाला कोई थिंक टैंक भी नहीं है।

वेणुगोपाल को खुली छूट मिली हुई है और पार्टी आराम से ढलान की ओर जा रही है!!

ऐसे में मल्लिकार्जुन खड़गे अगर खुद को हाई कमान न मानें, तो कोई उन्हें दोष नहीं दे सकता!

एक जुलाई से रेल किराए में वृद्धि

नयी दिल्ली, 30 जून। भारतीय रेलवे के लंबी दूरी के यात्री किरायों में एक जुलाई से वृद्धि की गयी है। बड़े शहरों की उपनगरीय तथा मासिक या त्रैमासिक सीज़न टिकट की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गयी है। रेल मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय रेलवे ने एक जुलाई से मेल-एक्सप्रेस गाड़ियों के अनारक्षित द्वितीय श्रेणी, स्लीपर श्रेणी एवं गैर वातानुकूलित प्रथम श्रेणी के किराये में एक पैसा प्रति किलोमीटर तथा सभी प्रकार की वातानुकूलित श्रेणियों में दो पैसे प्रति किलोमीटर की एक समान वृद्धि की है।

सूत्रों के अनुसार साधारण पैसेंजर श्रेणी की ट्रेनों में अनारक्षित श्रेणी के टिकट की दरों में 500 किलोमीटर तक की दूरी की यात्रा के लिए कोई वृद्धि नहीं की गयी है, जबकि 501 किलोमीटर से 1500 किलोमीटर तक दूरी के टिकट पर पांच रुपये, 1501 से 2500 किलोमीटर के टिकट के लिए 10 रुपये तथा 2501 से 3000 किलोमीटर तक किराये पर 15 रुपये बढ़ाये गये हैं। इन्हीं गाड़ियों के स्लीपर श्रेणी और प्रथम श्रेणी के किरायों में आधा पैसा प्रति किलोमीटर बढ़ाया गया है।

तेलंगाना में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मतदाताओं के लिए बोल रहा हूं। जो हमारे साथ आस्था के साथ खड़े थे और जो आज निराश महसूस कर रहे हैं। पार्टी से इस्तीफा देने के ऐलान के साथ ही टी राजा सिंह ने जो पत्र लिखा है, उसमें उन्होंने कहा,भले ही मैं पार्टी से अलग हो रहा हूं, लेकिन मैं हिंदुत्व की विचारधारा और हमारे धर्म और गोशामहल के लोगों की सेवा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। मैं अपनी आवाज उठाता रहूंगा और हिंदू समुदाय के साथ और भी अधिक मजबूती से खड़ा रहूंगा।

राजीव शर्मा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शर्मा सन् 1990 बैच के राजस्थान कैडर के सबसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं। राजीव शर्मा भरतपुर और बीकानेर में आईजी रह चुके हैं। इसके अलावा, वे एसपी के रूप में झालावाड़, दौसा, राजसमंद, जयपुर ट्रैफिक, भरतपुर और जयपुर में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

पीड़िता के कॉलेज में एडमीशन के समय से ही आरोपी की उस पर नज़र थी

पुलिस ने खुलासा किया कि आरोपी ने दुष्कर्म की साजिश कई दिन पहले ही रच ली थी

कोलकाता, 30 जून। पश्चिम बंगाल में शहर के 'लॉ कॉलेज' में एक छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार चार लोगों में से तीन ने इसकी सुनियोजित योजना बनायी थी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने आज यह जानकारी दी। बताया गया है कि आरोपी मोनोजीत मिश्रा कई दिनों से युवती पर यौन संबंध बनाने का दबाव बना रहा था। मोनोजीत पूर्व छात्र नेता है और वकील है। लड़की के लगातार इनकार करने पर मोनोजीत ने कथित तौर पर 'बदला लेने' के लिए 25 जून को उस पर हमला किया।

विशेष जांच दल (एसआईटी) के एक अधिकारी ने कहा, पूरी घटना पूर्व नियोजित थी। आरोपी कई दिनों से इस हमले की साजिश रच रहे थे। हमारी जांच से पता चला है कि पीड़िता के कॉलेज में दाखिला लेने के समय से ही मोनोजीत ने उस पर निशाना साध रखा था।

- **पुलिस ने बताया कि जिस गार्ड रुम में यह अपराध हुआ, मोनोजीत वहां पहले भी ऐसे अपराध कर चुका है।**
- **पुलिस को एक और छात्रा मिली है जिसके साथ भी मोनोजीत ने दुष्कर्म किया था। मोनोजीत के विरुद्ध दुष्कर्म, छेड़छाड़, मारपीट के कई मामले दर्ज हैं।**

पुलिस के अनुसार मोनोजीत ने लॉ छात्रा के साथ दुष्कर्म किया, जबकि सह-आरोपियों प्रमित मुखर्जी और जयिब अहमद ने कथित तौर पर दुष्कर्म की फिल्म बनायी थी। वीडियो को उनके प्राइवेट ग्रुप में दिखाया गया और पीड़िता को चुप रहने के लिए भी डराया-धमकाया गया था। जांच से पता चला है कि मोनोजीत से जुड़ी यह ऐसी पहली घटना नहीं थी। जिस गार्ड रूम में पीड़िता पर हमला हुआ था, उसका इस्तेमाल पहले भी कई बार इसी तरह की हरकतों के लिए किया जा चुका है, क्योंकि यह जगह सीसीटीवी की निगरानी में नहीं है।

एसआईटी ने कम से कम एक और पीड़िता की पहचान की है, जिसका दावा है कि मोनोजीत ने उसी स्थान पर उसका यौन शोषण किया था। घटना के बाद कथित तौर पर मोनोजीत ने एक राजनीतिक व्यक्ति से संपर्क किया था, जिसने पहले भी उसे कानूनी शिकंजे से बाहर निकालने में मदद की थी। इस बार उस नेता ने हालांकि हस्तक्षेप नहीं किया। पुलिस अब तीनों मुख्य आरोपियों के कॉल रिकॉर्ड का विश्लेषण कर रही है, ताकि उससे किसी भी प्रभावशाली संबंध का पता लगाया जा सके।

'भारत के संविधान के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समाहित किया जाना चाहिए – और कुछ मौकों पर "धर्म-आधारित ढांचे" का भी संकेत दिया गया है।

भाजपा जो आरएसएस की राजनैतिक प्रतिनिधि है संविधान को स्वीकार करती है, लेकिन उसने ऐतिहासिक रूप से प्रस्तावना से "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" शब्द हटाने की मांग की है।

कई भाजपा नेताओं ने इन शब्दों को लेकर सार्वजनिक बहस की मांग की है, और दावा किया है कि इन्हें आपातकाल में अलोकतांत्रिक रूप से जोड़ा गया था। वर्ष 2015 में, तत्कालीन मंत्री रविशंकर प्रसाद जैसे नेताओं ने "मूल प्रस्तावना" को बहाल करने का समर्थन किया था। सुब्रमण्यम स्वामी भी लगातार इन दो शब्दों को हटाने की मांग करते रहे हैं।

संघ हिंदू सभ्यता पर आधारित सांस्कृतिक राष्ट्रवाद (हिंदुत्व) का और विकेन्द्रीकृत, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का पक्षधर है।

संघ ऐसी धर्मनिरपेक्षता चाहता है, जो हिंदू पहचान को दबाए नहीं बल्कि सभी धर्मों के प्रति समान न्याय की बात करे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता संघ से जुड़े या प्रशिक्षित रहे हैं। भाजपा की नीतियों और बयानों में आरएसएस की वैचारिक झलक अक्सर दिखती है, विशेष रूप से सांस्कृतिक और संवैधानिक मुद्दों पर।

भाजपा के 2014 और 2019 के घोषणापत्र में "संस्कृतिक राष्ट्रवाद" और "एकात्म मानववाद" को प्रमुखता दी गई थी।

भाजपा ने अब तक इसमें संशोधन नही किया, संवैधानिक संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत जरूरी है – जो फिलहाल भाजपा के पास नहीं है। दूसरे संवेदनशील मुद्दा होने के कारण भाजपा इससे सीधे टकराव से बच रही है। राजनीतिक रणनीति के तहत पार्टी धीरे-धीरे वैचारिक बदलाव के संकेत देती रही है।

भाजपा, आरएसएस की उस सोच का समर्थन करती है कि आपातकाल के दौरान "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" शब्द संविधान में अनुचित रूप से जोड़े गए थे।

हालांकि अभी तक औपचारिक रूप से प्रस्तावना को संशोधित करने की कोई विधायी कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन भाजपा बार-बार यह संकेत देती रही है कि वह इन शब्दों को पसंद नहीं करती और एक वैकल्पिक वैचारिक दृष्टिकोण को मानती है, जो हिंदुत्व, संस्कृतिक राष्ट्रवाद और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर आधारित है।

चीन व पाकिस्तान "सार्क" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उग्रवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रही है।

इस बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि चीन-पाकिस्तान इकॉनॉमिक कॉरिडोर (सी पी ई सी) का विस्तार अफगानिस्तान तक किया जाए। पाकिस्तान के एक अखबार के अनुसार, इस विस्तार की घोषणा से पहले, तीनों देशों के विदेश मंत्रियों ने "त्रिदेशीय" सहयोग को आगे बढ़ाने के व्यापक प्रयासों के एक हिस्से के रूप में, इस पर सहमति जताई। बैठक बीजिंग में हुई, जिसमें चीन के विदेश मंत्री वांग यी, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार और अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी शामिल हुए थे।

सूत्रों का कहना है कि आने वाले हफ्तों में भूटान, नेपाल और श्रीलंका के साथ भी इसी तरह की त्रिपक्षीय बैठकें आयोजित किये जाने की योजना है।

भारत ने सी पी ई सी का कड़ा विरोध किया है, क्योंकि यह परियोजना पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरती है। नई दिल्ली चीन के "बेल्ट एंड रोड" इनिशिएटिव का भी विरोध करता है, क्योंकि इसमें सी पी ई सी भी शामिल है।

- **जैसा की विदित ही है, सार्क, जिसमें भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका सदस्य हैं, की बैठक 2014 के बाद नहीं हो पाई है। वर्ष 2016 में इस्लामाबाद में बैठक जरुर हुई थी, पर भारत ने उरी स्थित आर्मी कैम्प पर पाकिस्तानी आतंकवादियों के हमले के कारण बैठक में भाग नहीं लिया था। तथा भारत के बाद बांग्लादेश, भूटान व अफगानिस्तान ने भी बैठक का बॉयकॉट कर दिया था।**

हालांकि तीनों देशों के बीच एक त्रिपक्षीय विदेश मंत्री तंत्र पहले से मौजूद था, लेकिन इस्लामाबाद और काबुल के बीच अफगान शरणार्थियों की जबरन वापसी को लेकर बढ़ते मतभेदों के कारण, इनकी बैठकें कुछ समय से नहीं हो रही थीं।

इस बीच, पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने एक-दूसरे की राजधानियों में अपने राजनयिक मिशनों को पुन: खोलने का फैसला किया है।

सूत्रों ने कहा, हाल ही में, चीन के कुनमिंग शहर में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश के बीच हुई त्रिपक्षीय बैठक भी इन्हीं कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा है। इसका उद्देश्य दक्षिण एशिया के उन अन्य देशों को इस नए संगठन में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना था, जो सार्क का हिस्सा हैं।

कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार, यह नया संगठन क्षेत्रीय संगठन सार्क की जगह ले सकता है, जिसमें भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं।

सूत्रों ने कहा कि इस नये प्रस्तावित मंच में भारत को भी आमंत्रित किया जाएगा, जबकि श्रीलंका, मालदीव और अफगानिस्तान जैसे देशों के इसका हिस्सा बनने की उम्मीद है।

अखबार ने कहा कि इस नए संगठन का मुख्य उद्देश्य व्यापार और संपर्क को बढ़ावा देकर क्षेत्रीय जुड़ाव को और अधिक गहरा करना है।

अखबार ने कहा कि यदि यह प्रस्ताव साकार होता है, तो यह सार्क की जगह ले सकता है, जो भारत-पाकिस्तान के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव के कारण निलंबित है।

सार्क का आखिरी द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन 2014 में काठमांडू में हुआ था। इसके बाद कोई सम्मेलन नहीं हुआ है।

2016 में सार्क शिखर सम्मेलन इस्लामाबाद में आयोजित होना था, लेकिन जम्मू-कश्मीर के उरी में उस वर्ष 18 सितंबर को भारतीय सेना के शिविर पर हुए आतंकी हमले के बाद, भारत ने "वर्तमान परिस्थितियों" का हवाला देते हुए, सम्मेलन में भाग लेने से इनकार कर दिया।

इसके बाद, बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान ने भी उस सम्मेलन में भाग लेने से इनकार कर दिया था, जिसके कारण वह रद्द कर दिया गया।

राजस्थान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। राजेश मीणा के महाराष्ट्र के चीफ सेक्रेटरी बनने पर सवाई माधोपुर के लोग उनकी पत्नी अर्चना को शुभकामनाएं दे रहे हैं।

तेलंगाना की कैमिकल फैक्ट्री में विस्फोट, 12 की मौत और 34 घायल

प्रधानमंत्री ने हादसे पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों को दो लाख रु. देने की घोषणा की

संगारेड्डी, 30 जून। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार को एक दवा बनाने वाली फैक्ट्री में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई है और 34 लोग घायल हो गए हैं। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8:.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़ने की आशंका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुख जताया है। साथ हीतेलंगाना केमिकल फैक्ट्री विस्फोट में मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि (मुआवजा) देनेकी घोषणा की है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मौके से छह शव बरामद किए गए। वहीं, अस्पताल में इलाज के दौरान कुछ मजदूरों की मौत हो गई। घटना के वीडियो में देखा जा सकता है कि फैक्ट्री से बाहर निकले मजदूर बुरी तरह झुलसे हुए थे।

- **घटना पाशमिलम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह सवा आठ से साढ़े 9 के बीच हुई, मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।**
- **सूत्रों ने बताया कि घटना के समय फैक्ट्री में 100 मजदूर थे।**

अधिकारियों ने कहा कि सोमवार को तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पासमैलारम फेज 1 क्षेत्र में एक रासायनिक कारखाने में हुए विस्फोट में एक दर्जन से अधिक श्रमिक घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही 11 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने के काम में जुट गईं।एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्फोट का सटीक कारण अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने मजदूरों से बात करने के बाद कहा, "विस्फोट में औद्योगिक शैड पूरी तरह उड़ गया। विस्फोट इतना जोरदार था कि कुछ मजदूर हवा में उछलकर करीब 100 मीटर दूर जा गिरे।"

जिस केमिकल फैक्ट्री में धमाका हुआ है, वहां अलग-अलग तरह के रसायन तैयार करने का काम होता है। घटना के समय फैक्ट्री में लगभग 100 मजदूर काम कर रहे थे। धमाके में बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। हालांकि, अब तक घायलों और मृतकों का सही आंकड़ा सामने नहीं आया है। अधिकारियों का कहना है कि रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म होने के बाद ही घायलों और मृतकों का सही आंकड़ा सामने आएगा।

कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक फार्मास्युटिकल कंपनी है, जो सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई), इंटरमीडिएट्स, एक्सिपिएंट्स, विटामिन-खनिज मिश्रणों और संचालन और प्रबंधन (ओ एंड एम) सेवाओं में अग्रणी प्रगति के लिए समर्पित है।

प्रशासन बचाव अभियान चला रहा है और अभी तक उन्हें घटनास्थल से कोई शव नहीं मिला है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभ्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908